शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 06 | गुवाहाटी | रविवार, 30 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

मैतेई महिलाओं ने रैली निकाल कर शांति बनाएं रखने की अपील की पेज 3 | युवाओं को प्रतिभा की बजाय भाषा के आधार पर आंकना सबसे बड़ा... पेज 4 | बारिश कम हो या ज्यादा, परेशान न हों किसान, हर कदम पर साथ ... पेज 5 | भाजपा एक अगस्त को जयपुर में करेगी बड़ा आंदोलन पेज 8

राज्य के सभी चौकियां पुलिस स्टेशन में होगी अपग्रेड : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। राज्य सरकार ने सभी पुलिस चौकियों को पुलिस स्टेशनों में बदलने का फैसला किया है। असम के मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि वर्तमान में राज्य में लगभग 250 चौकियां मौजूद हैं और उन सभी को पुलिस स्टेशनों में बदलना सरकार का एक बड़ा फैसला होगा। इसके साथ ही राज्य में पुलिस स्टेशनों की संख्या 600 का आंकड़ा पार कर जाएगी। सीएम ने कहा कि इससे आम जनता को फायदा होगा क्योंकि प्रभारी के न होने के चलते चौकी में कोई मामला दर्ज नहीं कर सकता। लेकिन अब यह सब बाधाएं दूर हो जाएंगी। मुख्यमंत्री ने हालांकि यह भी कहा कि अगर कुछ चौकियों या गश्ती चौकियों को उन्नत करने की आवश्यकता नहीं है तो राज्य सरकार उसके बारे में तर्कसंगत विचार करेगी। उधर पुलिस विभाग के होम गार्ड और नागरिक सुरक्षा के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री कहा कि होमगार्ड वर्तमान में एक अलग विंग (डीजीपी) द्वारा शासित है, लेकिन अब राज्य सरकार इसे डीजीपी असम के साथ विलय करने पर विचार कर रही है, जिसमें एक एडीजीपी नियुक्त किया जाएगा जो होम गार्ड की देखभाल करेगा और सिविल डिफेंस जो एक एकीकृत व्यवस्था होगी। हिमंत विश्व शर्मा ने यह भी दावा किया कि 2026 तक असम पुलिस अपने -शेष पृष्ठ दो पर

भ्रष्ट अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि भ्रष्टाचार को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तेज की जाएगी। अब तक एक सौ से अधिक भ्रष्ट लोक सेवकों को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा शनिवार को बंगाईगांव में आयोजित चौथे दो दिवसीय एसपी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पुलिस को *लव जिहाद* की जांच में मदद के लिए एसओपी विकसित करनी चाहिए, क्योंकि सरकार बहुविवाह और बाल विवाह के पकड़े गए आरोपितों के खिलाफ मुकदमा चलाने को सुनिश्चित करने के लिए कानून बनाने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लव-जिहाद के मद्देनजर पुलिस बलों को इस खतरे से निपटने के लिए विशेष संचालन प्रक्रियाओं के साथ सशक्त बनाया जाना चाहिए। बाल विवाह रोकने के संबंध में प्रदेश में सितंबर माह में एक और अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध में काफी कमी आयी है। हालांकि, हाई प्रोफाइल मामलों की सुनवाई विशेष कोर्टों में की जाएगी और विशेष लोक अभियोजक की तैनाती की जाएगी। भविष्य में होने वाले अपराधों पर रोक लगाने के लिए निर्धारित अवधि में आरोप पत्र दाखिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पुलिस को इस बात की जांच करनी चाहिए कि राज्य में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम को पूरी तरह से वापस लेकर भारतीय सेना के जवानों को राज्य से कैसे मुक्त किया जा सकता है। राज्य में उग्रवाद का दमन कर दिया गया है, इसलिए फिर से संगठित होने की कोशिश करने वाले तत्वों पर सक्रिय रूप से निगरानी रखने और उन्हें बेअसर करने के प्रयास शुरू किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने राज्यभर में विशेषकर प्रवेश और निकास बिंदुओं पर नशीली दवाओं की बरामदगी को तेज करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जुर्माना लगाने और ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने सहित यातायात अधिनियमों को सख्ती से लागू करना कारगर साबित हो सकता है। पुलिस बलों को सशक्त बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि असम पुलिस जल्द ही *शून्य रिक्त बल* बन जाएगी। क्योंकि, सभी रिक्त पद जल्द ही भरे जाएंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि 119 नए पुलिस स्टेशन बनाए जा -शेष पृष्ठ दो पर

असम में बाल विवाह का रजिस्ट्रेशन नहीं : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम में बाल विवाह का रजिस्ट्रेशन पूरी तरह से बंद करने का निर्देश रजिस्ट्रार को दिया गया है। साथ ही दूसरी शादी पर भी प्रतिबंध लगाया जा रहा है। वहीं, बाल विवाह से संबंधित मामलों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां राज्य के बंगाईगांव जिला मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम में अपराध का ग्राफ काफी नीचे आया है। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाइल चोरी, महिलाओं से चेन छीनने की घटनाएं आदि की शिकायतें जरूर आ रही हैं, लेकिन इसके पीछे का कारण यह है कि ड्रग्स पर -शेष पृष्ठ दो पर

105 करोड़ रुपए के एससीईआरटी घोटाला मामले में चार्जशीट दायर

गुवाहाटी। असम में 105 करोड़ रुपए के राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता सेल ने एक विशेष अदालत के समक्ष 1433 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। इसमें घोटाले में शामिल 21 आरोपियों के बारे में विस्तृत गतिविधियों का वर्णन किया गया है। आरोपपत्र में निलंबित आईएएस अधिकारी सेवाली देवी शर्मा समेत छह अन्य सरकारी अधिकारियों को आरोपी बनाया गया है। शुक्रवार को दाखिल -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ज्ञान से राजा अपनी आत्मा का परिष्कार करता है, संपादन करता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य की बिगड़ी तबीयत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को सांस लेने की समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शनिवार दोपहर को परेशानी अचानक बढ़ने के बाद उन्हें कोलकाता के वुडलैंड्स अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया। बताया जा रहा है कि वे काफी लंबे समय से सांस की समस्या से जूझ रहे हैं। पिछले दिनों उन्हें सांस लेने में दिक्कत के कारण अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, लेकिन बाद में उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। इस बीच, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की -शेष पृष्ठ दो पर

कॉरपोरेट मंत्रालय के चार अधिकारियों को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तीन लाख रुपए की रिश्वत के संबंध में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय में तैनात दो संयुक्त निदेशक रैंक के अधिकारियों और आलोक इंडस्ट्रीज के एक सहयोगी समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने एक बयान में कहा कि दिल्ली, गुरुग्राम और चेन्नई -शेष पृष्ठ दो पर

असम से यातायात करने वाले वाहनों के लिए अलग मार्ग का निर्माण किया जाएगा : पर्यटन मंत्री

शिलांग। मेघालय राज्य के पर्यटन मंत्री ने घोषणा की है कि राज्य सरकार राजधानी शिलांग में यातायात की भीड़ से बचने के लिए असम से वाहनों के लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। पिछले कुछ वर्षों में शिलांग शहर के लिए यातायात की भीड़ एक बड़ा सिरदर्द रही है और हाल के समय में यह कई गुना बढ़ गई है। यहां तक कि मेघालय हाई कोर्ट ने भी राज्य सरकार को इस समस्या से निपटने और शहर के लोगों को राहत पहुंचाने की दिशा में कदम उठाने का आदेश दिया है। राज्य में यातायात की भीड़ से संबंधित प्रश्नों का उत्तर देते हुए, पर्यटन मंत्री पॉल लिंडोह ने उल्लेख किया कि पड़ोसी राज्य असम से बड़ी संख्या में वाहन मुख्य रूप से यातायात के लिए मेघालय आते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अब ऐसे वाहनों के लिए नए मार्ग खोजने की कोशिश कर रही है ताकि पर्यटक स्थानीय यातायात में हस्तक्षेप किए बिना सीधे लोकप्रिय स्थलों तक जा सकें। इस तरह असम से पर्यटक वाहन -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : विपक्षी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ितों से की मुलाकात

इंफाल (हि.स)। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवपलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 21 सांसदों का प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को मणिपुर पहुंचा। इंफाल एयरपोर्ट पर उतरने के बाद सांसदों का दल हेलिकॉप्टर से चुराचांदपुर पहुंचा और रिलीफ कैंप में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। सांसदों के इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व असम के कलियाबोर क्षेत्र के कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई कर रहे हैं। यह दल मणिपुर में हिंसा के कारणों समेत अन्य बिंदुओं को जानने का प्रयास करेगा। राज्य के हिंसा पीड़ितों की समस्याओं के समाधान को लेकर सरकार और संसद को अपनी राय भी देगा। प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी, टीएमसी की राज्यसभा सदस्य सुष्मिता देव, जेएमएम से महुआ माझी, डीएमके सांसद कनिमोझी, -शेष पृष्ठ दो पर

यौन उत्पीड़न मामला : सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

मणिपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मणिपुर में मई में भीड़ द्वारा दो महिलाओं का कथित यौन उत्पीड़न किए जाने संबंधी मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। राज्य में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने संबंधी इस घटना का 4 मई का वीडियो इस महीने की शुरुआत में वायरल हो गया था। इस घटना की देशभर में कड़ी आलोचना हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप -शेष पृष्ठ दो पर

एनडीपीएस मामलों पर सीएम साहा ने अपनाया कड़ा रुख

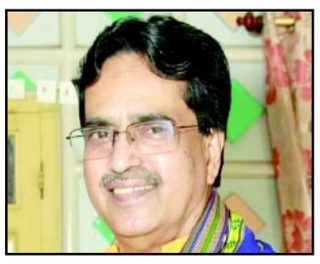

अगरतला। नशा मुक्त समाज और राज्य बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम को लेकर त्रिपुरा के सीएम माणिक साहा ने 29 जुलाई को कड़ा रुख अपनाया और उन्होंने न्यायपालिका से एनडीपीएस के कड़े प्रावधानों पर विचार करने को कहा। सीएम साहा ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग दुनिया भर में एक बड़ी समस्या है। उन्होंने न्यायपालिका से एनडीपीएस मामलों में जमानत देने के मामले में सख्त होने का आग्रह किया। अगरतला में त्रिपुरा न्यायिक अकादमी में *सीमा पार संगठित अपराध* पर एक सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री साहा ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु के कृष्णागिरि जिले की पटाखा इकाई में विस्फोट, आठ की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के कृष्णगिरि जिले में शनिवार को एक पटाखा इकाई में विस्फोट में तीन महिलाओं सहित आठ लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मृतकों के परिजनों और घायलों को सांत्वना दी है। साथ ही गृह मंत्री अमित शाह और पीएम नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। पुलिस के मुताबिक, जिले के पझायापेट्टई में पटाखा बनाने वाले गोदाम में अचानक हुए विस्फोट से कई लोग घायल हो गए। विस्फोट से इकाई के पास के घर और कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं हैं। प्रभावितों को बचाने के लिए पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस अधीक्षक ठाकुर ने बताया कि सात लोगों को मृत घोषित कर दिया गया है और कुछ अन्य घायलों को इलाज के लिए नजदीकी -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम शहबाज के ऑफिसर ने कबूला–

ड्रोन से भारत में ड्रग्स सप्लाई कर रहे पाकिस्तानी तस्कर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के एक सीनियर ऑफिसर ने टीवी पर यह बात कबूल कर ली है कि ड्रोन की मदद से सीमा के उस पार भारत के पंजाब राज्य में ड्रग्स की सप्लाई होती है। अधिकारी का कबूलनामा यह बताने के लिए काफी है कि कैसे पाकिस्तानी तस्कर भारत में नशीले पदार्थ डालने के लिए हाई-टेक उपकरणों का प्रयोग कर रहे हैं। भारत के राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्र देव महाराज का 76वां जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

गुवाहाटी। सद्गुरु सदाफल देव विहंगम योग संस्थान के वर्तमान सद्गुरु पदाधिकारी आचार्य श्री स्वतंत्र देव महाराज का आज 76 वां जन्मदिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में गुवाहाटी विहंगम योग संस्थान के अनुयायियों ने एवं साधक शिष्यों ने आचार्य श्री के जन्मदिवस पर विशेष वैदिक महायज्ञ का आयोजन किया। इसके साथ ही सत्संग भजन का कार्यक्रम भी रखा गया। वही विहंगम योग की साधक महिलाओं ने दोपहर में विहंगम योग संस्थान के गुवाहाटी सत्संग केंद्र -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

गुवाहाटी में फिर फटा पानी का पाइपलाइन

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में आज फिर पानी का पाइपलाइन फट गया। यह घटना राजधानी के जू-रोड के किनारे हुई। पाइपलाइन से पानी के ऊंचे फब्बारे निकलने लगा। यह घटना निर्माणाधीन फ्लाईओवर के नीचे हुई। पाइप लाइन फटने की वजह से पूरे इलाके में भारी ट्रैफिक जाम लग गया। पूरा इलाका जलमग्न हो गया है। घटना के आधे घंटे बाद भी जल बोर्ड की ओर से कोई मौजूद नहीं हुआ। जिस कारण लोगों में आक्रोश देखा गया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी शहर के कई हिस्सों में पानी के पाइपलाइन फटने की घटनाएं बीते एक माह में हो चुकी हैं। इसमें जान-माल की क्षति भी हो चुकी है। ज्ञात हो कि इससे पहले राजधानी के खारघुली, शिलपुखुरी, राजगढ़ रोड आदि के बाद आज जू-रोड पर पानी का पाइपलाइन फट गया।

भारत ने रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता में तोड़ा रिकार्ड

पहली बार डिफेंस प्रोडक्शन हुआ एक लाख करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारत ने रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता में छलांग लगाते हुए नया रिकार्ड हासिल कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंचा है। पिछले वर्ष के आंकड़ों की बात करें तो यह उनकी तुलना में लगभग 12 प्रतिशत तक बढ़ा है। भारत रक्षा क्षेत्र में घरेलू उत्पादन बढ़ाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। भारत के कई हथियारों की विदेशों से खूब डिमांड आ रही है। भारत की ब्रह्मोस मिसाइल, आकाश मिसाइल सिस्टम्स, रडार, डोर्नियर-228, 155 एमएम एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन्स (एटीएजी), सिमुलेटर, माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल्स, आर्मर्ड व्हीकल्स, पिनाका रॉकेट और लॉन्चर, एम्युनिशन, थर्मल इमेजर, बॉडी आर्मर, सिस्टम, लाइन रिप्लेसिएबिल यूनिट्स और एवियॉनिक्स की दुनिया के काफी देशों में डिमांड है। भारत के एलसीए तेजस, लाइट कॉंबैट हेलीकॉप्टर

और एयरक्राफ्ट कैरियर की मांग भी कई देशों में बढ़ रही है। हाल ही में रक्षा विभाग ने 928 उत्पादों की एक लिस्ट जारी की है, जिन्हें भारत में ही बनाया जाएगा। साथ ही आने वाले सालों में इनके आयात पर बैन लगाया जाएगा। आयात को कम करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 928 लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट्स (एलआरयू), सब-सिस्टम्स, स्पेयर और कंपोनेंट्स, हाई एंड मटीरियल्स और स्पेयर्स की चौथी लिस्ट जारी की वित्तीय वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन करीब 1.07 लाख करोड़ रुपए के मूल्य तक पहुंच गया। भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है कि देश के रक्षा उत्पादन का मूल्य एक लाख करोड़ रुपए एक ट्रिलियन रुपए के आंकड़े को पार कर गया है। ये 12 अरब डॉलर के बराबर की राशि है। अभी इस आंकड़े में और भी बढ़ोत्तरी हो सकती है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से दी जानकारी में कहा गया है कि निजी रक्षा उद्योगों से आंकड़े मिलने के बाद रक्षा उत्पादन का मूल्य इससे भी और ज्यादा हो सकता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार वित्त वर्ष 2023 में रक्षा उत्पादन की वैल्यू इस समय 1,06,800 करोड़ रुपए है। जब प्राइवेट डिफेंस इंडस्ट्रीज का डेटा आ जाएगा, तो यह आंकड़ा और भी बढ़ जाएगा। वित्त वर्ष 2023 में रक्षा उत्पादन की करंट वैल्यू वित्त वर्ष 2022 की तुलना में 12 फीसदी अधिक है। उस समय यह आंकड़ा 95,000 करोड़ रुपए था। वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय रक्षा उत्पादन 84,643 करोड़ रुपए का था। वहीं, वित्त वर्ष 2021-22 में यह 94,846 करोड़ रुपए था।

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, छह के हताहत होने की संभावना

नई दिल्ली। शनिवार को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में करीब छह नक्सलियों के हताहत होने की संभावना है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि जिले के चिंतागुफा और किस्टाराम थाना के सीमावर्ती गांव छोटेकेड़वाल के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुआ। उन्होंने बताया कि चिंतागुफा और किस्टाराम के सीमावर्ती गांव छोटेकेड़वाल, बड़ेकेड़वाल और सिंघनमड़गू के जंगलों में किस्टाराम एरिया कमेटी के प्रभारी राजू और प्लाटून नंबर आठ के प्रभारी मासा के साथ लगभग 30-35 नक्सलियों की मौजूदगी और नक्सलियों द्वारा शहीद सप्ताह मनाए जाने की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर डीआरजी और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कोबरा बटालियन के दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान आज सुबह जब सुरक्षाबल के जवान छोटेकेड़वाल के जंगल में थे तभी नक्सलियों ने उनपर हमला कर दिया। जिसके जवाब में डीआरजी के जवानों ने भी गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से लगभग एक घंटे तक गोलीबारी होने के बाद नक्सली वहां से भाग गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में चार से छह नक्सलियों के हताहत होने की संभावना है, जिन्हें उनके साथी अपने साथ ले गए। उन्होंने बताया कि पुलिस बल के जवान अभी भी अभियान पर हैं और उनकी वापसी के बाद इस संबंध में अधिक जानकारी मिल सकेगी। नक्सली अपने मारे गए नेताओं की याद में 28 जुलाई से तीन अगस्त तक वार्षिक शहीद सप्ताह मनाते हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि माओवादियों के सप्ताह को देखते हुए राज्य के नक्सल प्रभावित जिलों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

डिब्रूगढ़ और अगरतला से सिकंदराबाद की स्पेशल ट्रेनें चालू रहेगी

गुवाहाटी (हिंस)। यात्री सुविधा को देखते हुए और अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए स्पेशल ट्रेन संख्या 07046/07047 (सिकंदराबाद - डिब्रूगढ़ - सिकंदराबाद) और ट्रेन संख्या 07030/07029 (सिकंदराबाद - अगरतला - सिकंदराबाद) की सेवाएं सितंबर तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। पूसी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बताया कि इन ट्रेनों की सेवायें मौजूदा दिनों, समय, ठहराव और संयोजन के साथ चलेंगी। प्रत्येक सोमवार को सिकंदराबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 07046 (सिकंदराबाद - डिब्रूगढ़) स्पेशल की सेवाओं को 07 अगस्त से 25 सितंबर तक बढ़ाया गया है। वापसी दिशा में, प्रत्येक गुरुवार को डिब्रूगढ़ से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 07047 (डिब्रूगढ़ - सिकंदराबाद) स्पेशल की सेवाओं को 10 अगस्त से 28 सितंबर तक बढ़ाया गया है। इसके अलावा, प्रत्येक सोमवार को सिकंदराबाद से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 07030 (सिकंदराबाद - अगरतला) स्पेशल की सेवाओं को 07 अगस्त से 25 सितंबर तक बढ़ाया गया है। वापसी दिशा में, प्रत्येक शुक्रवार को अगरतला से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 07029 (अगरतला - सिकंदराबाद) स्पेशल की सेवाओं को 11 अगस्त से 29 सितंबर तक बढ़ाया गया है। इन ट्रेन सेवाओं के विस्तार से संबंधित रूट के अन्य ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को लाभ होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय सचिव बने सांसद कामाख्या तासा

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय समिति में असम से राज्यसभा से सांसद कामाख्या प्रसाद तासा को शामिल किया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तासा को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने संगठन में कारगर तरीके फेरबदल किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने पार्टी की केंद्रीय समिति में 13 को लोगों को नियुक्त किया।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयलाइंस हुई खस्ताहाल एफबीआर ने सभी बैंक खाते किए फ्रीज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की तरह ही उसकी प्रमुख एयरलाइन भी कंगाली की मार झेल रही है। फेडरल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू (एफबीआर) ने कथित तौर पर करों का भुगतान न करने के पर देश की प्रमुख एयरलाइन पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) के सभी बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पीआईए के प्रवक्ता अब्दुल्ला हफीज ने बताया कि एयरलाइन का प्रबंधन एफबीआरके संपर्क में था। उन्होंने कहा कि खातों को अवरुद्ध करने के बावजूद, पीआईए की उड़ान संचालन और अन्य गतिविधियां हमेशा की तरह जारी रहीं। सूत्रों के मुताबिक पीआईए पर एफबीआर का करीब 2.8 अरब रुपए टैक्स बकाया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि एयरलाइन का दावा है कि उसका बकाया लगभग 1.3 अरब रुपए है। यह पहली बार नहीं है कि पीआईए के खाते फ्रीज किए गए हैं। पिछले साल जनवरी में इसी मुद्दे पर 53 खाते फ्रीज कर दिए गए थे। बाद में करों की शीघ्र निकासी के लिए पीआईए प्रशासन के आश्वासन के बाद बैंक खाते बहाल कर दिए गए थे। इस बीच, एआरवाई न्यूज ने बताया कि पाकिस्तान स्टेट ऑयल (पीएसओ) ने तीन पीआईए विमानों के लिए ईंधन उपलब्ध कराने से भी इंकार कर दिया है, जिससे पीके-309 इस्लामाबाद-कराची, पीके-330 कराची-मुल्तान और पीके-739 मुल्तान-जेद्दा सहित निर्धारित उड़ानें बाधित हो गईं।

पृष्ठ एक का शेष

राज्य के सभी...

निरंतर सुधारों के कारण शीर्ष 10 पुलिस बलों में से एक बन जाएगी। इसके अलावा, एनएफएसएल में प्रशिक्षित किए जा रहे 400 अधिकारियों को अपराध स्थल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इस बीच, राज्य सरकार ने सेना द्वारा प्रदान किए गए समान बुनियादी ढांचे की तर्ज पर हर जिले में पुलिस कैंटीन और पुलिस मॉडल हाई स्कूल स्थापित करने की पहल भी की है, जिसमें पुलिस कर्मियों की पत्नियां ऐसे स्कूलों को विकसित करने में शामिल होंगी। वहीं अपराध स्थल अधिकारी सबूतों को पकड़ने और पुनर्प्राप्त करने के लिए अपराध स्थल पर भेजे जाने वाले पहले अधिकारी होंगे। इन्हें हर थाने में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा, सिलचर, बंगाईगांव और डिब्रूगढ़ में तीन नई फोरेंसिक प्रयोगशालाएं चालू की गई हैं एवं तीन और पर काम चल रहा है और राज्य के बाहर की प्रयोगशालाओं के साथ साझेदारी विकसित की गई है। राज्य में रोहिंग्या घुसपैठ पर असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा का कहना है कि असम के लिए कोई खतरा नहीं है क्योंकि वे यहां नहीं रह रहे हैं, लेकिन वे असम को यात्रा मार्ग के रूप में उपयोग कर रहे हैं और यह देश के लिए खतरा है। अगर कोई विदेशी नागरिक बिना पासपोर्ट और वीजा के आता है, यह हमारी संप्रभुता के लिए खतरा है। जो कोई भी अवैध रूप से देश में प्रवेश किया है, चाहे वह रोहिंग्या हो या गैर-रोहिंग्या, चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम, अवैध है और हम अवैधता को बढ़ावा नहीं दे सकते।

भ्रष्ट अधिकारियों ...

रहे हैं। फरवरी 2024 तक सभी पांच बटालियनों के पास स्थायी कार्यालय बुनियादी ढांचा होगा। डिजिटलीकरण के बड़े पैमाने पर प्रयोग पर बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पासपोर्ट आवेदकों के लिए एम-पासपोर्ट पुलिस ऐप के माध्यम से एक लाख पचास हजार से अधिक पुलिस सत्यापन पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक केंद्रित पुलिसिंग प्रदान करने के लिए पुलिस और नागरिक समितियों के बीच साझेदारी को मजबूत करने के लिए मसौदा वैधानिक नियमों को शीघ्र ही प्रकाशित किया जाएगा। इस मौके पर साइबर और डिजीटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए असम पुलिस ने माइक्रोसॉफ्ट और इंडियन फ्यूचर फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं।

असम में बाल विवाह...

अंकुश लगाया गया है। यही वजह है कि ड्रग्स की कीमतें बाजार में बढ़ गई है। ड्रग्स का सेवन करने वाले लोग इस तरह की छोटी-मोटी चोरियां किया करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे असम में होने वाली आपराधिक घटनाओं का आधा गुवाहाटी शहर में होता है, लेकिन इसके विपरीत असम में तैनात कुल पुलिस बलों की संख्या का सिर्फ 10 फ़ीसदी ही गुवाहाटी में तैनात है। पुलिस महानिदेशक इस पर अध्ययन कर रहे हैं। शीघ्र ही इस दिशा में कारगर कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी गुवाहाटी में पुलिस थानों की संख्या को बढ़ाकर 38 किया जा रहा है। वहीं, बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को भी गुवाहाटी में तैनात किया जा रहा है, जिससे आने वाले समय में गुवाहाटी में होने वाले अपराध में कमी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुलिस अधीक्षकों के साथ किए गए सम्मेलन के दौरान अपराध से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर बारीकी से चर्चा की गई। सरकार अपराध को नियंत्रित करने की दिशा में कई ठोस कदम उठा रही है। पत्रकार सम्मेलन के दौरान मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं के कई सवालों का बेबाक तथा सीधे-सीधे उत्तर दिया।

105 करोड़ रुपए ...

चार्जशीट में कथित संलिप्तता के लिए पत्रकारों और आरटीआई कार्यकर्ताओं सहित पांच ठेकेदारों को भी नामित किया गया था। अदालत ने छह सरकारी कर्मचारियों द्वारा निभाई गई भूमिकाओं की विभागीय जांच की अनुमति भी दे दी। मई में मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ ने मामले के सिलसिले में गुवाहाटी के दो पत्रकारों सहित चार और लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें पत्रकारों की पहचान पुजामोनी दास उर्फ हनी कश्यप और भास्कर ज्योति हजारिका के रूप में की गई। इसी मामले में आरटीआई कार्यकर्ता अनुप सैकिया और रबिजीत गोगोई की भी गिरफ्तीर हुई थी। जानकारी के मुताबिक निलंबित आईएएस अधिकारी सेवाली देवी शर्मा को सीएम की विजिलेंस सेल ने उनके दामाद अजीत पाल के साथ राजस्थान से गिरफ्तार किया था। उल्लेखनीय है कि कथित घोटाला 2017 और 2020 के बीच राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), असम के कार्यकारी अध्यक्ष और निदेशक के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान हुआ।

असम से यातायात करने ...

शिलांग में प्रवेश किए बिना सीधे सोहरा जैसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों तक पहुंच सकेंगे। उमियाम - मावलिंडेप मार्ग उन मार्गों में से एक है जो इस लक्ष्य की तैयारी में हैं। असम में पंजीकृत वाहनों के शहर के अंदर आने-जाने और यातायात समस्याओं में योगदान देने के संबंध में पूछे जाने पर, पॉल लिंगदोह ने कहा कि अगर मेघालय अपने राज्य में असम-पंजीकृत वाहनों का चलना बंद कर देता है, तो असम भी उसी के अनुसार प्रतिक्रिया देगा और इससे समस्याएं पैदा होंगी। इसलिए उन्होंने कहा कि उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को पड़ोसी राज्य में अपने समकक्षों के साथ चर्चा करने और उसी के समाधान तक पहुंचने की दिशा में समाधान खोजने का निर्देश दिया है। मंत्री ने कहा कि अगर हम उन्हें राज्य में जाने से रोकते हैं और फिर वे वैसा ही करते हैं, तो हम मुसीबत में पड़ जाएंगे।

मणिपुर : विपक्षी सांसदों ...

एनसीपी (शरद पवार गुट) के मोहम्मद फैजल, आरएलडी के जयंत चौधरी, आरजेडी के मनोज कुमार झा, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन, जेडीयू के राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, आम आदमी पार्टी के सुशील गुप्ता, शिवसेना (उद्धव गुट) के अरविंद सावंत शामिल हैं। सांसद गौरव गोगोई ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा कि हम, लोगों की मांगों को सुनना चाहते हैं। हम यहां मणिपुर के लोगों के साथ एकजुटता व्यक्त करने और उनके महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान करने के लिए जा रहे हैं। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि इंडिया चाहता है कि मणिपुर में पिछले 86 दिनों से चल रहे संघर्ष को खत्म किया जाए। वे सुनना चाहते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी का मणिपुर पर क्या कहना है। प्रधानमंत्री को मणिपुर के बारे में लोकसभा में वक्तव्य देना चाहिए। चौधरी ने कहा कि मणिपुर में स्थिति बहुत खराब है। हमारी कई मांगें हैं। हम उन्हें राज्यपाल के समक्ष पेश करेंगे। इससे पहले हम वास्तविकता पर गहराई से चर्चा करेंगे। टीएमसी सांसद सुष्मिता देव ने मणिपुर में दोनों विवादित समुदायों के विचारों को सुनने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह दौरे पर आने वाले सांसदों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।

यौन उत्पीड़न मामला...

दिया गया है। सीबीआई ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के संबंध में अपनी प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, इससे पहले विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के 21 सांसद शनिवार सुबह हिंसा प्रभावित मणिपुर के दो दिवसीय दौरे पर रवाना हो गए। ये सांसद जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी भी शामिल हैं। यह प्रतिनिधिमंडल अपने आकलन के अनुसार मणिपुर की समस्याओं के समाधान के लिए सरकार और संसद को सुझाव देगा।

एनडीपीएस मामलों पर ...

नशीली दवाओं का दुरुपयोग और खतरा न केवल हमारे देश में बल्कि त्रिपुरा के साथ-साथ पूरी दुनिया में एक प्रमुख सामाजिक चिंता बन गया है। आगे कहा कि त्रिपुरा में भी नशीली दवाओं की समस्या चिंताजनक है क्योंकि राज्य तीन तरफ से बांग्लादेश के साथ अंतर्राष्ट्रीय सीमा से घिरा हुआ है। उन्होंने बताया कि ड्रग तस्कर विभिन्न कारणों से अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं को अपने सुरक्षित गलियारे के रूप में उपयोग कर रहे हैं। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और इसका दुरुपयोग एक गंभीर चिंता का विषय है और यह देश की भावी पीढ़ियों को बर्बाद करने के अलावा बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियां पैदा कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी आसानी से नशे की ओर आकर्षित होने के खतरे की चपेट में आ सकती है, चाहे वह उत्साह और जिज्ञासा के लिए ही क्यों न हो...। सीएम साहा ने कहा कि पिछले तीन वर्षों (जून 2020 से जून 2023) में, पूर्वोत्तर राज्य में कड़े एनडीपीएस अधिनियम के साथ कुल 1,509 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जबकि 1,143 मामलों में आरोप पत्र प्रस्तुत किए गए। इन मामलों के संबंध में 2,000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। आगे बोले कि 428 विशेष एनडीपीएस मामलों में से केवल 30 मामलों में सजा सुनाई गई जो अपेक्षित स्तर तक नहीं है। उन्होंने कहा सख्ती से बोलते हुए कहा कि जहां तकएनडीपीएस मामलों का सवाल है, इन मामलों में सजा की दर बढ़ाना हमारी और सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसमें न्यायिक प्रणाली की बहुत बड़ी भूमिका है। मैं न्यायपालिका से एनडीपीएस मामलों में जमानत देते समय सख्त रुख अपनाने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशीली दवाओं की तस्करी के माध्यम से अर्जित काला धन आतंकवादियों के लिए हथियार खरीदने के लिए आय का सबसे बड़ा स्रोत है। सीएम साहा ने नशीली दवाओं की तस्करी और दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कानूनी सेवा प्राधिकरण के साथ-साथ जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों की सक्रिय भूमिका पर भी जोर दिया।

तमिलनाडु के कृष्णागिरि...

सरकारी अस्पताल ले जाया गया है। यहां एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। घायलों को इलाज के लिए कृष्णागिरी सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। इससे पहले मंगलवार को विरुधुनगर जिले के शिवकाशी शहर में एक पटाखा निर्माण फैक्ट्री में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई थी। कृष्णागिरी के पुलिस अधीक्षक सरोज कुमार ठाकुर ने बताया कि पझायापेट्टई इलाके में रवि नाम के व्यक्ति की पटाखा फैक्ट्री के अंदर विस्फोट हुआ। आग आसपास की दुकानों और घरों तक फैल गई। पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि बोगनपल्ली गांव के पझायापेट्टई में एक निजी पटाखा फैक्ट्री में अप्रत्याशित विस्फोट में आठ लोगों की मौत की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मैंने बचाव और राहत गतिविधियों की निगरानी और तेजी लाने के लिए खाद्य मंत्री आर चक्रपाणि को नियुक्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस घटना में मरने वालों के परिजनों को 3-3 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए और प्रत्येक घायल को 50,000 रुपए की सहायता राशि देने का भी एलान किया है। ये राशि उन्हें मुख्यमंत्री जन राहत कोष से दी जाएगी। साथ ही एक आधिकारिक बयान में उनके हवाले से कहा गया है कि सीएम ने यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्वास्थ्य अधिकारियों को घायलों के लिए उचित चिकित्सा देखभाल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना को लेकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी है। उन्होंने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा कि तमिलनाडु के कृष्णागिरि में एक पटाखा फैक्ट्री में हुए दुखद हादसे से बहुत दुखी हूं, जिसमें बहुमूल्य जिंदगियों की हानि हुई। इस बेहद कठिन समय में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। वहीं, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ने भी इस हादसे पर दुख जाहिर किया। उन्होंने कहा कि वह दुर्घटना में बहुमूल्य जिंदगियों के नुकसान से बहुत दुखी हैं। राज्यपाल ने अपने ट्वीट कर कहा कि मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। कृष्णागिरी में पटाखा फैक्ट्री में हुई दुर्घटना को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दुख जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि ये दुर्घटना दुखद है। मैं मृतकों के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

ड्रोन से भारत में ...

पंजाब में युवाओं के बीच बढ़ती नशे की आदत के लिए हमेशा पाकिस्तान को दोषी ठहराया गया है। लेकिन पाकिस्तान की सरकार ने हर बार इस बात को मानने से इनकार कर दिया । लेकिन अब पाक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के विशेष रक्षा सहायक मलिक मोहम्मद अहमद खान ने भारत के राज्य पंजाब सीमा से लगे कसूर शहर में पाकिस्तानी जर्नलिस्ट हामिद मीर को एक इंटरव्यू दिया है जिसमें उन्होंने यह बात मानी है कि ड्रोन से ड्रग्स की सप्लाई भारत में हो रही है। खान, कसूर से प्रांतीय विधानसभा (एमपीए) के सदस्य हैं। हामिद मीर ने 17 जुलाई को एक वीडियो ट्वीट किया है। इस वीडियो में उन्होंने खान से कसूर में सीमा पार जारी नशीले पदार्थों की तस्करी पर एक सवाल पूछा है। इस पर खान सकारात्मक जवाब देते हैं। खान ने कहा कि हां, और यह सच काफी डरावना है। हाल ही में दो घटनाएं हुई हैं जहां हर ड्रोन में 10 किलोग्राम हेरोइन बांधकर फेंक दी गई थी। एजेंसियां इसे रोकने की कोशिश कर रही हैं। मीर ने इस वीडियो को जिस कैप्शन के साथ ट्वीट किया है कि वह भी काफी सुरक्षात्मक है। मीर ने लिखा कि पीएम के सलाहकार मलिक मोहम्मद अहमद खान द्वारा बड़ा खुलासा। तस्कर हेरोइन पहुंचाने के लिए पाकिस्तान-भारत सीमा के पास कसूर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में ड्रोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए विशेष पैकेज की मांग की, अन्यथा पीड़ित तस्करों से जुड़ जाएंगे। बता दें कि कसूर भारत के राज्य पंजाब के खेमकरण और फिरोजपुर के ठीक सामने है। जुलाई महीने की शुरुआत में पंजाब पुलिस की तरफ से बताया गया था कि अकेले फिरोजपुर जिले में जुलाई 2022 से 2023 तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 795 एफआईआर दर्ज की गईं। आंकड़ों से पता चलता है कि ज्यादातर दवाएं पंजाब के उन जिलों से जब्त की गईं जो पाकिस्तान की सीमा से लगे हैं। हामिद मीर ने भारतीय अखबार इंडियन एक्सप्रेस को बताया है कि खान की टिप्पणी पहला कबूलनामा है। इससे पता चलता है कि पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए ड्रग्स की तस्करी हो रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यही सच है और खान का कबूलनामा काफी महत्वपूर्ण है।

सद्गुरु आचार्य श्री स्वतंत्र...

के बाहर गन्ने का रस आम लोगों के बीच वितरित किया। उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री स्वतंत्र देव महाराज का जन्मदिवस 27 जुलाई से 29 जुलाई तक देश विदेश में पालन किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री ने आश्रम मुख्यालय से विहंगम योग के सभी साधकों अनुयायियों एवं आम जनता को आशीर्वचन देते हुए सब के सर्वांगीण विकास की कामना की है। आचार्य श्री ने कहा कि जन्म दिवस के अवसर पर परोपकार के कार्यों को आयोजन करना चाहिए। इसी कड़ी में विहंगम योग संस्थान के समस्त केंद्रों पर आज जनमानस की सेवां से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए गए। गुवाहाटी केंद्र के अध्यक्ष किशन लाल प्रजापत ने बताया कि आज के इस शुभ दिवस पर संस्थान के समस्त साधक शिष्य वैदिक महायज्ञ एवं सत्संग में हर्षोल्लास के साथ शामिल हुए। महायज्ञ के पश्चात सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव...

कामना की है। जानकारी के मुताबिक वरिष्ठ माकपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को लंबे समय से सांस की समस्या है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को उनके ऑक्सीजन का स्तर काफी नीचे आ गया था। करीब 80 वर्षीय बुद्धदेव भट्टाचार्य के कुछ रक्त परीक्षण किए जाएंगे। जानकारी मिली है कि पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है।

कॉरपोरेट मंत्रालय के ...

में आरोपियों के परिसरों में तलाशी ली गई, जिसमें (लगभग) 59.80 लाख रुपए की नकदी, अपराध में इस्तेमाल होने वाले कई दस्तावेज और डिजिटल सबूत बरामद हुए अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के कार्यालयों में तैनात संयुक्त निदेशक मंजीत सिंह व पुनीत दुग्गल, वरिष्ठ तकनीकी सहायक रूही अरोड़ा और आलोक इंडस्ट्रीज के सहयोगी रेशम रायजादा शामिल हैं। सिंह और अरोड़ा कॉरपोरेट मामलों के महानिदेशक कार्यालय में तैनात हैं, जबकि दुग्गल चेन्नई में आधिकारिक ऋण शोधन अधिकारी के रूप में तैनात हैं। एजेंसी ने शुक्रवार को उन्हें भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों में संलिप्त होने, साजिश रचने और अवैध व अनैतिक व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित मामले में मंत्रालय द्वारा की जा रही जांच से संबंधित आलोक इंडस्ट्रीज की फाइलों में अनुग्रह के लिए निजी व्यक्ति से रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया था। एजेंसी ने कहा कि अधिकारियों ने प्राथमिकी के बाद जाल बिछाकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **द्वितीय अध्याय**

(क्षर)

क्षरत शब्द अस्पर्श है, क्षरत रुप रस गन्ध।
पंच मात्रा यह क्षर सभी, क्षर सकलो जग सन्ध॥ 03॥

शब्दार्थ : (क्षरत) गिरना, पतन (पंचमात्रा) शब्द, स्पर्श, रुप, रस, गंध (क्षर) अनित्य, (सन्ध) संयोग।

भाष्य : शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध एवं ये पंच तन्मात्राएं सभी क्षर हैं एवं समस्त संसार और उसका संबंध क्षर, अनित्य है।

पञ्च शब्द क्षर जानिये, क्षर अनहद झनकार।
क्षर छाया ज्योतीय सभी, क्षर है सकल पसार॥ 04॥

शब्दार्थ : (अनहद झनकार) ब्रह्माण्डी ध्वनि (पंच शब्द) रंरकार, ओंकार, सोहं, शक्ति, निरंजन।

भाष्य : ब्रह्मांडी पंच शब्द और अनहद ध्वनि या भौतिक छाया तथा सभी ज्योतियां क्षर हैं एवं समस्त संसार का विस्तार क्षर है।

विश्वनाथ में मारवाड़ी सम्मेलन का पौधरोपण कार्यक्रम

विश्वनाथ (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के सौजन्य में आज विश्व टाइगर दिवस के अवसर पर शंकरदेव विद्या शिशु निकेतन में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विद्यालय के पर मारवाड़ी सम्मेलन विश्वनाथ चारिआलि शाखा के अध्यक्ष छत्तर सिंह पवार, उपाध्यक्ष दिलीप शर्मा, सचिव संदिप अग्रवाल, सह सचिव जय गोयनका, विद्यालय के प्रधानाचार्य, विद्यालय संचालन समिति के अध्यक्ष ने अशोक और विभिन्न औषधीय पेड़-पौधा का रोपण किया। इसके बाद मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारी ने कहा वर्तमान मनुष्य चारों ओर पेड़- पौधा काटकर कल करखाना, मकान बनाने के चलते वायुमंडल प्रदूषण होने के साथ वातावरण में विभिन्न बदलाव आ रहा है। इसलिए भविष्य में वायुमंडल को संतुलन बनाने के लिए पेड़- पौधा लगाया अत्यंत जरूरी हो गया है।

मैतेई महिलाओं ने रैली निकाल कर शांति बनाएं रखने की अपील की

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में चल रहे सामुदायिक संघर्ष के बीच शनिवार को इंफाल में मैतेई समुदाय की महिलाओं ने एक विशाल रैली निकाली। रैली में महिलाओं ने लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की। शनिवार को मैतेई समुदाय की महिलाओं ने इंफाल की सड़कों पर उतर कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने रैली के दौरान कुकी समुदाय के लोगों के लिए अलग प्रशासनिक व्यवस्था किए जाने की मांगों का विरोध किया। शांतिपूर्ण तरीके से निकाली रैली में महिलाओं ने कहा कि मणिपुर की अखंडता को हर हाल में बरकरार रखा जाना चाहिए। महिलाओं ने राज्य में एनआरसी के जरिए सही नागरिकों की पहचान करने की सरकार से अपील की है। महिलाओं ने केंद्र सरकार से अपील की कि सरकार मणिपुर के विद्रोहियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं, सघन

अभियान को बंद न करे। महिलाओं ने कहा कि वे हर हालत में मणिपुर में शांति और मणिपुर के अखंडता को बरकरार रखना चाहती हैं।

एनएससीएन-आईएम के दो कैडरों की हत्या

इंफाल (हिंस)। मणिपुर के ननेई जिले में एनएससीएन-आईएम के दो कार्यकर्ताओं की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस के अनुसार जिले के रेंगपांग में एक घर में सो रहे एनएससीएन-आईएम के दो कार्यकर्ताओं की जेलियांग्रोंग यूनाइटेड फ्रंट (जेडयूएफ) कार्यकर्ताओं ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी।

सीबीआई ने उलुबाड़ी शाही ऑर्किड मामले में 4 लोगों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। सीबीआई की एक टीम ने उलुबाड़ी शाही ऑर्किड मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया है। सीबीआई द्वारा आज मीडिया को दी गई जानकारी के अनुसार यह गिरफ्तारी शुक्रवार को हुई। गिरफ्तारी रेलवे लाइनों के निर्माण के नाम पर हुए भारी घोटाले के सिलसिले में हुई है। आरोपों के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के नाम पर भी घोटाला हुआ था। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की टीम चारों अभियुक्तों से पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार ठेकेदारों में राम अवतार भरतिया, अविनाश भरतिया, पवन कुमार भरतिया और शंकर प्रसाद मोर शामिल हैं। अविनाश और पवन राम अवतार भरतिया के बेटे हैं। इस मामले में सीबीआई द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मणिपुर हिंसा : राहत शिविर में विस्थापितों से मिलीं राज्यपाल, दिया सुरक्षा का भरोसा

इंफाल (हिंस)। मणिपुर की राज्यपाल अनुसूया उइके ने शनिवार को जातीय संघर्ष से प्रभावित विस्थापित लोगों के चुराचांदपुर में बने राहत शिविर का निरीक्षण और विस्थापित लोगों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षा और शांति का आश्वासन दिया। मणिपुर की राज्यपाल उइके शनिवार को चुराचांदपुर के एक राहत शिविर पहुंची। उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण घटना से पीड़ितों से मुलाकात की। राज्यपाल के सामने कई सर्वहारा कई पीड़ित फूट-फूटकर रोने लगे। राज्यपाल ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी और उन्हें सुरक्षा और शांति का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उन लोगों को मुआवजा देगी, जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को खो दिया है और जिनकी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। राज्यपाल ने उनसे कहा कि *मैं हाथ पर हाथ रखे नहीं बैठी हूं। शांति और मणिपुर के लोगों के भविष्य के लिए मैं हरसंभव प्रयास करूंगी।*

विकलांगों के लिए विशेष शिविर का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा प्रशासन के सौजन्य से शुक्रवार को नगर के बीचों बीच स्थित ऐतिहासिक हरदत्त-बिरदत्त भवन परिसर में विकलांग व्यक्तियों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन कामरूप जिला स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक और रंगिया-कमलपुर एवं बिहदिया-जाजीकोना बाल विकास परियोजना अधिकारिओं के सहयोग से किया गया। स्वास्थ्य विभाग के कई विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति में आयोजित इस शिविर में 300 से भी अधिक दिव्यांजन उपस्थित रहे। इस मौके पर महकमा के अंतर्गत उपस्थित दिव्यांजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें प्रमाणपत्र दिया गया। जिसकी सहायता से वे यूडीआईडी कार्ड प्राप्त करने में सक्षम हो

सकेंगे। शिविर के अंतर्गत कई विकलांग लोगों के लिए नि:शुल्क ऑनलाइन आवेदन करने की भी व्यवस्था की गई। मौके पर रंगिया के महकमाधिपति दिपन बर्मन सहित महकमा प्रशासन के बहुत से अधिकारी उपस्थित रहे।

रंगिया में भारतीय जनता युवा मोर्चा का विरोध-प्रदर्शन

रंगिया (विभास)। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने शनिवार को कांग्रेस नेता भूपेन बोरा की टिप्पणी के खिलाफ रंगिया नगर में विरोध प्रदर्शन किया। रंगिया के बीचों बीच स्थित गांधी मंडप के पास आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भूपेन बोरा की प्रतिमूर्ति जलाई तथा विभिन्न स्लोगन के साथ उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता युवा मोर्चा, असम प्रदेश और भाजपा उत्तर कामरूप जिला युवा मोर्चा द्वारा रंगिया ब्लॉक मंडल और नगर मंडल के सहयोग से आयोजित किया गया। इस मौके पर भारतीय जनता युवा मोर्चा, असम प्रदेश के अध्यक्ष सिद्धांकु अंकुर बरुआ, जिला भाजपा अध्यक्ष सुबल पाल, भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश महासचिव तापस कलिता और त्रिदिव ज्योति मोरान, भाजपा जिला युवा मोर्चा के प्रभारी तथा प्रदेश सचिव विश्वजीत हाजोरिका, जिला युवा मोर्चा के अध्यक्ष ऋषव रंजन दास पार्टी के सहित बहुत से पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

विश्वनाथ आंचलिक छात्र संघ का अभिनंदन समारोह आयोजित

विश्वनाथ (हिंस)। विश्वनाथ चारिआलि आंचलिक छात्र संस्था की ओर से आज कमलाकान्त नाट्य समाज प्रेक्षागृह में विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजित किया गया। जिसमें इस वर्ष 2023 में हाईस्कूल परीक्षा, हाईमद्रासा, उच्चतर माध्यमिक कला, विज्ञान, वाणिज्य शाखा में विश्वनाथ चारिआलि के अंदर सुख्याति से अर्जन करने वाले विद्यार्थी को अभिनंदन स्वागत और अभिनंदन एक समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का सर्वप्रथम शुभारंभ सुबह 9 बजे अखिल असम छात्र संस्था का ध्वजारोहण विश्वनाथ चारिआलि आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष लक्ष्यजीत शैकिया ने किया। इसके बाद शहीदों का तर्पण विश्वनाथ चारिआलि आंचलिक छात्र संस्था के महासचिव प्रज्ञानज्योति सैकिया ने किया। तत्पश्चात दोपहर विशेष अभिनंदन समारोह सभा का आयोजन किया गया जिसमें सर्वप्रथम

विद्यार्थी ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। इसके बाद सभा का कार्यवाही शुरू हुआ जिसका अध्यक्षता विश्वनाथ आंचलिक छात्र संस्था के अध्यक्ष लक्ष्यजीत शैकिया ने किया जिसका उद्घाटन विश्वनाथ के अतिरिक्त उपायुक्त मानस ज्योति सैकिया ने सभा को संबोधित करके किया। विश्वनाथ आंचलिक छात्र संस्था के महासचिव प्रज्ञान ज्योति सैकिया ने सभा की उद्देश्य व्याख्या की। इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित शरत हजारिका, महासचिव, असम उन्नति सभा, सम्मानित अतिथि के रूप में रूपम दास, केंद्रीय कार्यनिर्वाहक, अखिल असम छात्र संस्था, बिद्युत शर्मा, सचिव, असम उन्नति सभा, नबज्योति बरुआ, केंद्रीय कार्यनिर्वाहक, असम, सेना, पुरबी भट्टाचार्य, प्राचार्या, विश्वनाथ कॉलेज ऑफ कॉमर्स, वरिष्ठ शिक्षक व समाजसेवी निरंजन हाजरिका, सम्मानित अतिथि के रूप में बिक्रम विकास बोरा, अध्यक्ष, अखिल विश्वनाथ जिला छात्र संस्था, भुवनेश्वर तांती, महासचिव, अखिल विश्वनाथ जिला छात्र संस्था, नीतू बोरा, सलाहकार, विश्वनाथ महकमा छात्र संस्था, सूरज भुइयां, अध्यक्ष, विश्वनाथ महकमा छात्र संस्था, सुशील तांती, महासचिव, विश्वनाथ महकमा छात्र संस्था, नयन बोरा, सलाहकार, विश्वनाथ चारिआलि आंचलिक छात्र संस्था, उद्दीप्त भुइयां, सलाहकार, विश्वनाथ चारिआलि आंचलिक छात्र और विभिन्न जातीय संगठन के पदाधिकारी को फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया। इसके बाद अतिथियों ने विद्यार्थी की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विभिन्न शिक्षाप्रद जानकारी देते हुए अपना संबोधन दिया। इसके बाद दसवीं, बारहवीं के मेधावी विद्यार्थी को प्रशस्ति पत्र और उपहार से सम्मानित किया गया।

चंदा इकट्ठे कर ग्रामीणों ने बनाया बांस का पुल

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम शहर के राभापाड़ा गांव में आज यातायात के लिए ग्रामीणों ने बांस का पुल बनाया। इससे पहले राभापाड़ा के गांवबुढ़ा ने फीता काटकर पुल का शुभारंभ किया। बताया जाता है कि यह एकमात्र पुल ही है जो राभापाड़ा गांव के उत्तर राभापाड़ा को जोड़ता है। उक्त पुल आज करीब चार साल पहले बाढ़ में बह गया था। जबकि इस पुल के लिए ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक और बीटीसी के एमसीएलए के पास गए निर्माण की मांग की। लेकिन कोई लाऊ नहीं हुआ। अंत में ग्रामीणों ने गांव से चंदा उठाकर आज उक्त पुल का निर्माण किया। पुल उद्घाटन के मौके पर राभापाड़ा के चार नंबर वार्ड के पार्षद संजय ब्रह्म और बड़ी मात्रा में स्थानीय लोग मौजूद थे।

पुलिस ने किए 38 मवेशी जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में एक अभियान चलाकर 38 मवेशियों को लेकर जा रही एक ट्रक को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार को जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में जोराबट पुलिस चौकी के पास चलाए गए एक अभियान के दौरान ट्रक (डब्लू बी - 51ए- 2176) को जब्त किया गया। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 38 मवेशियों को मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। जब्त किए गए पशुओं को बड़ी ही क्रूर तरीके से ट्रक के भीतर ले जाया जा रहा था। जिसकी वजह से 3 पशुओं की मौत हो गई। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है।

दिगंबर जैन पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला से की भेंट

गुवाहाटी (विभास)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला के गुवाहाटी प्रवास के दौरान दिगंबर जैन पंचायत का एक प्रतिनिधिमंडल लोकसभा अध्यक्ष से शिष्टाचार मुलक भेंट की। इस अवसर पर जैन पंचायत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष का असमिया परंपरा के अनुसार अभिनंदन किया गया एवं उन्हें अनुरोध किया गया कि चतुर्मास के दौरान फैंसी बाजार स्थित महावीर स्थल में आचार्य श्री प्रमुख सागर जी का ससंघ चतुर्मास प्रवास हो रहा है। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष महाराज श्री के दर्शन एवं प्रवचन में हिस्सा लेने हेतु पधारने का कष्ट करें। लोकसभा अध्यक्ष ने जैन पंचायत के इस अनुरोध को सहर्ष स्वीकार किया एवं रविवार को आयोजित होने वाले दोपहर के प्रवचन में हिस्सा लेने की स्वीकृति भी प्रदान की। इस प्रतिनिधिमंडल में दिगंबर जैन पंचायत के मंत्री विरेंद्र सरावगी, बीके चूड़ीवाल, कमल जैन हाथीगोला, ओमप्रकाश सेठी, विजय गंगवाल, सुरेश कासलीवाल, मूलचंद पाटनी, मनीष छाबड़ा, सौरभ अजमेरा, विकास विनायक्या, जितेंद्र गंगवाल, अमित बाकलीवाल, भरत बड़जात्या और विकास पाटनी उपस्थित थे।

मोहर्रम के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में निकाले गए ताजिये जुलूस

गुवाहाटी (विभास)। पूरे देशभर के साथ-साथ आज गुवाहाटी में भी ताजिये निकाले गए। मोहर्रम के इस पावन अवसर पर मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए जानकारी दी कि गुवाहाटी के विभिन्न जगहों से इस्लाम धर्मावलंबियों ने ईदगाह फिल्ड में जमा हुए और एक-दूसरे से गले मिले। इसके अलावा गुवाहाटी के सभी मस्जिदों, मदरसों व मजारों पर मिलादें हुई, नमाजे पढ़ी गई तथा सिरनी फातिहा की गई। इसके बाद लोगों के बीच सिरनी व शरबत तकसीम की गई। आगे मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि उलूबाड़ी माजार के खादीम शैयद

अब्दुल करीम साहब के द्वारा ख्वाजगन जाहिर शाह औलिया के माजार पर दोपहर एक बजे जोहर नमाज के बाद मिलाद का आयोजन किया गया। इस दौरान तमाम अवाम के अमन-चैन के लिए दुआएं की गई। तत्पश्चात जायरिनों व गरीबों के बीच सिरनी व शरबत तकसीम की गई। वहीं खादीम शैयद अब्दुल करीम साहब ने बताया कि हजरत पैगंबर मुहम्मद साहब के नवासे (नाती) इमाम हुसैन को पूरे परिवार के सदस्यों के साथ इराक शहर के कर्बला के मैदान में पूरे परिवार के साथ शहीद कर दिया गया था। वहां के खलिफा यजिद के सेनाओं ने सन 680 ईसवी में खूनी जंग खेली थी और उर्दू कैलेंडर के मुताबिक 10 मुहर्रम को इसका अंजाम दिया था। तब से मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पूरे विश्व में मातम के रूप में मोहर्रम मनाते हैं और विभिन्न देशों व शहरों में ताजिये निकालते जाते हैं।

TENDER NOTICE

Sealed tender in plain paper affixing non refundable court tees of Rs. 8.25 (Rupees Eight and paise twenty five) only is hereby invited from eligible govt. registered contractor/supplier/farm having experience in livestock dealing with supply of livestock and other related items as per the specification for implementation of the component "Conservation of Fodder through Post Harvest technologies" under National Livestock Mission (NLM) in this district (Tinsukia). The tender paper will be received at the District A.H. & Veterinary Office. Tinsukia. fram 11 AM of 28th July 2023 till 2 PM af 12th August 2023 and will be apened at 2.30 PM an the same day and place in front of the tenderers or their representatives who wishes to attend.

If the date of tender happens to be a holiday/ bandh or if it is not possible to receive on the stipulated date for any unforeseen reasons the next working day will be considered as the last date for receipt/ opening of the tenders.

Sl. No.	Name of Work	Assessed value per unit (Rs.)	Quantity	Total Amount (Rs.)	Earnest Money (Rs.)
1.	Supply of Hand driven Chaff Cutter	5834.85	50 nos.	291742.50	@ 2%
Total Work value Rs. 291742.50					

TERMS AND CONDITIONS :

1. The tenderer should quote their rate on flat percentage basis both in figures and words .
2. The following documents (self attested photocopies) should also be furnished with the tender:
   a. Upto date GST registration certificate.
   b. Upto date labour license.
   c. Upto date trade license,
   d. PAN & AADHAAR Card.
3. Delivery of Hand driven Chaff Cuter has to be supplied and completed within 20 days from the date of issue of work order.
4. The department will not bear any labour and delivery cost.
5. The tender must be accompanied with requisite eamest money in the shape of Bank D.D/ NSC duly pledged in favour of the District A.H. & Veterinary Officer. Tinsukia.
6. Details terms and conditions and other particulars of the works may also be seen in the office of the undersigned before submitting the tender.
7. The successful bidder will submit the bill with full vouchers, related photographs and completion certificate from concerned Veterinary Officers after completion of the works within the stipulated date.
8. Payment will be reade after approval of the bill by the Chairman, DLMC, Tinsukia.
9. The tender committee reserves the right to accept or reject any or all the tender papers without assigning any reasons thereof.

Sd/-
District A.H. & Veterinary Officer.
Tinsukia

-- Janasanyog /C/8108/23

आर्य अस्पताल में नि:शुल्क हेपेटाइटिस बी जांच और टीकाकरण

गुवाहाटी। विश्व हेपेटाइटिस दिवस 2023 के अवसर पर आर्य अस्पताल में हेपेटाइटिस बी के लिए मुफ्त जांच और टीकाकरण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान का आयोजन डॉ. केएम डेका, एमडी, मेडिसिन द्वारा रेनोमेड लाइफसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से किया गया था। उनकी पहल के बारे में बोलते हुए, डॉ. केएम डेका, एमडी, मेडिसिन ने कहा कि बहुत से लोग नहीं जानते कि हेपेटाइटिस कितना गंभीर है और इसे रोका जा सकता है। अपने टीकाकरण अभियान के साथ, हम इस बीमारी को रोकने और इसे जनता के लिए आसानी से उपलब्ध कराने में अपना योगदान देने की कोशिश कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि हम भविष्य में भी ऐसी गतिविधियां जारी रखेंगे। कार्यक्रम में लगभग सौ लोगों को हेपेटाइटिस बी के खिलाफ मुफ्त जांच और टीकाकरण प्रदान किया गया, जो एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या है, जहां हर 30 सेकंड में, एक व्यक्ति वायरल हेपेटाइटिस से संबंधित बीमारी से मर जाता है। हेपेटाइटिस से लीवर में सूजन आ जाती है जिससे गंभीर बीमारियां यानी लीवर सिरोसिस और लीवर कैंसर हो जाता है। हेपेटाइटिस के पांच मुख्य वायरस हैं, जिन्हें प्रकार एबीसीडी और ई कहा जाता है। ये पांच प्रकार सबसे अधिक चिंता का विषय हैं क्योंकि इनके कारण होने वाली बीमारी और मृत्यु का बोझ और प्रकोप और महामारी फैलने की संभावना है।

रबर गोदाम में लगी आग से लाखों का नुकसान

करीमगंज (हिंस)। करीमगंज जिले के बदरपुर के माइजबागोरगोल गांव में लगी आग में रबर का एक गोदाम जलकर राख हो गया। लोगों ने आग की भंची लपटें देखकर पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद मौके पर पुलिस के साथ पहुंची फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक गोदाम जलकर राख हो गया था। पुलिस के अनुसार यह आग शुक्रवार की देर रात उस समय लगी जब लोग गहरी नींद में सो रहे थे। प्रभावितों की ओर से दावा किया गया है कि आग लगने से करीब 12 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार पदकृष्ण पाल नामक व्यक्ति का यह गोदाम था। समाचार लिखे जाने तक आग लगने के सही कारणों की जानकारी नहीं मिल सकी है।

युवाओं को प्रतिभा की बजाय भाषा के आधार पर आंकना सबसे बड़ा अन्याय : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रतिभा की बजाय भाषा के आधार पर युवाओं के मूल्यांकन को सबसे बड़ा अन्याय बताया और कहा कि अधिकांश विकसित देशों ने अपनी मूल भाषाओं के आधार पर प्रगति की है। प्रधानमंत्री शनिवार को भारत मंडपम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय शिक्षा समागम के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर पीएम श्री योजना के तहत राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, केन्द्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय समिति के चयनित 6207 स्कूलों को प्रथम चरण की प्रथम किस्त के रूप में 630 करोड़ रुपये से अधिक की केन्द्रीय राशि हस्तांतरित की। इसके अलावा उन्होंने 12 भारतीय भाषाओं में अनुवादित शिक्षा और कौशल पाठ्यक्रम की पुस्तकों का भी विमोचन किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय भाषाओं पर विशेष जोर का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी छात्र के साथ सबसे बड़ा अन्याय उनकी क्षमताओं की बजाय उनकी भाषा के आधार पर उनका मूल्यांकन करना है। उन्होंने कहा, मातृभाषा में शिक्षा भारत में छात्रों के लिए न्याय के एक नए रूप की शुरूआत कर रही है। यह सामाजिक न्याय की दिशा में भी एक बहुत महत्वपूर्ण कदम है। दुनिया में भाषाओं की बहुलता और उनके महत्व को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि दुनिया के कई विकसित देशों को उनकी स्थानीय भाषा के कारण बढ़त मिली है। प्रधानमंत्री ने यूरोप की मिसाल देते हुए कहा कि ज्यादातर देश अपनी मूल भाषा का ही इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि भले ही भारत में कई स्थापित भाषाएं हैं, फिर भी उन्हें पिछड़ेपन के संकेत के रूप में प्रस्तुत किया गया। जो लोग अंग्रेजी नहीं बोल सकते थे, उन्हें उपेक्षित किया गया और उनकी प्रतिभा को मान्यता नहीं दी गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके परिणाम स्वरूप ग्रामीण इलाकों के बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हुए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आगमन के साथ देश ने अब इस धारणा को छोड़ना शुरू कर दिया है। मोदी ने कहा, यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र में भी, मैं भारतीय भाषा में बोलता हूं। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि सामाजिक विज्ञान से लेकर इंजीनियरिंग तक के विषय अब भारतीय भाषाओं में पढ़ाए जाएंगे। मोदी ने कहा, जब छात्र किसी भाषा में आत्मविश्वास रखते हैं, तो उनका कौशल और प्रतिभा बिना किसी प्रतिबंध के सामने आएगी। भाषा को लेकर राजनीति करने वालों को कड़ा संदेश देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग स्वार्थ के लिए भाषा का राजनीतिकरण करने की कोशिश करते हैं, उन्हें अब अपनी दुकानें बंद करनी होंगी। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की हर भाषा को उचित सम्मान और श्रेय देगी। प्रधानमंत्री ने उन कारकों में शिक्षा की प्रधानता को रेखांकित किया, जो राष्ट्र की नियति को बदल सकते हैं। उन्होंने कहा, 21वीं सदी का भारत जिन लक्ष्यों को लेकर आगे बढ़ रहा है, उनमें हमारी शिक्षा प्रणाली की बहुत बड़ी भूमिका है। अखिल भारतीय शिक्षा समागम के महत्व पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा के लिए चर्चा और संवाद महत्वपूर्ण है।

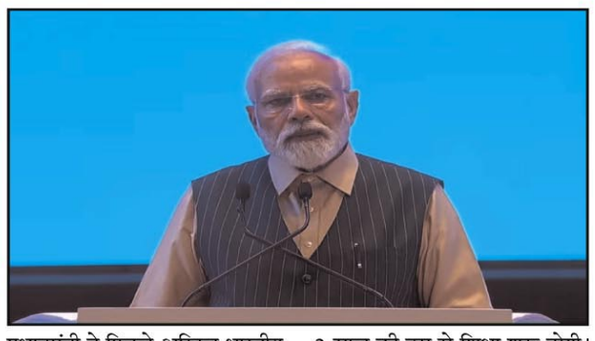

प्रधानमंत्री ने पिछले अखिल भारतीय शिक्षा समागम के वाराणसी के नवनिर्मित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होने और इस वर्ष के अखिल भारतीय शिक्षा समागम के बिल्कुल नए भारत मंडपम में होने के संयोग का उल्लेख किया। उल्लेखनीय है कि औपचारिक उद्घाटन के बाद मंडपम में यह पहला कार्यक्रम था। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी के रुद्राक्ष से आधुनिक भारत मंडपम तक अखिल भारतीय शिक्षा समागम की यात्रा में प्राचीन और आधुनिक के सम्मिश्रण का संदेश छिपा है। उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की शिक्षा प्रणाली यहां की प्राचीन परंपराओं को संरक्षित कर रही है, वहीं दूसरी ओर देश विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। उन्होंने देश में शिक्षा और स्कूली शिक्षा के बदलते स्वरूप का उल्लेख किया, जहां छोटे बच्चे खेल-खेल में अनुभवों के माध्यम से सीख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि युगांतकारी बदलावों में कुछ समय लगता है। उन्होंने कहा कि एनईपी में पारंपरिक ज्ञान और भविष्य की प्रौद्योगिकियों को समान महत्व दिया गया है। उन्होंने कहा कि छात्र अब समझ गए हैं कि 10 2 प्रणाली के स्थान पर अब 5 3 3 4 प्रणाली चल रही है। पूरे देश में एकरूपता लाते हुए 3 साल की उम्र से शिक्षा शुरू होगी। उन्होंने यह भी बताया कि कैबिनेट ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बिल को संसद में पेश करने को मंजूरी दे दी है। एनईपी के तहत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा जल्द ही आएगी। तीन से आठ साल के छात्रों के लिए रूपरेखा तैयार है। पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम होगा और एनसीईआरटी इसके लिए नए पाठ्यक्रम की किताबें तैयार कर रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षा दिए जाने के परिणामस्वरूप कक्षा 3 से 12 तक 22 विभिन्न भाषाओं में लगभग 130 विभिन्न विषयों की नई किताबें आ रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अमृत काल के अगले 25 वर्षों में एक ऊर्जावान नई पीढ़ी तैयार करनी है। गुलामी की मानसिकता से मुक्त, नवाचारों के लिए उत्सुक, विज्ञान से लेकर खेल तक के क्षेत्र में परचम लहराने को तैयार, 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप खुद को हुनरमंद बनाने की इच्छुक, कर्तव्य की भावना से भरी हुई पीढ़ी। उन्होंने कहा, "एनईपी इसमें बड़ी भूमिका निभाएगी।" प्रधानमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के विभिन्न मापदंडों में से भारत का बड़ा प्रयास समानता के लिए है। उन्होंने कहा, "एनईपी की प्राथमिकता है कि भारत के प्रत्येक युवा को समान शिक्षा और शिक्षा के समान अवसर मिले।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह स्कूल खोलने तक सीमित नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा के साथ-साथ संसाधनों में भी समानता लायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका मतलब है कि हर बच्चे को पसंद और क्षमता के अनुसार विकल्प मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री ने व्यावसायिक शिक्षा को सामान्य शिक्षा के साथ एकीकृत करने के कदमों और शिक्षा को अधिक रोचक और इंटरैक्टिव बनाने के तरीकों पर प्रकाश डाला। यह बताते हुए कि लैब और प्रैक्टिकल की सुविधा पहले कुछ मुट्ठी भर स्कूलों तक ही सीमित थी। प्रधानमंत्री ने अटल टिंकरिंग लैब्स पर प्रकाश डाला, जहां 75 लाख से अधिक छात्र विज्ञान और नवाचार के बारे में सीख रहे हैं। मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को नई संभावनाओं की नर्सरी के रूप में देख रही है। प्रधानमंत्री ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी और स्पेस टेक का उदाहरण देते हुए कहा कि भारत की क्षमता से मुकाबला करना आसान नहीं है। रक्षा प्रौद्योगिकी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का 'कम लागत' और 'सर्वोत्तम गुणवत्ता' मॉडल हिट होना निश्चित है। उन्होंने कहा कि सभी वैश्विक रैंकिंग में भारतीय संस्थानों की संख्या बढ़ रही है और जांजीबार और अबू धाबी में दो आईआईटी परिसर खुल रहे हैं। उन्होंने कहा, ह्लकई अन्य देश भी हमसे अपने यहां आईआईटी कैंपस खोलने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के दो विश्वविद्यालय गुजरात की गिफ्ट सिटी में अपने कैंपस खोलने वाले हैं।

विपक्षी प्रतिनिधिमंडल के मणिपुर दौरे पर अनुराग ठाकुर का तीखा प्रहार, पूछा- बंगाल की बर्बरता देखने भी टीम आएगी क्या?

कोलकाता, (हि.स.)। हिंसा की आग में जल रहे मणिपुर के हालात का जायजा लेने के लिए विपक्षी गठबंधन की टीम शनिवार को वहीं पहुंची है। इधर इसी दिन कोलकाता पहुंचे केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत विपक्ष पर तीखा हमला बोला। दमदम हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन काल से ही मणिपुर हिंसा की आग में जल रहा है लेकिन तब किसी ने इस समस्या को समझने की कोशिश नहीं की। अब केवल राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए जा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ हुई बर्बरता और चुनावी हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने पूछा कि ममता बनर्जी और सोनिया गांधी की टीम बंगाल के हालात का भी जायजा लेगी क्या? ममता बनर्जी अपने ही गठबंधन में मौजूद साथियों को बंगाल का हालात दिखाने के लिए बुलाएंगी? मीडिया से मुखातिब अनुराग ठाकुर ने कहा कि पंचायत चुनाव की हिंसा में 57 लोगों की हत्या हो चुकी है।

ममता बनर्जी के निर्देश पर उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता गुंडागर्दी कर रहे हैं। बंगाल में कानून व्यवस्था रसातल में है। राजनीतिक लाभ के लिए आठ से नौ साल से अपराधियों का संरक्षण ममता बनर्जी कर रही हैं। इस बार बंगाल के लोगों ने इसका जवाब वोट के जरिए दिया है। भाजपा की सीटें करीब दोगुनी बढ़ी हैं। जो यह बता रहा है कि ममता का अंत धीरे-धीरे करीब आ रहा है। ममता बनर्जी ने पंचायत चुनाव में हिंसा की बात स्वीकार की है लेकिन इसके लिए उन्होंने विपक्षी भाजपा, माकपा और कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है। साथ ही दावा किया है कि सबसे अधिक तृणमूल के लोग ही मारे गए हैं। इसे लेकर अनुराग ठाकुर ने कहा कि वह (ममता) राज्य की मुख्यमंत्री हैं और अपनी प्रशासनिक विफलता छिपाने के लिए इस तरह की बातें कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन की टीम मणिपुर जा रही है लेकिन क्या ममता बनर्जी इन्हीं सांसदों की टीम को पश्चिम बंगाल का हालात दिखाने के लिए भी आमंत्रित करेंगी। जो टीम मणिपुर गई है उसमें कांग्रेस नेता और प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी, तृणमूल सांसद सुष्मिता देव व अन्य शामिल हैं। उन्होंने अधीर चौधरी पर भी हमला बोला और पूछा कि क्या चौधरी पश्चिम बंगाल के हालात को दिखाने के लिए भी विपक्षी सांसदों को यहां बुला कर लाएंगे।

सीबी अनंतकृष्णन को सौंपा गया एचएएल के सीएमडी पद का अतिरिक्त प्रभार

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्रालय ने एचएएल के निदेशक (वित्त) सीबी अनंतकृष्णन को एक अगस्त, 2023 से तीन महीने की अवधि के लिए या इस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। इसके अलावा उन्हें एक अगस्त, 2023 से दो महीने के लिए या निदेशक का पद खाली होने तक कंपनी के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। मंत्रालय के मुताबिक सीबी अनंतकृष्णन को एक अगस्त, 2018 से एचएएल के निदेशक (वित्त) और सीएफओ के रूप में नियुक्त किया गया था। वह मद्रास विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर हैं और भारतीय लागत लेखाकार संस्थान के साथी सदस्य हैं। उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद और स्पैटियल टूलूज, फ्रांस इंस्टीट्यूट एयरोनॉटिक से प्रबंधन और नेतृत्व प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। निदेशक

(वित्त) के रूप में नियुक्ति से पहले वह कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय में कार्यकारी निदेशक (वित्त) के पद पर समग्र वित्तीय योजना और रणनीति, ट्रेजरी प्रबंधन संभाल रहे थे। सीबी अनंतकृष्णन 2004 में एचएएल में शामिल हुए और उनके पास मर्चेंट बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल्स, उर्वरक और एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज में कार्यकाल के साथ सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में 35 वर्षों से अधिक का कार्य अनुभव है। वित्त प्रमुख के रूप में हेलीकॉप्टर डिवीजन में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कंपनी के समग्र लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मूल्य निर्धारण, लागत नियंत्रण और लाभ योजना के लिए वित्तीय रणनीतियों और नीतियों को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कंपनी के लिए 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक हेलीकॉप्टर अनुबंधों को हासिल किया। उन्होंने तीसरी मूल्य निर्धारण नीति समीक्षा समिति (पीपीआरसी) में मरम्मत और ओवरहाल और स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति के लिए कीमतों के निष्कर्ष, सेना, नौसेना और आईसीजी के लिए 73 एएलएच अनुबंधों के निष्कर्ष के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने मार्च, 2018 के दौरान आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) और कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने भारतीय रक्षा मंत्रालय के साथ 83 एलसीए मार्क-1ए और 15 एलसीएच के ऑर्डर हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कर रहा प्रगति : अमित शाह

रामेश्वरम/नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और तत्कालीन राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के विजन के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बड़ी प्रगति कर रहा है। अमित शाह ने तमिलनाडु के रामेश्वरम में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, 'मेमोरीज नेवर डाई पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। शाह ने भारत की अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लिए कलाम की उत्कृष्ट सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम ने स्वदेशी गाइडेड मिसाइलों के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाया। अग्नि मिसाइल और पृथ्वी मिसाइल के सफल परीक्षण का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। उनकी देखरेख में देश ने 1998 में पोखरण में अपना दूसरा सफल परमाणु परीक्षण किया और भारत परमाणु शक्ति से संपन्न राष्ट्रों की सूची में शामिल हुआ।उल्लेखनीय है कि रामेश्वरम पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम का गृह नगर है। अमित शाह ने कहा कि डॉ. कलाम ने अपनी पुस्तक "भारत 2020: नई सहस्राब्दी के लिए एक दृष्टिकोण" में देश के भविष्य के रोडमैप को रेखांकित किया था। पुस्तक में उन्होंने तीन प्रमुख विजन का उल्लेख किया है- भारत को एक राष्ट्र के रूप में अपने पोटेंशियल को पहचानने की आवश्यकता है। देश को टेक्नोलॉजी आधारित अर्थव्यवस्था बनाने की जरूरत है और संतुलित विकास मॉडल को अपनाकर गांवों व शहरों को एक साथ आगे बढ़ाना है। शाह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने इन तीनों बिंदुओं को करके दिखाया है और भारत एक विकसित देश बनने की राह पर आगे बढ़ रहा है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारे छात्रों, युवाओं और उनके स्टार्टअप के लिए अंतरिक्ष विज्ञान में अवसर खुले हैं। डॉ. कलाम का अंतरिक्ष विज्ञान में उपलब्धियों का सपना प्रधानमंत्री मोदी के नवाचारों और नई पहलों से पूरा होगा। मुझे विश्वास है कि भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में पूरी दुनिया नेतृत्व करेगा। शाह ने कहा कि डॉ. कलाम के नक्शेकदम पर चलते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने 55 अंतरिक्ष यान मिशन, 50 लॉन्च वाहन मिशन और 11 छात्र उपग्रह लॉन्च किए। एक ही उड़ान में रिकॉर्ड 104 उपग्रहों (पीएसएलवी-सी37, ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान) को लॉन्च किया गया और एक उपग्रह के पुनः प्रवेश (पृथ्वी के वायुमंडल में) का प्रयोग भी सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मोदी जी के नेतृत्व में आज अंतरिक्ष के क्षेत्र को स्टार्टअप के लिए खोला गया है। मुझे विश्वास है कि जो स्वप्न डॉ. कलाम ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए देखा था, प्रधानमंत्री मोदी के निर्णयों से हम उन सपनों को अवश्य पूरा करेंगे और स्पेस के क्षेत्र में भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा। गृहमंत्री शाह ने विमोचित पुस्तक के संबंध में कहा कि यह डॉ. कलाम को और बेहतर तरीके से जानने, समझने का और उनका अनुसरण करने का मौका देगी। पुस्तक में भारतीय रॉकेटरी का इतिहास है। साथ ही देश के साइंस और टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन को भी व्याख्यायित किया गया है। इस पुस्तक में उनके भारतीय राजनीतिक एवं प्रशासनिक प्रणाली के कामकाज से जुड़े भी कई प्रसंग हैं। इस पुस्तक में बताया गया है कि किस तरह से रामेश्वरम जैसे एक छोटे शहर का लड़का भारतीय राजनीतिक जगत के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम के संघर्ष की सफलता देखिए कि एक अखबार बांटने वाला बच्चा समाचार पत्रों की हेडलाइन बना।

मणिपुर में शांति और सौहार्द बहाली जरूरी : अधीर रंजन चौधरी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि विपक्षी दलों का संगठन इंडिया मणिपुर में पुनः शांति और सौहार्द की बहाली चाहता है। इसी उद्देश्य से विपक्ष का प्रतिनिधिमंडल आज (शनिवार) मणिपुर की दो दिवसीय यात्रा पर जा रहा है। दिल्ली हवाई अड्डे पर मीडिया से बातचीत करते हुए चौधरी ने कहा कि हमारा मकसद है कि मणिपुर में फिर से शांति और सौहार्द बहाल हो। वहां पीड़ितों की मदद की जानी चाहिए और लोगों के पुनर्वास पर काम होना चाहिए। हम वहां इन मुद्दों को उठाएंगे। हम मणिपुर की राज्यपाल से मिलकर उन्हें हालात की जानकारी देंगे। यात्रा पर जा रहे कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि हम चाहते हैं कि संसद में मणिपुर पर चर्चा हो। मणिपुर में जंग जैसा माहौल है। मणिपुर दौरे पर जा रहे राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि विपक्षी दलों का प्रतिनिधिमंडल मणिपुर के लोगों को सुनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि वहां जाकर सभी समुदायों की बात सुनी जाए। उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन के सांसदों का प्रतिनिधिमंडल आज से दो दिवसीय मणिपुर दौरे पर है।

जहां वे हिंसा पीड़ितों से मिलेंगे, उनकी स्थिति से रूबरू होंगे। मणिपुर में मैतेई समुदाय को एसटी श्रेणी में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में तीन मई को रैली का आयोजन हुआ था। ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन मणिपुर ने इस रैली का आयोजन किया था। रैली के दौरान हिंसा भड़क गई थी।

डीसीडब्ल्यू ने मणिपुर हिंसा में घायल भाजपा विधायक के लिए मांगी मदद

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर मणिपुर के भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे के लिए मदद मांगी है। हिंसा प्रभावित मणिपुर में प्रदर्शनकारियों ने वाल्टे पर प्राण घातक हमला किया था। वाल्टे अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के लिए राहत की उम्मीद में राज्य के मुख्यमंत्री के घर गए थे। वहां से लौटते समय भीड़ ने उनकी कार को घेर लिया और उन्हें काफी टार्चर किया। उन्हें बिजली का करंट तक लगाया गया। घायल वाल्टे को उपचार के लिए दिल्ली लाया गया। वह कई हफ्तों तक यहां वेंटिलेटर पर रहे और अब ठीक हो रहे हैं। हाल ही में उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह राजधानी

में किराए के मकान में रह रहे हैं। हालांकि इस दौरान हुई मारपीट में उनके ड्राइवर की मौत हो गई। हिंसा के इस कृत्य ने विधायक के जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है, जिससे वह बिस्तर पर ही रहते हैं और एक तरफ से लकवाग्रस्त हो गए हैं। उनके इलाज के दौरान उनके परिवार का खर्च एक करोड़ से भी अधिक हो गया है और उनके ठीक होने की अवधि लंबी होने के कारण यह खर्च अभी भी बढ़ रहा है। 28 जुलाई को डीसीडब्ल्यू की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल आयोग की सदस्य किरण नेगी और वंदना सिंह के साथ दिल्ली में वुंगजागिन वाल्टे से मिलीं। मुलाकात के बाद मालीवाल ने कहा कि विधायक और उनके परिवार का काफी बुरा हाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायक की हालत गंभीर होने के बावजूद, भाजपा के किसी भी वरिष्ठ नेता ने आज तक उनसे मुलाकात नहीं की है और परिवार को उनकी जरूरत के सबसे बुरे समय में कोई वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की गई है। स्वाति ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को पत्र लिखकर परिवार के लिए मदद मांगी है। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष से जल्द से जल्द विधायक वुंगजागिन वाल्टे से मिलने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, उन्होंने उनसे विधायक को उनके चल रहे चिकित्सा उपचार के लिए पार्टी के फंड से वित्तीय सहायता देने का अनुरोध किया है।

प्रदेश में अगले 5 दिनों में सभी जनपदों में होगी बारिश

देहरादून, (हि.स.)। उत्तराखंड मौसम में अभी मौसम का बिगड़ा मिजाज संभलने वाला नही है। कम से कम मौसम विभाग की भविष्यवाणी से तो यही लगता है। विभाग ने अपने पांच दिनी पूवार्नुमान में प्रदेश के सभी 13 जिलों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने और बारिश के तीव्र से अति तीव्र दौर रहने, कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना व्यक्त जतायी है। मौसम विभाग के निदेशक डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि आने वाले पांव दिनों में प्रदेश के सभी 13 जिलों में कहीं कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली चमकने के साथ तीव्र से अति तीव्र बारिश का दौर होने के साथ कहीं-कहीं भारी बारिश की हो सकती है। निदेशक के अनुसार आगामी पांच दिनों तक यही स्थिति चलती रहेगी। यह क्रम दो अगस्त तक चलता रहेगा। उन्होंने सावधानी बरतने की अपील की है। दूसरी ओर राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से दी गई जानकारी में बताया कि 4095 यात्रियों ने चारधाम के दर्शन किए हैं। शुक्रवार को किए गए इस दर्शन में बद्रीनाथ में 1980, हेमकुंड में 230, केदारनाथ में 610, गंगोत्री में 631, यमुनोत्री में 644 यात्री शामिल हैं। क्रमिक रूप से यात्रियों की संख्या 3614332 पहुंच गई है। उन्होंने बताया है कि भूस्खलन होने के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग 94 को खोला जा रहा है। लगभग आधा दर्जन मार्ग अभी भी बंद हैं, जिनको खोलने की कसरत चल रही है। नदियों का जल खतरे के निशान के आसपास पहुंच रहा है। विभाग ने निचले स्थानों पर रह रहे लोगों को सचेत रहने का आग्रह किया है।

भाजपा ने जारी की केन्द्रीय पदाधिकारियों की सूची, बंदी संजय कुमार व राधामोहन अग्रवाल महासचिव बने

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को केंद्रीय पदाधिकारियों की सूची जारी की। इस सूची में पुराने चेहरों के साथ कुछ नए नेताओं को शामिल किया है, जिसमें तेलंगाना प्रदेश के अध्यक्ष रहे संजय बंदी और राधामोहन अग्रवाल शामिल हैं। इन दोनों को महासचिव बनाया गया है। केन्द्रीय पदाधिकारियों की नई सूची में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष में रमण सिंह, वसुंधरा राजे, रघुवर दास, सौदान सिंह, सरोज पांडेय, रेखा वर्मा, डीके अरुण, एम चौबा, अब्दुल्ला कुट्टी, लक्ष्मीकांत वाजपेयी, लता उसेंडी और तारीक मंसूर शामिल हैं। राष्ट्रीय

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

महामंत्री की सूची में अरुण सिंह, कैलाश विजयवर्गीय, दुष्यंत कुमार, तरुण चुग, विनोद तावड़े, सुनील बंसल, संजय बंदी, राधामोहन अग्रवाल शामिल हैं। बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) नियुक्त किया गया है। इसके साथ सह-संगठन महामंत्री शिवप्रकाश को नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय सचिव की सूची में विजया राहटकर, सत्या कुमार, अरविंद मेनन, पंकजा मुंडे, नरेन्द्र सिंह रैना, अल्का गुर्जर, अनुपम हाजरा, ओमप्रकाश धुर्वे, ऋतुराज सिंहा, आशा लकड़ा, कामख्या प्रसाद, सुरेन्द्र सिंह, अनिल अंटोनी को शामिल किया गया है। वहीं, राजेश अग्रवाल को कोषाध्यक्ष और नरेश बंसल को सह-कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

मणिपुर में अस्थिरता के लिए चीन की मदद से सक्रिय विद्रोही समूह जिम्मेदार : नरवणे

- सीमावर्ती राज्य में अस्थिरता हमारी समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी खराब

- युद्ध के बदलते चरित्र और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के महत्व पर दिया जोर

नई दिल्ली, (हि.स.)। पूर्व भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने मणिपुर में अस्थिरता के लिए चीन की मदद से सक्रिय विभिन्न विद्रोही समूहों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि न केवल हमारे पड़ोसी देश में, बल्कि हमारे सीमावर्ती राज्य में अस्थिरता हमारी समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भी खराब है। निश्चित रूप से इस अस्थिरता में विदेशी एजेंसियों की भागीदारी से न केवल इनकार नहीं किया जा सकता है, बल्कि मैं कहूंगा कि यह निश्चित रूप से है। विभिन्न विद्रोही समूहों को कई वर्षों से चीन से मदद मिल रही है। नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर की ओर से आयोजित एक व्याख्यान में पूर्व सेना प्रमुख नरवणे ने युद्ध के बदलते चरित्र और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने कूटनीति के महत्व पर कहा कि 'दो मोर्चों पर युद्ध लड़ने वाला कोई भी कभी नहीं जीता।' मैंने शुरूआत में ही कहा था कि आंतरिक सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे यकीन है कि जो लोग कुर्सी पर हैं और कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार हैं, वे अपना सर्वश्रेष्ठ

कर रहे हैं। जमीन पर मौजूद व्यक्ति सबसे अच्छी तरह जानता है कि क्या करना है, वैसे राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है। उन्होंने कहा कि हमारी सीमाओं पर अधिक अस्थिरता से तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी आदि जैसे अंतरराष्ट्रीय अपराधों में वृद्धि होगी। जनरल नरवणे ने आंतरिक और बाह्य सुरक्षा आयामों को रेखांकित करते हुए कहा कि भारत की कोई 'अतिरिक्त-क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाएं' नहीं हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा पर जनरल नरवणे ने कहा कि जब हम राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में बात करते हैं, तो हमें आंतरिक सुरक्षा आयाम पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। बाहरी सुरक्षा निश्चित रूप से सर्वोपरि है, लेकिन देश की सुरक्षा प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है और देश के हर किसी को भूमिका निभानी है। पूर्व सेना प्रमुख ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के कई आयाम हैं, क्योंकि राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा देश की खाद्य, ऊर्जा और स्वास्थ्य सुरक्षा भी सर्वोपरि है। यदि आपके पास स्वस्थ आबादी नहीं है, तो जनशक्ति कहां से आएगी और सशस्त्र बलों को ताकत कहां से मिलेगी ? इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा को व्यापक संदर्भ में देखा और समझा जाना चाहिए। जनरल नरवणे ने कहा कि हमने पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के मोर्चे पर कुछ प्रगति की है। हमारी गतिविधियां यह दशार्ती हैं कि हम राष्ट्रीय सुरक्षा को कैसे देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की विदेश नीति दो मजबूत स्तंभों पर टिकी हुई है। उनमें से एक यह है कि हमारी कोई अतिरिक्त-क्षेत्रीय महत्वाकांक्षा नहीं है। दूसरी बात यह है कि हम किसी और पर जीवन जीने का तरीका या इच्छा थोपना नहीं चाहते हैं। देश की उत्तरी सीमाओं की सुरक्षा के बारे में उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और वैश्विक वातावरण की सुरक्षा में हमारी समग्र भूमिका है। हमारे किसी भी पड़ोसी देश में कोई भी अस्थिरता हमारे देश पर असर डालेगी।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत मंत्रियों ने दी 'अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस' शुभकामनाएं

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश सरकार के दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक के साथ वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बाघों के संरक्षण के लिए बाघों के प्रति जागरूक रहने की बात कही है। उपमुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से शनिवार को ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि समस्त देश व प्रदेशवासियों को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइये, हम सभी अपने-अपने स्तर पर बाघों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर लोगों को जागरूक करें और पर्यावरण को संतुलित करने में अपनी भूमिका का निर्वाहन करें। इसी तरह उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने ट्वीट किया। उन्होंने लिखा कि आइये अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर हम सभी अपने-अपने स्तर पर बाघों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर लोगों को जागरूक करें और पर्यावरण को संतुलित करने में अपनी भूमिका का निर्वाहन करें। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर लिखा कि सभी को अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। जैव विविधता में संतुलन संवर्द्धन और पर्यावरण संरक्षण में बाघ एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, आईये हम हर स्तर पर बाघों के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करें। पूर्व मंत्री व भाजपा नेत्री स्वाती सिंह ने भी अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर ट्वीट कर बाघों संरक्षण की बात कही है। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय पशु 'बाघ' हमारे राष्ट्र गौरव के साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीक भी है, पारिस्थितिकी संतुलन एवं जैविक खाद्य श्रृंखला में बाघ की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आइए, आज अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस पर बाघ एवं पशु संरक्षण हेतु हम सभी अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

बारिश कम हो या ज्यादा, परेशान न हों किसान, हर कदम पर साथ है सरकार : मुख्यमंत्री

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बरसात कम हो या ज्यादा, किसान चिंतित न हों, सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर हाल में नहरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देशित किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कम बारिश, जलाशयों की स्थिति और उसके लिए दृष्टिगत किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रदेश के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर जिलों में गत वर्ष की तरह इस बार भी बारिश असामान्य है और इसमें निरंतरता नहीं है। ऐसे में किसानों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखा जाए। किसान हित के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि बरसात कम हो या ज्यादा, किसान चिंतित न हों। सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि हर हाल में नहरों के टेल तक पानी पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री ने सिंचाई एवं विद्युत विभाग को अलर्ट मोड में रहने के लिये निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी किसानों के खेत में हर हाल में पानी पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए नदियों को चैनेलाइज करते हुए उनके पानी को नहरों में पहुंचाने की व्यवस्था करें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि पानी हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचे। नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस पेट्रोलिंग करे, ये सुनिश्चित किया जाए कि बीच में कोई नहरों को काटने न पाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अन्नदाता किसानों का हित हमारी प्राथमिकता है। ऐसे में अल्पवृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि जलाशयों में जमी सिल्ट की सफाई कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अल्प वृष्टि में किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही इस बात को भी सुनिश्चित किया जाए कि नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति हो।\ मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अल्पवृष्टि की पाक्षिक रिपोर्ट बनाक केंद्र सरकार को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि निजी ट्यूबवेल संचालकों को रेन वाटर हार्वेस्टिंग के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि इस वर्ष दक्षिण पश्चिम मानसून से अबतक कुल 281.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है जो कि सामान्य वर्षा का 84.3 प्रतिशत है। बैठक में कृषि मंत्री की ओर से बताया गया कि प्रदेश में अबतक 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई हुई है।

महत्वपूर्ण बातें

-मुख्यमंत्री का निर्देश, अल्प वृष्टि के प्रभावों का सर्वे कराकर सटीक आंकलन करें
-हर हाल में नहर के टेल तक पहुंचाएं पानी, नहरों की सुरक्षा के लिए पुलिस करे पेट्रोलिंग
-मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कम वर्षा एवं जलाशयों की स्थिति को लेकर की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिये निर्देश
-किसानों को अन्य वैकल्पिक फसलों की बुवाई के लिए प्रोत्साहित करें
-अलर्ट पर रहें सिंचाई और विद्युत विभाग
-नदियों के पानी को चैनेलाइज करते हुए जलाशयों को भरें
-नलकूपों और पंप कैनाल्स को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें
-सौर ऊर्जा चलित नलकूपों के इस्तेमाल के लिए अधिक से अधिक प्रोत्साहित किया जाए
-केंद्र सरकार को प्रदेश में अल्प वृष्टि की स्थिति से पाक्षिक रूप से अवगत कराया जाए
-प्रदेश में अब तक हुई 86.07 प्रतिशत धान की बुवाई

'काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव' को सफल बनाने के लिए समिति गठित

- संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय में गायन, वादन एवं नृत्य में दो दर्जन से अधिक छात्र प्रतिभाग करेंगे

वाराणसी, (हि.स.)। 'काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव' को सफल बनाने के लिए संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी के निर्देश पर एक समिति का गठन किया गया है। इसमें वेदांत के आचार्य एवं परीक्षा नियंत्रक प्रो. सुधाकर मिश्र संयोजक, प्रो. शैलेश कुमार मिश्र, डॉ रविशंकर पाण्डेय सदस्य तथा जनसम्पर्क अधिकारी एवं काशी सांस्कृतिक महोत्सव के नोडल शशीन्द्र मिश्र को नोडल सचिव बनाया गया है। विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क अधिकारी ने शनिवार को बताया कि महोत्सव में गायन, वादन एवं नृत्य में दो दर्जन से अधिक विवि के छात्र प्रतिभाग करेंगे। प्रतिभागी महोत्सव का हिस्सा बन प्रतियोगिता को जीतने के लिए जी-तोड़ परिश्रम से तैयारी कर रहे हैं। प्रतियोगिता में परम्परागत छात्र क्रमशः नृत्य, सामूहिक देशभक्ति गीत, सामूहिक भजन, एकल गीत, एकल गजल, एकल नृत्य, एकल स्त्रोत एकल तबला वाद्य, ढोलक वाद्य आदि विधाओं में दक्षता के साथ भाग लेंगे। काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 16 अगस्त से 18 सितंबर के बीच आयोजित होगा। महोत्सव में जिले के चारों विश्वविद्यालयों के छात्रों को विभिन्न विधाओं में प्रतिभाग करना है।

मुरादाबाद हवाई अड्डे के लोकार्पण में विलंब से नागरिक उड्डयन मंत्रालय नाराज

- मंत्रालय ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया से पूछी देरी की वजह

मुरादाबाद (हि.स.)। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) से पूछा है कि मुरादाबाद हवाई अड्डे का लोकार्पण में विलंब की वजह पूछी है। एएआई अधिकारियों ने कहा है कि अभी दो प्रकार की जांच होना बाकी रह गई है, इसके पूरा होते ही हम जवाब देंगे। मुरादाबाद जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि मुरादाबाद हवाई अड्डे पर रनवे, पार्किंग, सुरक्षा व्यवस्था, अग्नि शमन की व्यवस्था, वॉच टावर, चेक इन हॉल व वीवीआईपी लॉज, एयर ट्रैफिक मॉनीटरिंग तैयार हैं। एएआई अधिकारियों से हमारी वार्ता हुई है जिसमें उन्होंने अगस्त के अंत या सितंबर के पहले सप्ताह में हवाई अड्डे को उड़ान के लिए लाइसेंस मिलने की प्रबल संभावना है। सप्ताह भर पहले मुरादाबाद जनपद के दौरे पर आए उप्र के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने भी हवाई अड्डे के जल्द शुरू होने को लेकर एएआई अधिकारियों से वार्ता की थी। उनके जाने के बाद प्रक्रिया में तेजी आई है। यदि दो तीन दिन में सिक्योरिटी वैटिंग की फाइल हस्ताक्षर होकर आ जाती है तो अगले सप्ताह फ्लोर वैटिंग हो सकती है। यानी अगस्त के प्रथम सप्ताह में दोनों जांच पूरी होने के बाद मध्य अगस्त तक डीजीसीए अंतिम निरीक्षण करेगा। इसके बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को लाइसेंस दिया जाएगा। एक पखवाड़ा पूर्व नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की सुरक्षा टीम बीसीएएस ने हवाई अड्डे का निरीक्षण किया था।

हर बिंदु को परखने के बाद फाइल दिल्ली भेज दी गई जोकि अब तक हस्ताक्षर होकर नहीं आई है। इसके बाद फ्लोर वैटिंग होनी है। इसमें नक्शे के आधार पर निर्माण की जांच की जाएगी। इसके बाद अगस्त के अंत तक हवाई अड्डे को उड़ान के लिए लाइसेंस मिलने की प्रबल संभावना है। सिक्योरिटी वैटिंग का अप्रूवल न मिलने के कारण फ्लोर वैटिंग रुकी हुई है। अब एएआई ने बीसीएएस को पत्र लिखकर अनुमति देने की अपील की है।

अधिवक्ताओं को सवा नौ करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे मुख्यमंत्री

गोरखपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अधिवक्ताओं को सवा नौ करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। इसके साथ ही टिन की छांव में बैठकर वादकारियों के हित की लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ताओं को सुविधायुक्त ठौर मुहैया कराने का उनका संकल्प भी पूरा हो जायेगा। रविवार शाम प्रस्तावित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी गोरखपुर कलेक्ट्रेट मुख्यालय परिसर में 3 करोड़ 46 लाख 21 हजार रुपये की लागत से बने मल्टीस्टोरी अधिवक्ता चैंबर्स तथा सदर तहसील में 4 करोड़ 54 लाख 24 हजार रुपये की लागत से निर्मित अधिवक्ता चैंबर्स का लोकार्पण करेंगे। साथ ही 1 करोड़ 25 लाख 30 हजार रुपये की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर में बनने वाली डिजिटल लाइब्रेरी का शिलान्यास भी उनके हाथों होगा। इन तीनों विकास परियोजनाओं की कार्यदायी संस्था ग्रामीण अभियंत्रण विभाग है। कलेक्ट्रेट मुख्यालय के अधिवक्ता चैंबर्स में 24 अधिवक्ता कक्ष, एक मीटिंग सह कांफ्रेंस हाल, एक कामन हाल व स्टिल्ट पार्किंग का निर्माण कराया गया है, जबकि सदर तहसील के अधिवक्ता चैंबर्स में 48 अधिवक्ता कक्ष बनाए गए हैं। सोमवार पूर्वाह्न वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रस्तावित एक समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 08 हजार 450 लाभार्थियों को 51 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित करेंगे। वह 250 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की दर से प्रथम किश्त (कुल 01.25 करोड़), 02 हजार 200 लाभार्थियों को 01.50 लाख रुपये की दर से दूसरी किश्त (कुल 33 करोड़) तथा 03 हजार 350 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की दर से तीसरी किश्त (कुल 16.75करोड़) की धनराशि सिंगल क्लिक से लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित करेंगे। पीएम आवास योजना के तहत गोरखपुर में 43 हजार 600 आवास स्वीकृत हैं। इसमें से 35 हजार 500 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इसमें 8 हजार 400 आवास चार माह पूर्व ही स्वीकृत हुए हैं। इन सभी को प्रथम किश्त जारी कर दी गई है और निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इनके अतिरिक्त जुलाई माह में जिले में 5 हजार 522 आवास और स्वीकृत किए गए हैं। योजना के पोर्टल पर इनके अटैचमेंट का कार्य चल रहा है।

बनारस रेलवे स्टेशन, सिटी स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक के जरिए यात्रियों को किया जागरूक

वाराणसी, (हि.स.)। हाल के दिनों में रेलवे क्रासिंग और रेलवे गेट पर हुई दुर्घटनाओं को देख पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल में रेल यात्रियों एवं आम जनता की संरक्षा को लेकर सतर्क है। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरेज एण्ड वैगन) एवं जिला आयुक्त, स्काउट अनुभव पाठक के निर्देश पर शनिवार को मंडुवाडीह स्थित बनारस रेलवे स्टेशन, अलईपुर स्थित वाराणसी सिटी स्टेशन एवं इस खण्ड में पड़ने वाले रेलवे क्रासिंगों पर भारत स्काउट एण्ड गाइड जिला संघ के सदस्यों ने नुक्कड़ नाटक का मंचन कर आमजन के साथ रेल यात्रियों को संरक्षा के प्रति भी जागरूक किया। सदस्यों ने नुक्कड़ नाटकों के जरिए लोगों को अनाधिकृत स्थानों से रेलवे ट्रैक पर न जाकर केवल रेलवे फाटकों अथवा उपरिगामी सेतुओं से ट्रैक पार करने, समपार फाटकों को पार करते समय सावधानी बरतने, फाटक बन्द होने की दशा में बूम के नीचे से ट्रैक पार न करने, गेट मैन पर अनाधिकृत दबाव नहीं डालने, क्षतिग्रस्त रेलवे फाटकों पर सावधानी बरतने, रेलवे ट्रैक के समीप मोबाईल एवं ईयर फोन का उपयोग न करने एवं ओपन लाइन के रेलवे ट्रैक एवं विद्युत पोलों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का संदेश दिया। बनारस एवं वाराणसी सिटी रेलवे स्टेशनों पर जन जागरुकता में यात्रियों एवं आम जनता को विभिन्न प्रकार के संरक्षा पंपलेट, कपड़े का थैला जिस पर रेल क्रॉसिंग से संबंधित नियम अंकित थे तथा संरक्षा नियमों की पाकेट डायरी भी वितरित किया गया। नुक्कड़ नाटक में जिला भारत स्कॉट्स एण्ड गाइड सदस्य अमित कुमार (ज़िला सचिव), राहुल सिंह (रोवर स्काउट लीडर), शिवम कुमार (कब मास्टर), शिवांगी यादव (गाइड लीडर), खुशी मिश्रा, आकांक्षा तिवारी, भानु, नितेश, विशाल, निखिल, क्षितिज एवं भूषण तिवारी आदि शामिल रहे।

राज्य सरकार की उदासीनता से केंद्र की योजनाएं समय पर पूरी नहीं हो रहीं : कोचे मुंडा

-विधायक ने किया हर घर नल जल योजना का निरीक्षण

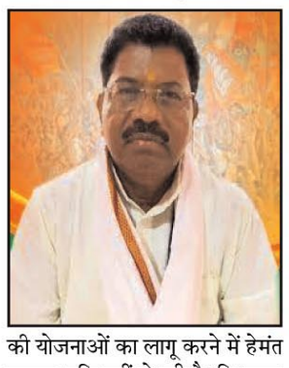

खूंटी, (हि.स.)। तोरपा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक कोचे मुंडा ने शनिवार को तोरपा प्रखंड के सुंदरी गांव का दौरा किया और हर घर नल जल योजना का निरीक्षण किया। विधायक ने स्थानीय लोगों से इस बारे में जानकारी ली और पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अधिकारियों को त्रुटियों के अविलंब निराकरण का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि पूरे गांव को नल जल योजना से जोड़ा जाए। योजना के संवेदक और मिस्त्री को ग्रामीणों की समस्याओं को दूर करने को कहा। विधायक ने कहा कि राज्य सरकार की उदासीनता के कारण केंद्र सरकार की योजनाएं समय पर धरातल पर नहीं उतर पा रही हैं। केंद्र सरकार की योजनाओं का लागू करने में हेमंत सरकार रुचि नहीं ले रही है। विधायक ने ग्रामीणों का आह्वान किया कि आने वाले लोकसभा चुनाव में फिर से नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा के हाथों को मजबूत करें। इस मौके पर भाजपा तोरपा मंडल के अध्यक्ष पुरेंद्र मांझी सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

मोहर्रम जुलूस के दौरान हाईटेंशन लाइन में छूने से ताजिया जली

लखनऊ, (हि.स.)। अलीगंज थाना क्षेत्र के पुरनिया रेलवे क्रॉसिंग से शनिवार को गुजर रहे मोहर्रम जुलूस के दौरान हादसा हो गया। जुलूस में ताजिया सड़क के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट आने से ताजिया में आग लग गई और युवक झुलस गया। कड़ी सुरक्षा के बीच राजधानी में मोहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा है। इसी क्रम में अलीगंज के पुरनिया रेलवे क्रॉसिंग से गुजर रहे ताजिया सड़क के ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया। ताजिया में आग लगकर जलने लगी।

वहीं उसमें उतरे करंट की चपेट में आकर एक युवक झुलस गया। इस घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। जुलूस के दौरान मौजूद लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि पहले से जुलूस का रूट तय किया गया था। बावजूद बिजली विभाग ने तारों को ठीक नहीं किया गया, जिससे यह घटना हुई है। फिलहाल किसी भी प्रकार की जनहानि न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली है।

सुभाष मुंडा की हत्या लाल झंडा को कमजोर करने की गहरी साजिश : रामचंद्र डोम

रांची, (हि.स.)। माकपा के पोलित ब्यूरो सदस्य और पूर्व सांसद डॉ. रामचंद्र डोम ने कहा कि सुभाष मुंडा की हत्या लाल झंडा को कमजोर करने की एक गहरी साजिश है। उन्होंने सुभाष हत्याकांड की हर पहलू से जांच कराए जाने और दोषियों को एक समय सीमा के अंदर गिरफ्तार कर उन्हें सजा दिलाए जाने की मांग की। डोम शनिवार को पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सुभाष मुंडा केवल जमीन कारोबारी रहते तो उनकी हत्या पर इतना जनाक्रोश नहीं होता और उनकी शव यात्रा में पूरे इलाके से हजारों लोग जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं भी थी, शामिल नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि सुभाष मुंडा दलादली इलाके में माकपा आंदोलन की तीसरी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते थे। उनके दादा शुक्रा मुंडा सेना से रिटायर होने के बाद वे माकपा से जुड़ गए थे तथा इस इलाके में आदिवासियों और दूसरे गरीबों के शोषण के खिलाफ हमेशा संघर्ष करते रहते थे। उन्हीं से प्रेरणा लेकर रांची के पंचपरगना क्षेत्र में गरीबों और आदिवासियों की भूमि हड़पने वाले महाजनों के खिलाफ 70 और 80 के दशक में ऐतिहासिक संघर्ष चला था। इस संघर्ष के बाद इलाके के बड़े भू-स्वामियों से आदिवासियों की हड़पी गई जमीन की वापसी करायी गयी। इसमें सुभाष मुंडा का खानदान जिनकी एक बड़ी संख्या है को उनकी पुश्तैनी जमीन वापस मिली। उसी जमीन पर सुभाष मुंडा ने अपनी आजीविका के लिए कुछ दुकानों और भवन का निर्माण कराया। अभी जो धीमी गति से एक बात प्रचारित की जा रही है कि वे जमीन के कारोबारी थे पूरी तरह तथ्यहीन है। राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने कहा कि तीन अगस्त को दलादली चौक पर एक विशाल श्रद्धांजलि सभा आयोजित की जाएगी। इसमें वामदलों के राज्य नेतृत्व के अलावा माकपा की पोलित ब्यूरो सदस्य बृंदा कारात भी संबोधित करेंगी।

नक्सलियों के 'शहीद सप्ताह' के मद्देनजर रेलवे सतर्क, आरपीएफ और सुरक्षाबलों की चौकसी बढ़ी

रांची, (हि.स.)। नक्सलियों ने 28 जुलाई की रात से तीन अगस्त तक शहीद सप्ताह मनाने की घोषणा की है। नक्सलियों द्वारा इस घोषणा के बाद दक्षिण पूर्व रेलवे जोन सतर्क हो गया है। एहतियातन लंबी दूरी की ट्रेनों में आरपीएफ को सतर्क रहने का आदेश दिया गया है। इसके अलावा मनोहरपुर में पोस्टरबाजी के बाद हावड़ा-मुंबई मार्ग के छोटे-बड़े स्टेशनों पर आरपीएफ की चौकसी बढ़ा दी गई है। इसके साथ हीं लंबी दूरी की ट्रेनों में सुरक्षा के तहत एस्कॉर्ट ड्यूटी जवानों को भी अलर्ट रहने की सलाह दी गई है। नक्सली पहले भी स्टेशनों पर इस तरह की घटनाओं को अंजाम देकर ट्रेन परिचालन बाधित कर चुके हैं। इससे पहले भी नक्सलियों ने इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया था। इसलिए नक्सलियों के शहीद सप्ताह मनाने की घोषणा के बाद मुख्यालय से सभी स्टेशनों पर एक्सीडेंट रिलीफ को तैयार रखने व लाइन की जांच और गश्त बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा आरपीएफ और जीआरपी को स्थानीय पुलिस से भी मदद लेने का सुझाव दिया गया है।

अरिरिया नगर शक्ति केंद्र संख्या तीन के भाजपा कार्यकर्ताओं की हुई बैठक

अररिया, (हि.स.)। अररिया भाजपा जिला कार्यालय में अररिया नगर शक्ति केंद्र संख्या तीन के भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक शनिवार को शक्ति केंद्र प्रमुख वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेंद्र झा जी के अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष आदित्य नारायण झा के अलावा भाजपा जिला मंत्री सुष्मिता ठाकुर, जिला मंत्री नीरज कुमार, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष नगर अध्यक्ष आनंद मोहन झा, नगर मंत्री कुमार रंजन आनंद, अध्यक्ष राकेश कुमार झा सूरजभान ऋषिदेव, आकाश रंजन, अंकित साह के अलावे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में बूथ कमिटी, पन्ना प्रमुख के अधूरे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने और 30 जुलाई को प्रधानमंत्रीजी के मन की बात कार्यक्रम सुनने सहित भाजपा युवा मोर्चा द्वारा बिहार सरकार के कुशासन एवं शिक्षकों पर हो रहे अत्याचार और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के खिलाफ चल रहे हस्ताक्षर अभियान में भागीदारी को लेकर विशेष चर्चा की गई।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति से शिक्षा पद्धति में आमूलचूल बदलाव हुआ : गिरिराज

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तीन वर्ष पूरे होने पर शनिवार को बधाई देते हुए इसे अपार संभावना वाला कदम बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा है कि आज स्कूलों में इंफ्रास्ट्रक्चर, शौचालय, पानी, वर्ग कक्ष और गैस है। शिक्षा पद्धति में आमूलचूल बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा कि एनईपी इनोवेशन, कल्पना और आइडिया से जुड़ा है। यह सबको जिंदगी में केवल नौकरी तक सीमित नहीं कर, रोजगार और देश के लिए कुछ देने की दिशा में आगे बढ़ाएगा। अब किसी मजबूरी में पढ़ाई छूट जाती है तो बदले परिस्थितियों में वह पढ़ाई पूरी कर सकता है। पहले क्षेत्रीय भाषाओं का महत्व नहीं था। आज सभी क्षेत्रीय भाषाओं में पढ़ने-बढ़ने का मौका मिल रहा है। मातृभाषा में पढ़ाई का रास्ता खोला गया। गिरिराज ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्राथमिक से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। एनईपी न्यू एजुकेशन पॉलिसी नहीं, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी है। पहले विद्यार्थी अपने पसंद की शिक्षा नहीं ले पाते थे लेकिन अब शिक्षा के पाठ्यक्रम को बदलने का अवसर दिया गया। देश व्यवहारिक शिक्षा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति से कौशल को बढ़ावा मिल रहा है। कुशल भारत सक्षम भारत बन रहा है। स्टार्टअप के आकांक्षी लोगों को सक्षम अवसर मिल रहा है। मूल्य आधारित शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इन तमाम बिंदुओं से भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है।

जमीन माफियाओं ने रातों रात सार्वजनिक शौचालय पर बुलडोजर चलाकर किया ध्वस्त

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज में जमीन माफिया सक्रिय हैं और सरकारी भवनों को जमींदोज करने से भी गुरेज नहीं करते। दो तीन साल पहले जहां एसडीओ आवास और फारबिसगंज प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सामने मध्य विद्यालय कर्बला धत्ता के भवन को रातों रात बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया था। वहीं एक बार फिर शहर के जुम्मन चौक स्थित टीवी टावर के समीप वर्षों से तीन कमरों में बने सार्वजनिक शौचालय को रातों रात अंधेरे में बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया। अज्ञात लोगों के द्वारा रातो रात सार्वजनिक शौचालय के जमींदोज होने की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में सुबह में स्थानीय लोग जमा हो गए और जमीन माफिया के इस कृत्य पर नाराजगी जाहिर की। तत्कालीन सांसद सुकदेव पासवान ने तीन कमरों वाला सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया गया था और वर्षों से कार्यरत था। अगल बगल के सैकड़ों लोगों द्वारा इस सार्वजनिक शौचालय का उपयोग किया जाता था। रातों रात सार्वजनिक शौचालय को जमींदोज कर दिए जाने से स्थानीय लोगों में तीव्र आक्रोश है।

सूचना पर राजस्व अधिकारी हिंदुजा भारती श्री मौके पर पहुंच कर ध्वस्त किये गए सार्वजनिक शौचालय का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगो से इस मामले में जानकारी ली। जुम्मन चौक सहित आसपास के वैसे परिवार के लोग उक्त सार्वजनिक शौचालय का इस्तेमाल करते थे जिसके पास शौचालय नही है। इसके अलावे राहगीरों एनके द्वारा भी इसका इस्तेमाल किया जाता था। आक्रोशित स्थानीय लोगो ने राजस्व अधिकारी से इस संदर्भ में जांच कर दोषियों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की है। वहीं राजस्व अधिकारी हिंदुजा भारती श्री ने पूछे जाने पर कहा कि जिस शौचालय को अज्ञात लोगों के द्वारा रातों रात ध्वस्त कर दिया गया है, वह सार्वजनिक शौचालय था। लेकिन जिस जमीन पर उक्त शौचालय था उसका खाता खेसरा नंबर कितना है इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने लोगो को भरोसा दिलाई कि जांचोपरांत दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई अवश्य की जायेगी।

संपादकीय

आर्थिक भुगतान की बिजली

पंजाब पुनर्गठन के अपने अधिकार के करीब खड़े हिमाचल के तर्क, कम से कम बीबीएमबी एरियर के भुगतान को लेकर न्याय का आश्वासन पा रहे हैं। इस भुगतान को लेकर 2011 में सुप्रीम कोर्ट का फैसला तो आ चुका था, लेकिन कानूनी दांव पेंच में फार्मूले को घसीटते-घसीटते बारह साल गुजर गए। अंततः माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार द्वारा मामले को आगे सरकाने की आखिरी कोशिश को दरकिनार करते हुए इनसाफ की कमान खुद संभाल ली है। उम्मीद है अब नियमित सुनवाई से एरियर भुगतान का कोई न्यायपूर्ण फार्मूला सामने आएगा। जाहिर है 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी हासिल करने की सारी दरख्वास्तें भंवर में हैं। पंजाब पुनर्गठन से जो इलाके हिमाचल में आकर मिले, उन्हें शक्ति मानने की कोताही तत्कालीन राजनीति से कहीं न कहीं हुई है या होती रही है, वरना 7.19 प्रतिशत की हिस्सेदारी संसाधन विहीन पर्वतीय प्रदेश की मिलकीयत में आर्थिक बढ़ोतरी कर देती। अगले दस सालों में तेरह हजार मिलियन यूनिट फ्री बिजली लगभग छह हजार करोड़ लाने का वादा कर रही है। यह फैसला आर्थिक पहिया घुमाने की एक जोरदार पेशकश है और जो आगे चलकर वाटर सैस लगाने के तर्क को अंगीकार करता है। बीबीएमबी की परिपाटी में 7.19 की दर से ही भले भुगतान हो रहा है, लेकिन आगे चलकर पंजाब पुनर्गठन में एक पक्ष हिमाचल के नसीब से जुड़ता है जिसकी आर्थिक, भौगोलिक, सामाजिक और राजनीतिक विवेचना जरूरी हो जाती है। इस दौरान भले ही महत्त्वपूर्ण बांध परियोजनाओं के माध्यम से काफी पानी बह गया, लेकिन आधी सदी के बाद अधिकारों की व्याख्या, कानून की परिभाषा और राष्ट्रीय नीतियों के संदर्भ बदल चुके हैं। यह मामला उस वक्त के विस्थापन की पीड़ा को भी हरा कर देता है, जो वक्त गुजरने के बावजूद आज भी तकलीफदेह है। आज भी विस्थापित परिवार भाखड़ा बांध और खास तौर पर पौंग बांध के अस्तित्व के लिए अपनी कुर्बानियों से हुई बदसलूकी को याद करके भटक रहे हैं। राजस्थान की रेत में उगे खेत को जिंदगी देने वाले हिमाचली आज भी अगर खानाबदोश हालत में हैं, तो न्याय की परिपाटी अभी बाकी है। यही नहीं, उनके किस्से-कहानियों में रेगिस्तान का अन्याय कहीं मुजरिम बना है, तो सुनवाई का मानवीय पहलू जरूरी हो जाता है। हैरानी होती है कि बड़े बांधों में बरसात की बाढ़ जब उफनती है, तो पड़ोसी राज्य यह चाहते हैं कि गेट चाहकर भी न खुलें, लेकिन इस पार दफन आहों की फरियाद नहीं सुनना चाहते। पर्वत के लिए जंगल होना अगर प्राकृतिक अनिवार्यता है, तो मौसम का पानी-पानी होना, उसकी त्रासदी है। जलवायु संतुलन के लिए पहाड़ को पूजना पड़ेगा, पर्वत की अहमियत के दीप जलाने पड़ेंगे। ऐसे कानून व ऐसी नीतियां लागू करनी होंगी जो पर्वत को भी जीने का एहसास दे। पर्वतीय खेती, बागबानी, ग्रामीण व शहरी आर्थिकी, विकास की गति और नवाचार से अनुसंधान तक की मर्यादा अगर केंद्र सुनिश्चित करता है, तो पहाड़ को समझने के लिए एक अदद स्वतंत्र केंद्रीय मंत्रालय का गठन किया जाए। इस मंत्रालय के तहत अगर विकास का मॉडल तय होता है, तो पहाड़ से निकलती हवाओं, पानी और जंगल की तासीर का उल्लंघन मैदानी इलाकों की राजनीति नहीं कर पाएगी। पहाड़ तो हर साल बरसात में अपनी उर्वरता, खेती में इस्तेमाल खाद-बीज और श्रम को बहाकर मैदान की झोली में डाल देता है, लेकिन बदले में उसे मिलता क्या है। पर्वतीय आर्थिकी की राष्ट्रीय प्राथमिकता में कई तरह के हस्तक्षेप चाहिए। बहरहाल बीबीएमबी के एरियर पर आया फैसला हिमाचल को आत्मबल दे रहा है, लेकिन पंजाब पुनर्गठन की लिखावट में जब 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी मिल जाएगी, तो आर्थिकी के अन्य शिलालेख भी मुकम्मल होंगे।

अगले दस सालों में तेरह हजार मिलियन यूनिट फ्री बिजली लगभग छह हजार करोड़ लाने का वादा कर रही है। यह फैसला आर्थिक पहिया घुमाने की एक जोरदार पेशकश है और जो आगे चलकर वाटर सैस लगाने के तर्क को अंगीकार करता है। बीबीएमबी की परिपाटी में 7.19 की दर से ही भले भुगतान हो रहा है, लेकिन आगे चलकर पंजाब पुनर्गठन में एक पक्ष हिमाचल के नसीब से जुड़ता है जिसकी आर्थिक, भौगोलिक, सामाजिक और राजनीतिक विवेचना जरूरी हो जाती है। इस दौरान भले ही महत्त्वपूर्ण बांध परियोजनाओं के माध्यम से काफी पानी बह गया, लेकिन आधी सदी के बाद अधिकारों की व्याख्या, कानून की परिभाषा और राष्ट्रीय नीतियों के संदर्भ बदल चुके हैं। यह मामला उस वक्त के विस्थापन की पीड़ा को भी हरा कर देता है, जो वक्त गुजरने के बावजूद आज भी तकलीफदेह है। आज भी विस्थापित परिवार भाखड़ा बांध और खास तौर पर पौंग बांध के अस्तित्व के लिए अपनी कुर्बानियों से हुई बदसलूकी को याद करके भटक रहे हैं। राजस्थान की रेत में उगे खेत को जिंदगी देने वाले हिमाचली आज भी अगर खानाबदोश हालत में हैं, तो न्याय की परिपाटी अभी बाकी है।

कुछ अलग

पापा की परी पर हंसते मां के लाडले

सोशल मीडिया एक ऐसा समंदर है, जहां मस्ती मज़ाक में शुरू हुई चीज़ों को हदें पार करते देर नहीं लगती। अब पापा की परी टाइटल का ही उदाहरण ले लीजिए। ठीक से टूवीलर न चला पाने वाली लड़कियों के विडियो पर इस हैशटैग के साथ हंसने से शुरुआत हुई, लेकिन अब उनसे जुड़े हर किसी मामले में पापा की परी लिखकर यंग गर्ल्स को कठघरे में खड़ा किया जाने लगा है। दरअसल, कुछ समय पहले एक काफी वायरल हो गया, जिसमें स्कूटी चलाती एक लड़की ब्रेक लगाने के बजाय दोनों पैरों से उसे रोकने की कोशिश कर रही है। पहली नज़र में सबको विडियो फनी लगा और खूब शेयर हुआ। फिर तो सोशल मीडिया पर ऐसे सीसीटीवी फुटेज की बाढ़ आ गई, जिनमें टूवीलर चलाती लड़कियों को ट्रैफिक के बीच घबराहट में गिरते-पड़ते-भिड़ते दिखाया गया है। पापा की परी हैशटैग के साथ डाले गए इन विडियो पर हर उम्र के लोगों ने खूब चटखारे लिए। सवाल यह है कि बहुत से लड़के भी गाड़ी चलाते वक्त ऐसी ही गलतियां करते होंगे, पर मां के लाडले हैशटैग के साथ कभी उनका मज़ाक तो नहीं उड़ाया गया? चलिए मान भी लिया कि दस में से एक लड़की स्कूटी चलाते वक्त वह कॉन्फिडेंस नहीं ला पा रही, जिसकी अपेक्षा ये समाज उससे कर रहा है तो इसमें उसकी ग़लती क्या है। वो तमाम जोखिम लेकर यह कोशिश आखिर क्यों कर रही है, कभी इसकी वजह जानने की कोशिश किसी ने की? वो लड़कों की तरह बाइक पर स्टंट या टशन दिखाने या अपने शौक की वजह से ऐसा नहीं कर रही, वो यह कोशिश इसलिए कर रही है कि शांति और इज्जत के साथ अपने स्कूल, कॉलेज या काम पर जा सके। इस फिक्र के बिना कि कोई गंदी नज़रों से उन्हें घूर रहा या टच कर रहा है, जो हर दूसरी महिला बस, रेल, ऑटो, मेट्रो जैसे सभी पब्लिक ट्रांसपोर्ट में आए दिन फेस करती है। घूरती नज़रों ने उसे अपनी गली में साइकिल भी तो कभी शांति से नहीं चलाने दी होगी। उसका सारा कॉन्फिडेंस तो वहीं खत्म हो जाता होगा। अब वर्षों बाद वह किसी तरह भारी भरकम टू वीलर को लेकर ट्रैफिक से भरी सड़क पर तमाम बाधाओं से जूझती हुई जाएगी तो शुरू में दिक्कत आ ही सकती है। पापा भी अपनी परी में आत्मविश्वास भरना चाहते होंगे कि किसी पर निर्भर होने की ज़रूरत नहीं, अपनी उड़ान खुद भरना सीखो। पापा ने अपने लाडले को भी कभी ऐसे ही हैंडल पकड़कर पहले साइकिल चलाना और फिर पीछे बैठकर स्कूटर या बाइक चलाना और बगल में बैठकर कार चलाना सिखाया होगा। सोशल मीडिया पर मज़े लेने वाले यही लोग उस बस या ट्रेन में भी होते हैं, जहां किसी लड़की के साथ गलत हरकत होती है, पर उस वक्त उनके मुंह से चूं तक नहीं निकलती। तब इनमें से एक भी आदमी आगे बढ़कर उस व्यक्ति को रोकने की हिम्मत क्यों नहीं करता? दिल्ली की व्यस्त गली में सरेआम एक लड़का छात्रा की चाकू गोदकर और पत्थर से सिर कुचलकर नृशंस हत्या कर देता है, तब तमाशबीन बने लोग पापा की उस परी को बचाने आगे क्यों नहीं आए। आप कह सकते हैं कि मस्ती-मज़ाक के लिए डाले गए विडियो पर मैं इतना सीरियस क्यों हो रहा हूं? तो देखिए, बात सिर्फ स्कूटी से फिसलने वाले विडियोज़ तक सीमित रहती तो शायद मैं इतना लंबा-चौड़ा लेख लिखता ही नहीं। लेकिन मुझे कष्ट तब हुआ, जब हाल ही में किसी कार्यक्रम में सैंकड़ों महिलाओं की भीड़ में बैठी एक नवयुवती का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। विडियो देख साफ लग रहा है कि यह उसके किसी परिचित ने ही बनाया है। विडियो बनाने वाले ने ज़ूम कर फोकस घूंघट में बैठी इस युवती के चेहरे पर कर दिया है, जो आंखों ही आंखों में उसे छेड़ती सी दिख रही है।

विपक्षी दलों की चिंता मात्र एक दिखावा ही अधिक प्रतीत हुई है

अब सार्थक बहस हो एवं संसद सुचारु चले

ललित गर्ग

विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) ने मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का निर्णय लेकर अपनी राजनीतिक अपरिपक्वता, नासमझी एवं विवेकहीनता का ही परिचय दिया है, यह प्रस्ताव स्वीकार भी हो गया। अब प्रतीक्षा है उस पर बहस की। आइएनडीआइए भले ही अविश्वास प्रस्ताव को अपनी जीत समझ रहा हो और यह मानकर चल रहा हो कि उसे संसद में अपनी एकजुटता एवं ताकत दिखाने का अवसर मिलेगा, लेकिन एक तो इस प्रस्ताव का गिरना तय है, दूसरा विपक्षी एकता एवं शक्ति के दावे भी खोखले साबित होने है। जब प्रस्ताव का गिरना पहले से ही तय है तो क्यों विपक्ष अपनी किरकिरी कराने पर तूली। विपक्षी दलों का मणिपुर पर प्रधानमंत्री के वक्तव्य की अपनी मांग पर अडे.रहना भी हास्यास्पद है। क्योंकि प्रधानमंत्री ने पहले ही मणिपुर के हालात पर क्षोभ व्यक्त करते हुए संसद भवन परिसर में कहा था कि यह घटना किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है और इससे पूरे देश की बेइज्जती हुई है। बावजूद विपक्ष की जिद्द इसलिये भी बचकानी एवं बेहूदी कही जायेगी क्योंकि कोई भी मामला जिस मंत्रालय संबंधित होता है, उसके ही मंत्री को उस पर वक्तव्य देना होता है। सोचने वाली बात है कि विपक्ष यदि वास्तव में मणिपुर पर दुःखी होता तो चार दिन संसद का काम रोक कर न तो नारेबाजी और न हठधर्मिता में अपनी ऊर्जा खपा रहा होता और न ही गृह मंत्री को सुनने से इन्कार कर रहा होता। विपक्षी दलों की चिंता मात्र एक दिखावा ही अधिक प्रतीत हुई है। विपक्ष का चेहरा जनता के सामने बेनकाब हुआ है, जो कुछ बाकी रहा है प्रधानमंत्री अविश्वास प्रस्ताव पर अपने वक्तव्य में उसे उघाड़ देंगे, इस नए गठबंधन की कथित एकजुटता की पोल भी खोल ही देंगे और उसकी आपसी खींचतान को भी उजागर कर ही देंगे। विपक्षी गठन इंडिया के गठन के बाद वे कितने राजनीतिक रूप से शक्तिशाली हुए है और प्रधानमंत्री को चुनौती देने की स्थिति कितने सक्षम बने हैं, इन स्थितियों का भी पर्दाफाश होगा। बात जब तीर से निकली है तो दूर तक जायेगी, अविश्वास प्रस्ताव की बहस केवल मणिपुर तक सीमित नहीं रहने वाली, क्योंकि हालिया पंचायत चुनावों के दौरान बंगाल में जो भीषण हिंसा हुई, कोई भी उसकी अनदेखी नहीं कर सकता-मोदी सरकार तो बिल्कुल भी नहीं। यह सही है कि अविश्वास प्रस्ताव लाकर विपक्ष ने अपने इस उद्देश्य को हासिल कर लिया कि मणिपुर के मामले में प्रधानमंत्री को सदन में बोलना ही पड़ेगा,

आइएनडीआइए भले ही अविश्वास प्रस्ताव को अपनी जीत समझ रहा हो और यह मानकर चल रहा हो कि उसे संसद में अपनी एकजुटता एवं ताकत दिखाने का अवसर मिलेगा, लेकिन एक तो इस प्रस्ताव का गिरना तय है, दूसरा विपक्षी एकता एवं शक्ति के दावे भी खोखले साबित होने है। जब प्रस्ताव का गिरना पहले से ही तय है तो क्यों विपक्ष अपनी किरकिरी कराने पर तूली। विपक्षी दलों का मणिपुर पर प्रधानमंत्री के वक्तव्य की अपनी मांग पर अडे.रहना भी हास्यास्पद है। क्योंकि प्रधानमंत्री ने पहले ही मणिपुर के हालात पर क्षोभ व्यक्त करते हुए संसद भवन परिसर में कहा था कि यह घटना किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है और इससे पूरे देश की बेइज्जती हुई है। बावजूद विपक्ष की जिद्द इसलिये भी बचकानी एवं बेहूदी कही जायेगी क्योंकि कोई भी मामला जिस मंत्रालय संबंधित होता है, उसके ही मंत्री को उस पर वक्तव्य देना होता है।

लेकिन उसने उन्हें अपनी राजनीतिक हठधर्मिता को बेनकाब करने का अवसर भी दे दिया है। एक तरह से अपने पांव पर खुद कुल्हाड़ी चला दी है। यह पूरे देश की जनता को मालूम है कि इस अविश्वास प्रस्ताव से मोदी सरकार को कोई खतरा नहीं है क्योंकि इसके पास अपने बूते पर सदन में जबर्दस्त बहुमत है और 538 की वर्तमान सदस्य संख्या वाली लोकसभा में भाजपा व इसके सहयोगी दलों के 332 सांसद हैं जबकि इंडिया दलों के 142 व निरपेक्ष या संकट के समय मोदी सरकार का साथ देने वाले दलों के सदस्यों की संख्या 64 है। यह अविश्वास प्रस्ताव सांकेतिक है और इस बात का प्रयास है कि इसके माध्यम से विपक्षी गठबन्धन देश के लोगों के बीच अपने समर्थन में 'जन-अवधारणा' का निर्माण कर सके। लेकिन विपक्षी दलों का यह न्यूसेंस भरा ध्येय अधूरा ही रहने वाला है। अविश्वास प्रस्ताव संसदीय लोकतन्त्र में प्रायः सरकारों के खिलाफ जन अवधारणा सृजित करने के लिए ही लाये जाते हैं क्योंकि भारत के संसदीय इतिहास में अब तक 28 अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये, जिनमें केवल तीन बार ही सत्तारूढ़ सरकारें इनके माध्यम से सत्ता से बेदखल की गई हैं। मोदी सरकार अपने इस कार्यकाल में पहली बार अविश्वास प्रस्ताव का सामना कर रही है, इसके पहले 2018 में भी मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, तब भी उसे पराजय का सामना करना पड़ा था और उस समय ही मोदी ने भविष्यवाणी करते हुए कहा था कि 2023 में फिर से अविश्वास प्रस्ताव लाने का आपको मौका मिले।' मौका तो विपक्ष को मिल ही गया है, पिछली बार की तरह इस बार भी ऐसा ही सुनिश्चित सा दिख रहा है, कि प्रस्ताव औधे मूंह गिरेगा। हालांकि लोकतंत्र के सर्वोच्च मंच संसद पर सत्ता पक्ष और विपक्ष की ऐसी रस्साकशी कोई नई बात नहीं है। इसे स्वस्थ लोकतंत्र का लक्षण भी कहा जा सकता है। लेकिन इस तरह की कवायद एवं मंथन से जनता के हित में कुछ निकलना चाहिए, वह निकलता हुआ दिख नहीं रहा है। मणिपुर में जिस तरह के दृश्य पिछले दिनों देखने को मिले, उसके मद्देनजर इस तरह की रस्साकशी की बजाय सार्थक बहस का माहौल बनाकर समस्या के समाधान का रास्ता निकला जाता तो वह आशा की किरण बनता। बेहतर तो यही होता कि विपक्ष और सरकार आपस में बातचीत से सहमति की कोई सूरत निकाल कर मणिपुर पर विस्तृत चर्चा कर लेते और इसके लिए अविश्वास प्रस्ताव की नौबत न आती। अविश्वास प्रस्ताव से तीन बार ही सत्तारूढ़ सरकारें सत्ता से बेदखल की गई हैं। इनमें सभी सरकारें गठबंधनों की खिचड़ी सरकारें थीं और एक बार 1999 में तो अटल बिहारी वाजपेयी की साझा सरकार केवल एक वोट से ही गिर गई थी। जबकि इससे पहले 1990 में वीपी सिंह की 'दो खड़ाऊ' भाजपा व वामपंथियों के समर्थन पर खड़ी सरकार बुरी तरह लोकसभा में हार गई थी और 1997 में कांग्रेस के समर्थन पर टिकी देवेगौड़ा सरकार का हश्र भी ऐसा ही हुआ था। मगर मोदी सरकार में तो भाजपा के ही 301 सांसद हैं। अब जबकि अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होना निश्चित हो गया है तो यह बहस लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित एवं सार्थक बहस हो। आदर्श मूल्यों की वाहक बने। मणिपुर जैसी जटिल समस्या के साथ अन्य समस्याओं के समाधान की प्रेरक बने। संविधान पक्ष एवं विपक्ष को केवल अधिकार नहीं देता, उनसे शुद्ध आचरण की अपेक्षा भी करता है। अब संसद में कामकाज सुचारू ढंग से शुरू हो, इसकी व्यवस्था होनी चाहिए मगर साथ ही ध्यान रखा जाना चाहिए कि उच्च सदनों में विपक्ष के नेताओं को भी अपनी बात रखने का समुचित अवसर सम्मानजनक तरीके से दिया जाये। संसदीय प्रणाली में विपक्ष के नेता का महत्व भी कोई कम नहीं होता क्योंकि वह भी उन करोड़ों लोगों की आवाज होता है, जिनको अपनी आवाज संसद में रखने के लिये जनता ने ही चुना है। भाजपा सरकार पर संसद में रवैया बहुत एकपक्षीय और मनमाना होने का आरोप भी निराधार साबित होना चाहिए। न्यूसेन्स में जैसे कोई आधार नहीं होता, कोई तथ्य नहीं होता, कोई सच्चाई नहीं होती तो दूसरों के लिए खोदे गए खड्डों में स्वयं एक दिन गिर जाने की स्थिति बन जाती है। विपक्ष इस न्यूसेन्स स्थिति से बाहर आये, विपक्ष में अपनाई जा रही इस न्यूसेन्स वाली नुकसानदेय एवं उकसाने वाली नीति से आक्रमण करना आसान है, क्योंकि आक्रमण में बुद्धि और ताकत कम लगती है जबकि बचाव में ज्यादा। विपक्ष की भूमिका को सार्थक करने के लिये ताकत भले ज्यादा लगे, लेकिन वही जनता के दिलों पर राज एवं जन अवधारणा सृजित करती है।

हिमालय राष्ट्रीय मुद्दा है, राजनीतिक नहीं

हिमालय की पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय सुरक्षा एक राष्ट्रीय मुद्दा है और सीमाओं की सुरक्षा जितना ही महत्वपूर्ण भी है। आखिर हम सीमाओं की सुरक्षा अपनी मानव आबादी की खुशहाली, संसाधनों के सदुपयोग और सुरक्षा एवं सतत विकास के लिए ही तो करते हैं। हिमालय एक सबसे कम आयु की पर्वत श्रृंखला है जो अभी तक भी निर्माण की अवस्था में है। इस कारण इसकी चट्टानें अभी तक भी भुरभुरी और नाजुक हैं। हिमालय की पारिस्थितिकीय सुरक्षा का मसला एक देशीय भी नहीं है। हिमालय के आगोश में बसे अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, भूटान, बांग्लादेश और म्यांमार तक सभी हिमालय में हो रही पर्यावरणीय गड़बडियों के शिकार हो रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि हम सभी हिमालयी परिस्थिति से प्रभावित देश आपस में मिलकर कोई सांझा कार्यक्रम बनाने की समझदारी विकसित करते, किन्तु स्थिति तो यह है कि हम अपने देश के अंदर ही हिमालय के स्वास्थ्य के लिए चिंतित नहीं हैं। झेल तो सभी देश रहे हैं। चीन, पकिस्तान, बांग्लादेश और भारत खास तौर पर बाढ़ों के साल दर साल शिकार हो रहे हैं, किन्तु हम न तो अपनी गलतियां मानने को तैयार हैं और न ही उन्हें पहचानने को तैयार हैं। तकनीक के अहंकार ने हमें अंधा बना दिया है। हम सोचते हैं कि हम इस नाजुक पर्वत से मनमानी छेड़छाड़ करके इसकी नाजुकता पर पार पा सकते हैं। किन्तु साल दर साल बढ़ती जाती तबाही से भी हम सीखने को तैयार नहीं हैं। चीन जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली देश है, वह भी इस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं कर पा रहा है, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीनहॉउस गैसों का उत्सर्जक बन गया है। उसकी होड़ में बाकी एशियाई देश भी पीछे रहने के लिए तैयार नहीं हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि में लगातार अपना योगदान बढ़ाते जा रहे हैं, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन का जिन्न हमारे सामने मुंह बाए खड़ा हो गया है। पिछले साल की बाढ़ों से हुई तबाही से पाकिस्तान आज दिन तक नहीं उबर पाया है, किन्तु इन सब देशों के प्राथमिकता वाले मुद्दे अपने अपने हिमालय की संभाल करने के आसपास भी नहीं हैं। हम भी कहां पीछे रहने वाले हैं। बेतरतीब सडक़ निर्माण, बड़े, छोटे बांध निर्माण, हिमालय के सीने तक रेल ले जाने की योजना, पर्यटन का मनमाना स्वरूप, नदी किनारे तक आवास बनाने की अहंकारी सोच, सारे विकास के नाम पर, बिना पूरी वैज्ञानिक समझ से किए जा रहे काम हिमालय की नाजुक ढलानों को अस्थिर करते जा रहे हैं। भगवान कृष्ण ने गीता में कहा कि 'मैं स्थिर रहने वालों में हिमालय हूं।' उस स्थिर हिमालय को हमने अस्थिर कर दिया है। इस वर्ष लगती बरसात में ही हिमाचल में प्रकृति ने अपना रौद्र रूप दिखाया, जिससे 150 से ज्यादा जानें चली गईं। 8000 करोड़ रुपए की निजी और सार्वजनिक संपत्ति की हानि हो चुकी है। बरसात तो अभी सिर पर ही है। कुल्लू, मंडी, शिमला, सिरमौर और कांगड़ा जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। हिमालय में पहले भी बाढ़ का प्रकोप होता रहा है, किन्तु जलवायु परिवर्तन ने उसकी तीव्रता को और बढ़ा दिया है। हम इस तथ्य से भली भांति परिचित भी हैं, फिर भी उस ओर ध्यान देने की हमारी मंशा ही नहीं होती है। हमारी लड़ाइयां राहत राशि ज्यादा से ज्यादा लेने तक सीमित हो जाती हैं। और केंद्र सरकारें भी कुछ राहत राशि देकर अपनी जिम्मेदारी का इतिश्री कर लेती हैं। बरसात निकल गई और सब भूल जाते हैं। हमने अपनी गलत हरकतों को छुपाने के लिए प्राकृतिक आपदा को बहाने की तरह प्रयोग करने की कला सीख ली है। इसलिए सरकारें और निहित स्वार्थ, भारी बरसात के कारण तबाही हुई, ऐसा साबित करने में अपनी शक्ति लगा देते हैं। हमने अपनी गैर जिम्मेदार ढांचागत विकास गतिविधियों के कारण तबाही को कितना आमंत्रित किया है, इस बात को सामने लाने से बचते रहते हैं। जो लोग इस तरह के विकास की कमियों को उजागर करने का साहस करते हैं, उन्हें विकास विरोधी घोषित कर दिया जाता है। यह एक आधुनिक गाली की तरह उपयोग होने वाला शब्द बन गया है। किन्तु सच देखने-दिखाने के लिए और स्थिति का वैज्ञानिक विश्लेषण करने के लिए हमें यह गाली खाने का खतरा तो उठाना ही चाहिए। हम विकास विरोधी हैं भी नहीं। केवल गलत दिशा और तकनीकों के विरोधी हैं। हमारी आवाज हर सरकार के समय एक ही रही है, चाहे भाजपा हो या कांग्रेस। इसलिए हमें किसी दल का समर्थक या विरोधी मानने की गलती भी न की जाए, क्योंकि इससे हम एक राष्ट्रीय मुद्दे को दलगत राजनीति में घसीट कर महत्वहीन बनाने का गुनाह कर रहे होंगे। हम भारतीय परंपरा का गर्व करते हैं, किन्तु यह भूल जाते हैं कि भारतीय परंपरा तो मूल रूप से पर्यावरण मित्र जीवन पद्धति अपनाने पर बल देकर ही गौरवमय हुई है। 2012 में शिमला में हिमालयी राज्यों का जलवायु परिवर्तन पर कॉनक्लेव हुआ था जिसमें उत्तराखंड, हिमाचल के मुख्यमंत्रियों के साथ तत्कालीन केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने भी शिरकत की थी। इसमें हिमालय नीति अभियान द्वारा हिमालय में अवैज्ञानिक तरीके से विकास के कारण होने वाली तबाहियों के बारे में प्रदेश की जनता की चिंताओं से संबंधित ज्ञापन कॉनक्लेव में दिया गया था, जिसके बाद सरकार द्वारा जलवायु परिवर्तन के सन्दर्भ में एक्शन प्लान बनाया गया था। उसमें भी दरपेश खतरों को चिन्हित किया गया था और सुधार के लिए एक कार्ययोजना बनाई गई थी।

भारत खास तौर पर बाढ़ों के साल दर साल शिकार हो रहे हैं, किन्तु हम न तो अपनी गलतियां मानने को तैयार हैं और न ही उन्हें पहचानने को तैयार हैं। तकनीक के अहंकार ने हमें अंधा बना दिया है। हम सोचते हैं कि हम इस नाजुक पर्वत से मनमानी छेड़छाड़ करके इसकी नाजुकता पर पार पा सकते हैं। किन्तु साल दर साल बढ़ती जाती तबाही से भी हम सीखने को तैयार नहीं हैं। चीन जो आर्थिक रूप से शक्तिशाली देश है, वह भी इस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं कर पा रहा है, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीनहॉउस गैसों का उत्सर्जक बन गया है। उसकी होड़ में बाकी एशियाई देश भी पीछे रहने के लिए तैयार नहीं हैं। वैश्विक तापमान वृद्धि में लगातार अपना योगदान बढ़ाते जा रहे हैं, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन का जिन्न हमारे सामने मुंह बाए खड़ा हो गया है।

नागरिक बोध

बिहार में 'मौत राज'

बिहार में 'जंगल राज' का विशेषण लंबे अंतराल तक चला। यह विशेषण उसकी छवि और पहचान बन गया था। इसकी चर्चा आजकल भी सुनाई देती है, लेकिन अब विशेषण बदल कर 'मौत राज' कर दिया जाना चाहिए। बिहार पुलिस इतनी असहिष्णु और इतने क्रोध, आवेश में रहती है कि विरोध करने वालों की लाशें ही बिछा देती है। कभी लाठियां बरसा कर, तो कभी गोली दाग कर उन नागरिकों को मौत के घाट उतारा जा रहा है, जिन्हें देश के संविधान ने मौलिक अधिकार प्रदान कर रखे हैं। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार दिया गया है, तो शांति से विरोध-प्रदर्शन, धरना, आंदोलन के अधिकार का भी प्रावधान किया गया है। यदि मौलिक अधिकार और मानवाधिकारों को ही कुचला जाएगा, तो उसकी सजा क्या होगी? 'सुशासन बाबू' मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके 'उप' तेजस्वी यादव तो खामोश हैं। पुलिस के हत्यारे प्रहारों की जांच पुलिस ही करेगी, तो सोच लीजिए कि इंसाफ की नियति क्या होगी? बिहार के संदर्भ में हमारी चिंता और सरोकार इसलिए अधिक है, क्योंकि बिहार देश के सबसे गरीब और पिछड़े राज्यों में एक है। इसकी फितरत ही आपराधिक है। सत्ता पर वे दल और चेहरे काबिज हैं, जिन्हें बुनियादी जनादेश नहीं मिला था। लिहाजा लोकतंत्र और संविधान को ठेंगा दिखाया जा रहा है। ऐसी गठबंधन सरकारें कई राज्यों में बनी हैं, जिसके नेता 'मौसेरे भाई' की भूमिका में हैं। दो और दो मिला कर 22 करने की कोशिशें की जाती रही हैं, लिहाजा संविधान में संशोधन करने की जरूरत है। बहरहाल यह भारी उमस और गर्मी का मौसम है। जुलाई सबसे गरम महीना आंका गया है। यह जलवायु-परिवर्तन का ही फलितार्थ है। बेशक बारिश और बाढ़ ने बहुत कुछ तबाह किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की अग्रिम घोषणा बड़े गुमान-भाव से की है। आंकड़े गिनाए जा रहे हैं कि देश 4 लाख मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन कर रहा है। भारत सरकार ने 3.5 करोड़ से ज्यादा लोगों को बिजली के उजाले मुहैया कराए हैं। यह भी तथ्य है कि देश के 40 फीसदी घरों में औसतन 2-8 घंटे तक बिजली गुल रहती है। बिहार के कई हिस्सों में तो बदतर हालात हैं। यदि बिजली की मांग या समस्या को लेकर नागरिकों ने विरोध-प्रदर्शन किया था और बिजली विभाग के दफ्तर पर धावा बोल कर कुछ तोड़-फोड़ की थी, पथराव किया था, तो प्रतिक्रिया में क्या पुलिस उन प्रदर्शनकारियों को गोली मार कर ढेर कर देगी? क्या प्रदर्शनकारी आतंकवादी, नक्सलवादी, गुंडे-बदमाश थे कि पुलिस ने उन पर गोली चलाई? क्या पुलिस का प्रशिक्षण और संयम सिर्फ गोली दागने तक ही सीमित है? गोली चलाने से पहले चेतावनी, पानी की बौछार, आंसू गैस, हवाई फायर सरीखे विकल्प क्या नुमाइश के लिए रखे गए हैं? पुलिस ने कमर के नीचे गोली मारने की बजाय सीधे माथे पर ही निशाना साधा था, लिहाजा दो मासूम युवाओं की मौत हो गई। उनके परिजन रोते-बिलखते इंसाफ मांग रहे हैं और प्रधानमंत्री तक आने की गुहार लगा रहे हैं। क्या उन्हें इंसाफ मिलेगा? यदि पुलिस ऐसे ही प्रहार करती रही, तो देश के नागरिक जिंदा कैसे बचेंगे? बीते वर्ष ही बेरोजगार युवाओं ने नौकरी और भर्ती के लिए प्रदर्शन किया था, तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर उनकी हड्डियां ही तोड़ दी थीं। अभी 13 जुलाई को पुलिस ने इस तरह लाठियां भांजी कि भाजपा के एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। दरअसल बिजली संकट देश के अधिकतर राज्यों में है। उप्र में भी बिजली घंटों गायब रहती है। यह स्थिति तो सरकार के सुधार करने के दावों के बाद की है। गुरुग्राम 'साइबर शहर' है। बहुत महंगा भी है। वहां भी अक्सर बिजली कटौती की जाती रही है। थोड़ी-सी बारिश होती है, तो सडक़ें 'तालाब' बन जाती हैं और बिजली गुल कर दी जाती है। क्या अब भी हम 'पाषाणकालीन तकनीक' के साथ जी रहे हैं? संकट और अभाव के मायने ये नहीं हैं कि पुलिस 'असंतुष्ट जमात' की लाशें ही बिछाती रहे।

देश दुनीया से

न्यूजीलैंड की पूर्व मंत्री से सबक सीखें

वैश्विक राजनीति में शुचिता और नैतिकता के उच्च मानदंड स्थापित करते हुए न्यूजीलैंड की न्याय मंत्री किरी एलन ने एक कार को टक्कर मारने के आरोप में अपने पद से इस्तीफा दे दिया। यह हादसा वेलिंग्टन में हुआ। इतना ही नहीं, घटना के बाद पुलिस ने मंत्री को हिरासत में ले लिया। स्वच्छता की राजनीति के सिक्के का एक उज्ज्वल पहलू न्यूजीलैंड में देखने को मिला। इस सिक्के का दूसरा काला पहलू भारत की राजनीति में देखा जा सकता है जहां जनप्रतिनिधियों पर हत्या, बलात्कार, लूट, डकैती और अपहरण जैसे संगीन मामले होने के बावजूद संसद और विधानसभाओं में जमे हुए हैं। देश में वर्तमान में कुल 4001 विधायक हैं जिनमें से 1777 यानी 44 फीसदी नेता हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे अपराधों में लिप्त रहे हैं। वहीं वर्तमान लोकसभा में भी 43 फीसदी सांसद आपराधिक मामलों में घिरे हैं। देशभर में माननीयों के खिलाफ कुल 5097 मुकदमे लंबित हैं। इनमें 40 फीसदी पांच साल से ज्यादा पुराने हैं। नौ साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि सांसदों-विधायकों के खिलाफ मामलों का निपटारा त्वरित गति से कर एक साल के अंदर निपटाया जाना है। यहां तक कहा गया था कि अगर निचली अदालतें ऐसा करने में असफल रहती हैं तो हाईकोर्ट के समक्ष स्पष्टीकरण देना होगा। इसके लिए विशेष अदालतों का भी प्रावधान हो गया। लेकिन स्थिति यह है कि वर्तमान में पांच हजार से ज्यादा ऐसे केस लंबित हैं और 40 फीसदी केस पांच साल से ज्यादा वक्त से लटके हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 10 अगस्त 2021 को सांसदों-विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मुकदमों की जल्द सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिया था कि इन विशेष अदालतों के जजों का ट्रांसफर सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के बगैर नहीं किया जाएगा। इसके बाद से हाई कोर्ट समय-समय पर अर्जी दाखिल करते हैं और प्रशासनिक आवश्यकता या अन्य आधार पर जज को ट्रांसफर करने की इजाजत मांगते हैं। इसे देखते हुए न्यायमित्र हंसारिया ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल 18वीं रिपोर्ट में 10 अगस्त 2021 के आदेश में संशोधन का सुझाव दिया था। न्यायमित्र की रिपोर्ट में एडीआर की जुलाई 2022 की रिपोर्ट के हवाले से कहा गया है कि लोकसभा के 44 फीसदी सांसद और राज्यसभा के 31 फीसदी सांसदों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे लंबित हैं। अपराधों के मामलों में सांसदों के साथ राज्यों के विधायक भी पीछे नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक शर्त के मुताबिक किसी भी नेता को विधायक बनने से पहले एक स्वघोषित हलफनामा फाइल करना होता है जिसमें उस पर कितने आपराधिक मामले दर्ज हो चुके हैं इसकी विस्तृत जानकारी दी जाती है। इसी हलफनामे के अनुसार भारत के कुल विधायकों में से 44 प्रतिशत विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं। देश में वर्तमान में कुल 4001 सिटिंग विधायक हैं जिसमें से 1777 यानी 44 फीसदी नेता हत्या, बलात्कार, अपहरण जैसे मामलों के आरोपों का सामना करना रहे हैं। नेताओं पर लगे कुछ आरोप तो मामूली या राजनीतिक हैं, लेकिन ज्यादातर विधायकों के खिलाफ हत्या की कोशिश, सरकारी अधिकारियों पर हमला और चोरी जैसे गंभीर आरोप हैं। सन् 2004 में जनप्रतिनिधियों पर आपराधिक मामलों की संख्या 22 फीसदी थी, जो कि अब दोगुनी हो गई है। ये आंकड़े बताते हैं कि राजनीति को अपराधमुक्त बनाने की लाखों कोशिशों के बावजूद ऐसे विधायकों, सांसदों की संख्या बढ़ती ही जा रही है जिनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। आपराधिक मामलों का सामना कर रहे इन 1777 नेताओं पर कोई छोटे-मोटे आरोप नही हैं।

भारतीय जनता पार्टी की भारत के 15 राज्यों में सरकारें हैं। इनमें बीजेपी बहुमत के साथ 6 राज्यों में और सहयोगी पार्टियों के साथ 9 राज्यों में सरकार चला रही है। इन राज्यों में बीजेपी में कुल 479 विधायक हैं, जिनमें से 337 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आपराधिक मामले वाले विधायकों की सूची में दूसरा स्थान कांग्रेस का है। कांग्रेस के 334 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 194 विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य पार्टियों में द्रविड़ मुनेत्र कडग़म (डीएमके), तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (पूर्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति), राष्ट्रीय जनता दल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माक्र्सवादी) और बीजू जनता दल शामिल हैं।

अमेरिका में गर्मी से हाल-बेहाल; हीट इमरजेंसी घोषित, लोगों को धूप में ना निकलने की सलाह दी गई

वॉशिंगटन।

अमेरिका में बढ़ते पारे के कारण लोगों को भीषण गर्मी और दमनकारी आर्द्रता से जूझना पड़ रहा है। मिडवेस्ट और ईस्ट कोस्ट पर एक अविश्वसनीय हीटवेव का असर दिखा है और इसके सप्ताहांत में जारी रहने की आशंका है। राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) ने कहा कि अमेरिका में 17 करोड़ से अधिक लोगों के लिए कम से कम शनिवार दोपहर तक अत्यधिक गर्मी की चेतावनी जारी की गई है। कई स्थानों पर दोपहर का हीट इंडेक्स रीडिंग 100 डिग्री फ़ारेनहाइट (38 डिग्री सेल्सियस) से ऊपर चला गया। शिकागो, न्यूयॉर्क और फिलाडेल्फिया सहित देश के कुछ सबसे बड़े शहरों में गर्मी से परेशान ऐसे लोगों के लिए सार्वजनिक पुस्तकालयों और सामुदायिक केंद्रों में कूलिंग सेंटर्स खोले गए हैं जो गर्म तापमान से बचने में असमर्थ हैं। बोस्टन शहर ने हीट इमरजेंसी घोषित करने के बाद अपनी वेबसाइट पर कहा, अत्यधिक गर्मी स्वास्थ्य के लिए खतरनाक और यहां तक कि घातक भी हो सकती है। अमेरिकी शहर के अधिकारी और पूर्वानुमानकर्ताओं ने आउटडोर गतिविधियों में काम करने या भाग लेने वालों, 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों, बच्चों और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोगों से गर्म मौसम में बाहर नहीं निकलने का आग्रह किया है क्योंकि इतनी गर्मी स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं है। एनडब्ल्यूएस ने कहा, बहुत सारे तरल पदार्थ पीएं, वातानुकूलित कमरे में रहें, धूप से बचें और रिश्तेदारों और पड़ोसियों का ख्याल रखें। फिलाडेल्फिया में, जहां हीट इंडेक्स 108 डिग्री फ़ारेनहाइट (42 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंच सकता है, अधिकारियों ने शुक्रवार और शनिवार को सार्वजनिक पूल और स्प्रे ग्राउंड के घंटों में इजाफा कर दिया है। न्यूयॉर्क शहर में जहां हीट इंडेक्स 103 डिग्री फ़ारेनहाइट (39 डिग्री सेल्सियस) तक पहुंचने का अनुमान था अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर एक सार्वजनिक सेवा घोषणा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें मालिकों से अपने पालतू जानवरों को अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रखने का आग्रह किया गया।

न्यूयॉर्क शहर के डिप्टी मेयर फिलिप बैंक्स ने शुक्रवार को एक सार्वजनिक सुरक्षा ब्रीफिंग के दौरान कहा, बाहर बहुत गर्मी है। इस तरह की अत्यधिक गर्मी खतरनाक हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

फ्रांसीसी राष्ट्रपति श्रीलंका की ऐतिहासिक यात्रा पर पहुंचे, द्विपक्षीय बैठक के बाद कही ये बात

कोलम्बो। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर श्रीलंका पहुंचे। इस दौरान मैक्रों ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की अध्यक्षता वाले श्रीलंका के प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय सहयोग और खुले व समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर चर्चा की। यह किसी फ्रांसीसी राष्ट्रपति की श्रीलंका की पहली यात्रा है। श्रीलंका के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान विक्रमसिंघे और मैक्रों के बीच दोस्ताना और सार्थक द्विपक्षीय वार्ता हुई जो एक घंटे 15 मिनट तक चली। बयान के अनुसार, यात्रा का मुख्य उद्देश्य श्रीलंका और फ्रांस के बीच राजनयिक संबंधों की 75 वीं वर्षगांठ के मौके पर मौजूदा संबंधों को बढ़ाना और नए स्तर पर ले जाना था। बयान में कहा गया है कि श्रीलंका के चौथे सबसे बड़े लेनदार के रूप में फ्रांस ने ऋण पुनर्गठन प्रक्रिया में अपनी सहायता का वादा किया, जिसका उद्देश्य देश के लिए सकारात्मक परिणाम लाना है। मैक्रों दक्षिण प्रशांत क्षेत्र की अपनी यात्रा के बाद 28 जुलाई की रात श्रीलंका पहुंचे थे। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने शनिवार को ट्वीट किया, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों का श्रीलंका की ऐतिहासिक यात्रा पर स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। हमारे प्रतिनिधिमंडलों के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने फ्रांस-श्रीलंका सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा की और अपने संबंधों को और मजबूत करने पर सहमत हुए।

भारतीय ग्रीन कार्ड आवेदकों को बड़ी राहत देने की तैयारी, अमेरिकी सांसदों ने बाइडन सरकार से की अपील

वॉशिंगटन। अमेरिका में सांसदों के एक समूह ने बाइडन सरकार से अपील की है कि वह भारतीय ग्रीन कार्ड आवेदकों के बैकलॉग को खत्म करने के लिए कार्यकारी कदम उठाए। बता दें कि साल 2020 में जिन भारतीय लोगों ने ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन किया है, उनका वेटिंग पीरियड 195 साल अमेरिकी सांसदों ने बाइडन सरकार को लिखा पत्र भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति और लैरी बुशॉन के नेतृत्व में 56 सांसदों के द्विदलीय समूह ने अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन और होमलैंड सिक्योरिटी के सचिव अलेजांद्रो मायरकोस को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज ने सरकार से अपील की है वह उच्च प्रशिक्षित ग्रीन कार्ड आवेदकों को राहत दे और नौकरी के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों की तारीखों को वर्तमान में प्रकाशित किया जाए। बता दें कि अमेरिका में बड़ी संख्या में ग्रीन कार्ड धारक नौकरी करते हैं, ऐसे में इतना लंबा बैकलॉग होने की वजह से अमेरिकी सरकार को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैकलॉग की वजह से अमेरिका को उच्च प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी से जूझना पड़ रहा है। अमेरिका को प्रौद्योगिकी की दुनिया में बढ़त दिलाने में ग्रीन कार्ड पर अमेरिका में काम करने वाले एसटीईएम कर्मचारियों की अहम भूमिका है।

बाइडन ने पहली बार कबूली बेटे हंटर की चार साल की बेटी होने की बात, बिना शादी के बने थे पिता

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर अपने बेटे हंटर की चार साल की बेटी नेवी के बारे में बात की। बता दें कि नेवी की मां लुंडेन रॉबर्ट्स से हंटर ने शादी नहीं की है। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि नेवी की मां, लुंडेन और हम साथ मिलकर ऐसे रिश्ते पर बातचीत कर रहे हैं, जो उनकी बेटी के हित में हो। बाइडन ने लोगों से उनकी निजता का सम्मान करने की भी अपील की। बाइडन ने कहा कि यह कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है बल्कि यह पारिवारिक मामला है। जिल और मैं बस वो चाहते हैं जो हमारे पोते-पोतियों के हित में हो, जिनमें नेवी भी शामिल है। बता दें कि लुंडेन रॉबर्ट्स ने चाइल्ड सपोर्ट के लिए हंटर के खिलाफ केस किया था। जिसके बाद हंटर का डीएनए टेस्ट किया गया, जिससे साबित हो गया कि नेवी के पिता राष्ट्रपति बाइडन के बेटे हंटर ही हैं। अब दोनों पक्ष चाइल्ड सपोर्ट के संबंध में बातचीत कर रहे हैं। हंटर ने साल 2021 में प्रकाशित अपनी एक किताब में बताया कि लुंडेन से मिलने के समय वह कोकीन का नशा करते थे। हंटर ने बताया कि उन्हें इस बारे में कुछ भी याद नहीं है लेकिन वह बच्ची की जिम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। बता दें कि मीडिया में काफी समय से हंटर की इस बेटी को लेकर चर्चाएं हैं लेकिन अभी तक बाइडन ने इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुई थी।

आर्टिकल 370 को लेकर भारत के खिलाफ धरने कराएगा पाकिस्तान

5 अगस्त के लिए तैयार की टूलकिट; तुर्किये में कश्मीर पर कराया सेमिनार

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान आर्टिकल 370 को लेकर भारत की दुनियाभर में छवि खराब करने की तैयारी कर रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर एक टूल किट जारी की है। इसमें पाक ने दुनिया के अलग-अलग देशों में अपने दूतावास और हाई कमिशन को 5 अगस्त को भारत के खिलाफ प्रदर्शन करने के निर्देश दिए हैं।

पाकिस्तान 5 अगस्त को यौम-ए-इस्तेशाल यानी शोषण के दिन के तौर पर मनाएगा। दरअसल, 5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने कानून लाकर जम्मू-कश्मीर को खास दर्जा देने वाले संविधान के आर्टिकल 370 को खत्म कर दिया था।

पाकिस्तान ने तुर्किये में कश्मीर पर कराया सेमिनार

आर्टिकल 370 हटाने के चार साल पूरे होने से पहले ही पाकिस्तान ने अपना प्रोपोगैंडा फैलाना शुरू कर दिया है। इसी महीने में पाकिस्तान ने तुर्किये में अपने दूतावास में कश्मीर पर एक सेमिनार कराया। इसे जम्मू कश्मीर विवाद, समाधान की खोज नाम दिया गया था। दरअसल, तुर्किये कश्मीर मामले में पाकिस्तान का समर्थन और भारत का विरोध करता है।

ऐसे में पाकिस्तान के लिए वहां इस तरह के आयोजन करना आसान है। इसी तरह का एक सेमिनार पाकिस्तान में भी कराया था। वहीं, पाक अधिकृत कश्मीर में एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन भी कराया जाएगा।

आर्टिकल 370 हटने के बाद और खराब हुए भारत-पाक संबंध

जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध बेहद खराब हो गए थे। उस वक्त पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान थे। उन्होंने कहा था कि जब तक जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 बहाल नहीं किया जाएगा, तब तक भारत से कोई बातचीत नहीं होगी।

इधर, भारत ने भी कहा कि जब तक आतंकियों पर कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक बातचीत का सवाल ही नहीं। तब से 4 चार साल बाद तक 5 अगस्त के दिन पाकिस्तान देशभर में भारत के खिलाफ धरने और प्रदर्शन कराता है। यहां तक की पाकिस्तान के नेता जब दूसरे देशों में जाते हैं तो वो भी कश्मीर के मुद्दे पर भारत को कोसने का मौका ढूंढ लेते हैं।

पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ ने साल की शुरुआत में भारत से बातचीत की गुहार लगाई और फिर आर्टिकल 370 का बहाना लेकर पलट गए। शाहबाज ने अल अरेबिया में कहा, भारतीय लीडरशिप और प्रधानमंत्री मोदी को मेरा संदेश है कि आइए मेज पर बैठते हैं और हमारे बीच के कश्मीर जैसे मसलों पर समझदारी से बात करते हैं।

इसके बाद पाक पीएमओ ने अपने बयान में कहा था - प्रधानमंत्री की बात को गलत तरीके से लिया गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भारत से बातचीत सिर्फ तभी हो सकती है जब वो कश्मीर में 5 अगस्त 2019 का स्टेटस बहाल करे। आर्टिकल 370 और धारा 35ए को बहाल करना होगा।

बुजुर्गों के साथ जालसाजी करने वाले भारतीय मूल के व्यक्ति को हुई सजा

लंदन।

ब्रिटेन में एक भारतीय मूल के व्यक्ति को जालसाजी के आरोप में जेल हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार वह पुलिसकर्मी और बैंक कर्मचारी बनकर बुजुर्ग पीड़ितों से मिला था, उसे 2 लाख 60 हजार पाउंड से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में आठ साल जेल की सजा सुनाई गई है। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि किशन भट्ट को नवंबर 2022 में दोषी ठहराए जाने के बाद धोखाधड़ी के नौ मामले में स्नारेसब्रुक क्राउन कोर्ट में सजा सुनाई गई। सितंबर 2020 और मई 2022 के बीच, भट्ट ने नौ पीड़ितों को निशाना बनाया, जिनकी उम्र 29 से 90 वर्ष के बीच थी। भट्ट ने बैंक कर्मचारी, मकान मालिक और पुलिस अधिकारी के रूप में लोगों को निशाना बनाया। जानकारी के अनुसार एक बार जब उसने उनका विश्वास हासिल कर लिया, तो उसने उनके खातों से पैसे ट्रांसफर कर दिए। 6 अक्टूबर से 2 दिसंबर, 2021 के बीच, भट्ट ने 147,000 पाउंड का लाभ कमाने के लिए एक पुलिस अधिकारी और बैंक कर्मचारी के रूप में खुद को पेश किया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस स्पेशलिस्ट क्राइम की आर्थिक अपराध टीम के जासूसों ने 2022 में कोलचेस्टर में 90 वर्षीय पीड़िता से उसके घर के पते पर मुलाकात की। पुलिस ने कहा कि साल की शुरुआत में एक व्यक्ति ने उससे संपर्क किया था, जिसने खुद को एक पुलिस अधिकारी बताया और कहा कि उन्होंने उसके बैंक कार्ड के साथ एक शख्स को गिरफ्तार किया है। फोन करने वाले ने कहा कि उसे अपने पैसे की सुरक्षा करने की जरूरत है, ऐसा करने के लिए उसे सोने और आभूषणों में निवेश करने की जरूरत है, क्योंकि धोखेबाज इस तरह से उन तक नहीं पहुंच पाएंगे। उन्हें दो सप्ताह की अवधि में 90 हजार पाउंड से अधिक की महंगी घड़ियां खरीदने को प्रेरित किया। फिर भट्ट के साथी, आर्टिओम किसेलोव, कई अवसरों पर इन्हें इकट्ठा करने के लिए उनके घर आए। फिर भट्ट और किसेलियोव उसे सोना खरीदने के प्रयास में हैटन गार्डन ले गए। मामले की शिकायत पर जासूसों ने जांच शुरू की और उस वाहन की पहचान की, जिसका इस्तेमाल भट्ट और किसेलियोव ने पीड़ित को ज्वैलर्स तक पहुंचाने के लिए किया था। पुलिस को आगे की पूछताछ में भट्ट एक फोन नंबर प्राप्त हुआ, जिसका इस्तेमाल वह उपनाम के तहत कर रहा था। वाहन का पता लगाने वाले जासूसों को एक पेट्रोल स्टेशन पर एक रसीद मिली, इसमें किसेलियोव को कॉफी खरीदते हुए पहचाना गया। किसेलियोव का पता लगा लिया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। धोखाधड़ी के एक मामले में उसे दोषी ठहराए जाने पर 4 अप्रैल, 2022 को किंग्स्टन क्राउन कोर्ट में उसे चार साल से अधिक जेल की सजा सुनाई गई थी।

ब्रिटेन में भेदभाव; 150 भारतीय फेल किए, सभी श्वेत पास: फीस के 15 करोड़ रुपए जमा कर चुके, आरोप- कॉपी को जांचने वाले अंग्रेज थे

लंदन।

एमटेक की फीस के तौर पर भारतीय छात्र मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी को अब तक 15 करोड़ जमा कर चुके हैं। लेस्टर से सांसद रहे भारतवंशी कीथ वाज ने बताया कि उन्होंने इस मुद्दे को मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी प्रशासन के सामने उठाया है। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक भारतीय छात्रा ने बताया कि स्टूडेंट्स ने सीएमए को शिकायत की थी। सीएमए ने यूनिवर्सिटी के कदम को गलत बताया। मॉन्टफोर्ट की यूनिवर्सिटी ने भारतीय छात्रों को सबक सिखाने के लिए फेल किया। आरोप है कि कॉपी जांचने वाले अंग्रेज थे, उन्होंने गुस्सा उतारने के लिए ऐसा किया। ब्रिटेन में नस्लीय भेदभाव का एक बड़ा मामला सामने आया है। ब्रिटेन के लेस्टर की ड मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी में एमटेक कर रहे सभी 150 भारतीय छात्रों को एक पेपर में फेल कर दिया गया। कोर्स में शामिल 200 में से पास होने वाले सभी 50 श्वेत हैं। मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी ने इस पेपर को ही खत्म कर दूसरे पेपर के साथ मिला दिया है। फेल होने वाले छात्र पेपर दोबारा नहीं दे पाएंगे।

भारतीय छात्रों को वापस लौटने का डर

परीक्षा में फेल होने के कारण इन छात्रों पर भारत लौटने का खतरा पैदा हो गया है। ये सभी छात्र भारत से बीटेक पास करने के बाद ब्रिटेन पहुंचे थे। एमटेक के छात्र सुरेश कार्तिक ने बताया कि एडमिशन के समय अपने विज्ञापन में यूनिवर्सिटी ने इस पेपर को वैकल्पिक बताया था। छात्र जब यहां पढ़ने लगे तो इसे अनिवार्य पेपर बताया गया। कुछ छात्रों ने इसकी शिकायत ब्रिटेन के (कॉम्पिटीशन एंड मार्केट अथॉरिटी) से की। मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी के कदम को गलत माना, लेकिन, यूनिवर्सिटी ने पेपर को ड्रॉप नहीं किया। पूरे सत्र के दौरान इस पेपर को पढ़ाने के लिए प्रोफेसर भी नियुक्त नहीं किए। भारतीय स्टूडेंट्स की ओर से शिकायत करने पर इस मामले की जांच के लिए मॉन्टफोर्ट ने एक स्वतंत्र नियामक का गठन किया है, लेकिन छात्रों का कहना है कि इसकी जांच रिपोर्ट तीन-चार महीने में आएगी।

अरबपति सोशल मीडिया सेलेब्रिटी का टुकड़ों में कटा शव बरामद, एक हफ्ते से थे लापता

ब्यूनस आयर्स।

बीते कई दिनों से लापता चल रहे सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और अरबपति क्रिप्टो कारोबारी फर्नांडो पेरेज अलगाबा का क्षत-विक्षिप्त शव बरामद हुआ है। अलगाबा का शव बुधवार को एक नाले के नजदीक लाल रंग के सूटकेस से बरामद हुआ। अलगाबा के शव के कई टुकड़े किए हुए थे, जिन्हें पुलिस ने बरामद कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अलगाबा कुछ दिन पहले ही अपने देश अर्जेंटीना आए थे और राजधानी ब्यूनस आयर्स में ठहरे हुए थे।

सूटकेस में मिला क्षत-विक्षिप्त शव

अलगाबा बीती 19 जुलाई को लापता हुए थे। कुछ बच्चे खेल रहे थे तो उन्हें नाले के नजदीक एक लाल रंग का सूटकेस दिखाई दिया। जब बच्चों ने इसे खोला तो इसमें शरीर के कई अंग थे। बच्चों के माता-पिता ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सूटकेस को खोला और उसमें से अलगाबा के शरीर के अंग बरामद किए। पुलिस को सूटकेस में अलगाबा के पैर और बाजू मिले। वहीं एक बाजू नाले से बरामद किया गया। तलाश करने पर अलगाबा का सिर और धड़ भी बरामद कर लिया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोशल मीडिया सेलेब्रिटी अलगाबा के शव को टुकड़ों में काटने से पहले गोली मारकर उसकी हत्या की गई थी।

टैटू से हुई पहचान

पुलिस ने फिंगरप्रिंट्स और शरीर पर बने टैटू की मदद से अलगाबा के शव की पहचान की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फर्नांडो पेरेज अलगाबा स्पेन के शहर बार्सिलोना में रहता था। लग्जरी वाहनों को किराए पर देकर और क्रिप्टोकरेंसी बेचकर अलगाबा ने काफी पैसा कमाया था। अलगाबा सोशल मीडिया पर भी अपनी लग्जरी लाइफ की झलक दिखाते रहते थे, जहां उन्हें फॉलो करने वाले यूजर्स की संख्या दस लाख से भी ज्यादा थी। अलगाबा एक हफ्ते पहले ही ब्यूनस आयर्स आए थे।

कर्ज के चलते हत्या की आशंका

अलगाबा ब्यूनस आयर्स में एक फ्लैट में किराए पर रह रहे थे और उन्हें 19 जुलाई को फ्लैट छोड़ना था लेकिन उसी दिन अलगाबा गायब हो गए। इसके बाद फ्लैट के मालिक ने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और जांच में जुटी है। माना जा रहा है कि कर्ज के चलते अलगाबा की हत्या हुई है।

ताइवान को 28 हजार करोड़ का मिलिट्री पैकेज देगा अमेरिका

इसमें एयर डिफेंस और सर्विलांस सिस्टम शामिल; चीन बोला- इलाके में तनाव बढ़ाना बंद करो

वॉशिंगटन।

अमेरिका ने ताइवान के लिए 28 हजार करोड़ रुपए के मिलिट्री पैकेज की घोषणा की है। इस पैकेज में हथियार, मिलिट्री एजुकेशन और ट्रेनिंग भी शामिल है। अमेरिका ने इसकी घोषणा शुक्रवार को की है। व्हाइट हाउस ने ये नहीं बताया कि वो कौन से हथियार ताइवान को दे रहा है। हालांकि, कुछ अधिकारियों ने अमेरिकी मीडिया आउटलेट्स को बताया है कि पैकेज में पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम, पिस्टल, राइफल और दुश्मन पर नजर रखने के लिए जरूरी उपकरण भी शामिल हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि इस पैकेज से ताइवान भविष्य में उस पर होने वाले हमलों का जवाब देने के लिए तैयार रह पाएगा।

ताइवान में तनाव न बढ़ाएं

अमेरिका के मिलिट्री पैकेज ने चीन को भड़का दिया है। वॉशिंगटन में चीन के दूतावास की प्रवक्ता ने कहा है अमेरिका इन हरकतों से ताइवान इलाके में तनाव बढ़ाना चाहता है। उन्हें ताइवान को हथियार बेचना तुरंत बंद करना चाहिए। दरअसल, अमेरिका जो हथियार ताइवान को दे रहा है, वो अलग से तैयार नहीं किए जा रहे हैं। ये हथियार खुद अमेरिका के रिजर्व से निकाल कर दिए जा रहे हैं। इससे ताइवान को उनकी डिलीवरी जल्द ही मिल जाएगी। अमेरिकी संसद ने राष्ट्रपति बाइडेन को ये अधिकार दिए हैं कि वो अपने रिजर्व से ताइवान को हथियार दे सकते हैं। अमेरिका इसी तरह से यूक्रेन की भी मदद कर रहा है। पेंटागन की डिप्टी डिफेंस सेक्रेटरी के मुताबिक यूक्रेन जंग से सबक लेकर अमेरिका हमले से पहले ही ताइवान को हथियार सप्लाई कर रहा है। उनका कहना है कि ताइवान के द्वीप होने की वजह से एक बार हमला शुरू होने के बाद अमेरिका को वहां तक हथियार पहुंचाने में परेशानी होगी।

चीन ने ताइवान को घेरकर 3 दिन ड्रिल की

ताइवान को लेकर चीन की नीति काफी सख्त है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि साल की शुरुआत में ताइवान की राष्ट्रपति की अमेरिका विजिट से नाराज होकर चीन ने युद्ध अभ्यास शुरू कर दिया था। चीन का युद्धाभ्यास 3 दिनों तक जारी रहा था। ड्रिल के दौरान चीन ने ताइवान को 71 फाइटर जेट्स और 45 वॉर प्लेन से घेर लिया था। इस पूरे ऑपरेशन को जॉइंट सोर्ड नाम दिया गया था।

अमेरिका-चीन के रिश्तों में ताइवान सबसे बड़ा फ्लैश प्वाइंट

अमेरिका ने 1979 में चीन के साथ रिश्ते बहाल किए और ताइवान के साथ अपने डिप्लोमैटिक रिश्ते तोड़ लिए। हालांकि, चीन के ऐतराज के बावजूद अमेरिका ताइवान को हथियारों की सप्लाई करता रहा। अमेरिका भी दशकों से वन चाइना पॉलिसी का समर्थन करता है, लेकिन ताइवान के मुद्दे पर अस्पष्ट नीति अपनाता है।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने फिलहाल इस पॉलिसी से बाहर जाते दिख रहे हैं। उन्होंने कई मौकों पर कहा है कि अगर ताइवान पर चीन हमला करता है तो अमेरिका उसके बचाव में उतरेगा।

भाजपा एक अगस्त को जयपुर में करेगी बड़ा आंदोलन

तैयारी में जुटी पार्टी, कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

बीकानेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के नही सहेगा राजस्थान अभियान को लेकर बीकानेर शहर में तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। जिला पधाधिकारियों, मंडल, मोर्चा शक्ति केंद्र स्तर पर जनसंपर्क कर कांग्रेस सरकार का फेल कार्ड वितरण करने के साथ एक अगस्त को जयपुर में होने वाले महाआंदोलन में चलने का निमंत्रण भी दिया जा रहा है। भाजपा शहर जिलाध्यक्ष विजय आचार्य ने बताया कि आने वाली एक अगस्त को पार्टी द्वारा बड़ा आंदोलन जयपुर में किया जा रहा है, जिसमें अधिक से अधिक संख्या के पहुंचने का आमजन से आग्रह किया जा रहा है इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जा रही है, जिससे कार्यकर्ताओं को पहुंचने में आसानी हो साथ ही लाखों की तादाद में राजस्थान भर से कार्यकर्ता जयपुर में पहुंचेंगे और सोई हुई कांग्रेस को उखाड़ फेंकने के लिए संकल्प लेंगे। अभियान के संयोजक मोहन सुराणा ने कहा कांग्रेस के शासन में पूरा राजस्थान की जनता त्रस्त है, जिसमें युवा, महिला, किसान, व्यापारी इस सरकार से परेशान है। राजस्थान की जनता मन बना चुकी है आने वाले चुनाव में राजस्थान से कांग्रेस का सफाया हो जाएगा।

सहसंयोजक नरेश नायक व श्याम सुंदर चौधरी ने बताया इस महाआंदोलन में भाग लेने बीकानेर शहर से बसों व चार पहिया वाहनों से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व आमजन जयपुर पहुंचेंगे।

शहरी प्रॉपर्टी आईडी में अब तक साढ़े पांच लाख मिली शिकायतें

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के विपक्षी दल कांग्रेस के राज्य में प्रापर्टी आईडी को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बीच सरकार ने इस पर अपनी रिपोर्ट जारी कर दी है। सरकार का दावा है कि विपक्ष ने कुछ दस्तावेजों के माध्यम से प्रदेश के लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया है। हरियाणा सरकार ने शहरी क्षेत्रों के लिए 47 लाख 47 हज़ार 333 प्रॉपर्टी आईडी तैयार करके शहरी स्थानीय निकाय विभाग की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। अपनी प्रॉपर्टी आईडी की जांच करने के लिए बाद में लोगों को अवसर दिया गया और आपत्तियां मांगी गई। अब तक पांच लाख 46 हजार 461 आपत्तियां दर्ज की जा चुकी हैं, जिसमें से दो लाख 24 हजार 300 आपत्तियों को ठीक कर दिया गया। कई आपत्तियां अनावश्यक भी पाई गई, उनको रद्द कर दिया गया और सही पाई गई 54 हजार 960 आपत्तियों को ठीक करने के लिए संबंधित नगर निगम, नगर परिषद व नगरपालिकाओं के पास भेजे गए हैं।

पंजाब कैबिनेट ने माडल फेयर प्राइस शॉपस के प्रस्ताव को मंजूरी दी

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब कैबिनेट ने शनिवार को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट (एनएफएसए) के तहत माडल फेयर प्राइस शॉपस के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री दफ्तर के प्रवक्ता ने बताया कि कैबिनेट ने लाभार्थियों के घरों में पैकेज्ड आटा, पैकेज्ड गेंहू के वितरण के लिए संशोधित विधि को भी मंजूरी दे दी। लाभार्थी के लिए पैकेज्ड आटा, पैकेज्ड गेंहू प्राप्त करने का यह ज्यादा सम्मानजनक ढंग होगा, क्योंकि लाभार्थी को खास तौर पर खराब मौसम के हालात में लम्बी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रहेगी। होम डिलीवरी सेवा राज्य की शीर्ष सहकारी सभा *दी पंजाब स्टेट कोआपरेटिव सप्लाई एंड मार्किटिंग फेडरेशन लिमिटिड* की तरफ से चलाई जाएगी। उपभोक्ताओं को कम दरों पर रेत और बजरी मुहैया करने के लिए करशर नीति 2023 को हरी झंडी उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर रेत और बजरी मुहैया करने और इसकी स्पलाई को सुचारू बनाई रखने के लिए कैबिनेट ने पंजाब करशर नीति 2023 को भी मंजूरी दी है। इस नीति के अंतर्गत करशर यूनिटों की दो मुख्य श्रेणियों कमर्शियल करशर यूनिट (सीसीयू) और पब्लिक करशर यूनिट (पीसीयू) होंगी। वाशिंग प्लांट भी करशर यूनिट की श्रेणी में आएंगे। सरकार समय-समय पर करशर बिक्री मूल्य निर्धारित करेगी और कोई भी करशर यूनिट इससे अधिक मूल्य पर खनिज की बिक्री नहीं करेगी।

डिजिटलाइजेशन में लिपिकों की भूमिका को नजरंदाज कर रही सरकार : जितेंद्र श्योराण

हिसार (हिंस)। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी (सीएडब्ल्यूएस) के जिला प्रधान जितेंद्र श्योराण ने कहा कि सरकार डिजिटलाइजेशन में लिपिकों की भूमिका को नजरंदाज कर रही है। सरकार की योजनाओं को सिरे चढ़ाने में लिपिक वर्ग की अहम भूमिका है। जितेंद्र श्योराण शनिवार को आंदोलन के 25वें दिन धरने व भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा डायरी डिस्पैच और रिकार्ड कीपिंग के कार्य के लिए एक लिपिक का 19900 वेतनमान निर्धारित किया हुआ है। वर्तमान में हरियाणा डिजिटलाइजेशन में देश में प्रथम स्थान पर है। सरकार ने अनेक डिजिटल स्कीम शुरू की हुई हैं, जिनको चलाने का कार्य लिपिक वर्ग कर रहा है। सभी तरह के ऑनलाइन कार्य के लिए हमारा हक 35400 बनता है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार हिमाचल प्रदेश व पंजाब की सरकारों से तुलना कर रही है। वहां दो साल के बाद यह वेतनमान दिया जाता है। वार्षिक वृद्धि के लिए लिपिक को हारट्रोन का एससीटीसी पेपर पास करना होता है जो कि बीसीए, एमसीए, एमएससी कम्प्यूटर के लेवल का होता है।

ग्रामीण बोले...प्रशासन ने शहर को तो बचा लिया, अब किसानों को भी बचा ले...

फतेहाबाद (हिंस)। शहर के साथ लगते गांवों के खेतों से धीरे-धीरे बाढ़ के पानी का लेवल कम होता जा रहा है। जहां-जहां खेतों से बाढ़ का पानी उतर रहा है, वहां किसानों ने दोबारा फसल बिजाई की भी तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को घग्घर और रंगोई नाले में भी पानी के बहाव में कमी दर्ज की गई। गुहला चीका में घग्घर में पानी का बहाव 40850 क्यूसिक, खनौरी में 11900 क्यूसिक व चांदपुरा में 12100 क्यूसिक दर्ज किया गया। इसके अलावा रंगोई नाले में भी पानी कम होकर 2400 क्यूसिक तक आ गया है। शहर के साथ लगते गांवों के किसानों ने शनिवार को जिला प्रशासन से उनके खेतों व ढाणियों के बाहर भरे पानी की पंप सैट लगाकर निकासी करवाने की मांग की है। रतिया रोड पर प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से गुहार लगाई कि फतेहाबाद शहर को तो प्रशासन ने

बाढ़ से बचा लिया, अब प्रशासन किसानों को भी बचाने के लिए प्रयास तेज करे। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने फतेहाबाद शहर को बाढ़ से बचाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा दिया, जिस कारण बाढ़ का सारा पानी शहर के आसपास लगते गांवों के खेतों और ढाणियों के बाहर 5 से 7 फुट तक पानी खड़ा है। खेतों में भरे पानी की निकासी का प्रबंध करने की बजाए शहर के डिस्पोजल का सारा गंदा पानी भी उनके खेतों में छोड़ा जा रहा है, जिससे गांवों व ढाणियों में रहने वाले लोग परेशान हैं और बीमारियां फैलने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि घरों व खेतों में जमा गंदे पानी के कारण अनेक गांवों के लोग घर छोड़कर शहर में अनाज मंडी व धर्मशालाओं में शरण लिए हुए हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ से जान-माल को बचाने के लिए काफी सराहनीय प्रयास किए गए हैं। अब वह जिला प्रशासन से मांग करते हैं कि प्रशासन अब खेतों में पंप सैट लगाकर उनके खेतों व ढाणियों के बाहर खड़े पानी की निकासी करवाए ताकि वह दोबारा से सामान्य जीवन जी सकें। साथ ही किसानों ने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने जल्द उनकी सुध नहीं ली तो उन्हें आंदोलन का सहारा लेना पड़ेगा।

कांग्रेस और आआपा कर रही झूठ की राजनीति : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। आपदा में भी जो प्रदेश के साथ मजाक करते है। फिर वे कैसे प्रदेश के हित की बात करते है। बाढ़ आने पर जो बयानबाजी आम आदमी पार्टी ने की है उससे पता लगता है कि वो कितने गम्भीर है। यह कहना था स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल गुर्जर का जो शनिवार को अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस केवल सत्ता की लालसा के लिए जनता को बहकाने का काम करती है। प्रदेश में तीन नेता अलग कांग्रेस चला रहे है और हर एक

अलग नेता की एक अलग कांग्रेस है। इनका केवल एक मात्र उद्देश्य विधायक और सांसद बनना है। जनता के हितों से इनका कोई लेना देना नही है। वहीं इनैलो के सवाल पर उन्होंने कहा कि उस पार्टी का जमीनी स्तर पर अब कोई जनाधार नही है। उन्होंने कहा कि ये दोनों दल केवल और केवल झूठ की राजनीति करते है। कांग्रेस सरकार ने किस तरह से प्रदेश की जनता के साथ भेदभाव किया। किसानों के साथ भी मुआवजे के नाम पर एक रुपए 2 रुपए और 6 रुपए के चेक देकर मजाक किया गया। लेकिन मौजूदा सरकार किसानों के साथ खड़ी है। कांग्रेस के समय कुछ खास जगह पर ही विकास में काम करवाए जाते थे। वही उन्होंने आआपा पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ तो हरियाणा के हित की बात करते है वही दूसरी तरह आपदा के समय जब बाढ़ आई हुई है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान एसवाईएल का पानी हरियाणा को देने की बात कह कर पूरे प्रदेश की जनता के साथ मजाक कर रहे है। समान नागरिक संहिता पर स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि इसके लागू होने पर सबको फायदा होगा।

संवाद से सरकार और संस्थाओं के बीच बढ़ेगा समन्वय : शिक्षा मंत्री कल्ला

बीकानेर (हिंस)। स्वैच्छिक क्षेत्र विकास केंद्र का प्रशासन और स्वयंसेवी संस्थाओं के बीच दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम शनिवार को रविंद्र रंगमंच पर प्रारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले एनजीओ तथा राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में यह संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से एनजीओ की व्यवहारिक समस्याओं की जानकारी राज्य सरकार तक पहुंचेगी। वहीं सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों से एनजीओ अवगत हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि सकारात्मक उद्देश्य के साथ कार्य करने वाले एनजीओ को जनसेवा के बेहतर अवसर दिए जाएंगे। वहीं इससे व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पहल पर स्वैच्छिक क्षेत्र सेवा केंद्र की स्थापना हुई है। केंद्र द्वारा सतत रूप से द्विपक्षीय संवाद किया जा रहा है। उन्होंने एनजीओ के प्रतिनिधियों का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने में स्वयंसेवी संस्थाएं अपना सहयोग करें।

एसई के चेहरे पर स्याही लगाने पर युवा मोर्चा के अध्यक्ष खिलाफ मामला दर्ज

धौलपुर (हिंस)। धौलपुर में बिजली कटौती के विरोध में दो दिन पूर्व हुए भाजपा के विरोध प्रदर्शन में बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता के चेहरे पर स्याही लगाने के आरोप में भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष और तीन भाजपा पदाधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता द्वारा कोतवाली में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में चेहरे पर स्याही लगाने, धक्का मुक्की, हमले एवं राजकार्य में बाधा पहुंचाने के आरोप लगाए गए हैं। इस संबंध में कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धौलपुर में पदस्थापित बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता बीएस गुप्ता ने कोतवाली में दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि 27 जुलाई को दोपहर करीब 3 बजे करौली-धौलपुर सांसद मनोज राजोरिया एवं भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा मचकुण्ड चौराहे पर स्थित अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के बाहर उपस्थित होकर बिजली कटौती एवं समस्याओं के लिए प्रदर्शन किया जा रहा था। इस प्रदर्शन में करीब दो सौ महिला एवं पुरुष उपस्थित थे। भाजपा पदाधिकारियों द्वारा उसी दौरान मुझे कार्यालय के बाहर वार्तालाप के लिए बुलाया गया था। वार्ता के दौरान वहां उपस्थित भाजपा पदाधिकारी भूपेन्द्र घुरैया द्वारा अचानक आवेशित होकर मेरे साथ अभद्रता, धक्का मुक्की एवं हमला करते हुए मुंह पर स्याही लगायी गई। इस घटना में इनका साथ भाजपा नेता जयवीर पोसवाल एवं कमल पहाड़िया व अन्य लोगों द्वारा दिया गया। उक्त घटना के समय विभागीय अधिकारी अधिशाषी अभियंता रूपसिंह गुर्जर, सहायक अभियंता प्रवेन्द्र सिंह तथा राजस्व अधिकारी गणेश झा सहित अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे। साथ ही मौके पर पुलिस बल मौजूद था। बाद में मौके पर मौजूद पुलिस बल व विभागीय कर्मचारियों द्वारा बीच बचाव करते हुए मुझे अलग कर दिया गया तथा उक्त आरोपित मौके का फायदा उठाकर भाग गए। एसई गुप्ता द्वारा कराई एफआईआर में तीनों भाजपा पदाधिकारियों के विरुद्ध आईपीसी की धारा 143, 332, 353, 504 में मामला दर्ज कर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। बताते चलें कि दो दिन पूर्व 27 जुलाई को भाजपा की ओर से जिले में बिजली की कटौती के संबंध में बिजली निगम कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया था। इसी दौरान बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता बीएस गुप्ता को वार्ता के लिए बुलाकर यह अभद्रता की गई।

नार्को-आतंकवाद मामले में चार स्थानों पर एसआईए की छापेमारी

पुंछ (हिंस)। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने शनिवार को पुंछ जिले में नार्को-आतंकवाद मामले में मंडी तहसील में चार स्थानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती जिले की मंडी तहसील में चार स्थानों पर छापेमारी अभी भी जारी है। उन्होंने कहा कि मामला सथरा के दन्ना डोयियान इलाके के निवासी कुख्यात ड्रग तस्कर रफीक लाला से संबंधित है, जिसे इस साल की शुरुआत में सार्वजनिक सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। एसआईए ने सीमा पार उसके संबंधों के बारे में पूछताछ के लिए 1 जुलाई को उसकी रिमांड ली थी।

अब चोरी के मोबाइल को खुद कर सकते हैं ब्लाक

चंडीगढ़ (हिंस)। अगर आपका फोन गुम या चोरी हो गया है तो आपको घबराने की जरूरत नहीं है। अब आप अपने चोरी या गुम हुए मोबाइल को तुरंत ब्लॉक करा सकते हैं। भारत सरकार ने फोन की चोरी की रिपोर्ट के लिए सीईआईआर पोर्टल लांच किया है। हरियाणा के सभी जिलों में इस पोर्टल के लिए अलग से डेस्क बनाए जाएंगे। प्रदेश के साइबर सेल व सीसीटीएनएस अधिकारियों के लिए स्टेट क्राइम ब्रांच मुख्यालय पर भारतीय दूरसंचार अधिकारियों ने शनिवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पर मोबाइल चोरी या गुम होने संबंधी शिकायत दर्ज करवाने के तरीके और जांच संस्था किस प्रकार इस पोर्टल का उपयोग कर सकती है आदि की पूरी जानकारी दी गई। पोर्टल के माध्यम से उपभोक्ता अपने मोबाइल को तुरंत ब्लॉक करा सकते हैं ताकि फोन से आपका डेटा और निजी जानकारी का कोई गलत फायदा न उठा सके। पोर्टल पर घर बैठकर ही शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। इस अवसर पर हरियाणा के एडीजीपी क्राइम ओपी सिंह ने कहा कि वर्कशॉप में प्रदेश के सभी सीसीटीएनएस अधिकारियों व साइबर सेल अधिकारियों ने भाग लिया। एडीजीपी ने बताया कि आम जनता को इस टेक्नोलॉजी के बारे में कम जानकारी है। इसके लिए प्रत्येक जिले में एक सीईआईआर डेस्क की स्थापना की जाएगी ताकि किसी को परेशानी न हो। इसके अलावा मुख्यालय की तरफ से सभी जिलों को निर्देश जारी किए जाएंगे कि अब गुम या चोरी हो चुके मोबाइल फोन का डेटा पोर्टल पर अपलोड किया जाए।

मोहर्रम पर अलवर शहर में निकला ताजिये का जुलूस

सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिस रही तैनात

अलवर (हिंस)। मुस्लिम समाज की ओर से शनिवार को मोहर्रम पर शहर में ताजिया निकाले गए। ताजिए का जुलूस रोड नंबर 2 स्थित मेव बोर्डिंग से शुरू हुआ। मंत्री टीकाराम जूली सहित अन्य लोगों ने जुलूस की शुरुआत की। शुक्रवार की शाम बरसात होने के कारण ताजिए नगली सर्किल से में बोर्डिंग नहीं लाया जा सका। शनिवार की सुबह ताजिए को नंगली सर्किल से प्रशासन की मौजूदगी में मेव बोर्डिंग लाया गया। मोहर्रम के महीने में इमाम हुसैन की शहादत की याद में ताजिए का जुलूस निकाला जाता है और शोक मनाया जाता है। मेव पंचायत के संरक्षक शेर मोहम्मद ने बताया कि मेव बोर्डिंग से जुलूस शुरू हुआ। ताजिया का जुलूस भगत सिंह सर्किल, अंबेडकर चौराहा होते हुए जेल चौराहे पर कर्बला मैदान में पहुंचा। यहां ताजिए दफन किए गए। मोहर्रम के जुलूस के दौरान जिले के अलग-अलग भागों से पैंत और अखाड़े भी शामिल हुए। मोहरम को देखते हुए डीएम पुखराज सेन ने कार्यपालक मजिस्ट्रेट सभी क्षेत्रों में नियुक्त किए हैं। सभी क्षेत्रों में एसडीएम व तहसीलदारों को यह जिम्मेदारी दी गई है। एडीएम शहर को ओवरऑल मजिस्ट्रेट तैनात किया गया है। वही इस दौरान पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था रही है।

माता-पिता बच्चों को प्राचीन संस्कृति का ज्ञान दें : बंडारू दत्तात्रेय

राज्यपाल ने भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र का किया शिलान्यास

गुरुग्राम (हिंस)। सभी अभिभावक अपने बच्चों को हमारी प्राचीन संस्कृति के ज्ञान के साथ-साथ प्राचीन वैज्ञानिक उपलब्धियों एवं आधुनिक काल में प्राप्त उपलब्धियों के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान करें, ताकि देश के भावी कर्णधारों को सही राह चुनने में उनका सहयोग करें। यह बात हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कही। वे शनिवार को सेक्टर-9ए में इंटरनेशनल भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के शिलान्यास व त्रिदिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। दिव्य परिवार सोसाइटी एवं चाणक्य वार्ता परिवार द्वारा यह केंद्र स्थापित किया जा रहा है। राज्यपाल दत्तात्रेय ने भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र का शिलान्यास करने उपरांत अपने संबोधन में कहा कि हरियाणा सरकार ने प्रदेश में साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अनेकों कारगर कदम उठाएं हैं। इस दिशा में हरियाणा का कला एवं सांस्कृतिक विभाग, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, खेल एवं युवा

कल्याण विभाग, अनेकों साहित्य अकादमी, हरियाणा के नगर निगमों सहित प्रदेश सरकार के अनेकों विभाग देश और प्रदेश के साहित्य, कला एवं संस्कृति का संरक्षण और बढ़ावा देने के लिए दिन रात प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा सेक्टर-53 में 209 करोड़ रुपए की लागत से पांच एकड़ जमीन पर बेहतरीन कला एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण करवाने जा रही है, जोकि हमारी महान एवं प्राचीन संस्कृति को संजोने की दिशा मे एक सफल प्रयास हैं। राज्यपाल ने कहा कि भारत का इतिहास साहित्य, भाषा, कला, संगीत, नृत्य, संस्कृति, स्थापत्यकला, वास्तुकला, मूर्तिकला, चित्रकला के मामले मे प्राचीन एवं अत्यंत गौरवशाली रहा है। जिसको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक पटल पर एक नई पहचान मिल रही है। राज्यपाल ने कार्यक्रम में हरियाणा के साहित्य, लोक कला तथा सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़ी विभूतियों के साक्षात्कार पर आधारित ओपी पाल की पुस्तक प्रतिबिम्ब का विमोचन करने के साथ साथ साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले साहित्यकारों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि एवं हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति व भारतीय विचारों को जीवंत करने व इसे और अधिक प्रभावी बनाने में यह सांस्कृतिक केंद्र एक सार्थक भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष डॉ. योगेन्द्र नारायण, दिव्य परिवार सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. अमित जैन, अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त सचिव डॉ. सुरेंद्र जैन, नगालैंड से राज्यसभा सांसद फांगनोन कोन्याक, भारत अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक केंद्र के संरक्षक लक्ष्मी नारायण भल्ला, डॉ. स्वामी रामेश्वरानंद, हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी के उपाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) कुलदीप चंद अग्निहोत्री सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

आप अमीर हैं या गरीब : इसमें आपकी जाति और धर्म की भी भूमिका हो सकती है, सीएमआईई के सर्वे में दावा

नई दिल्ली।
क्या आर्थिक तरक्की के पीछे जाति या धर्म जैसे कारक भी मायने रखते हैं... इस सवाल का जवाब तलाशने के लिए सेंटर फॉर मॉनेटरिंग इंडियन इकोनॉमी ने इस साल जून में घर-घर जाकर सर्वे किया। इसमें निकलकर आया है कि न सिर्फ जाति या धर्म, बल्कि शहरी या ग्रामीण होना भी असर डालता है।

सर्वे में 10.72प्रतिशत परिवारों ने पिछले एक साल में आर्थिक रूप मजबूत होने की बात कबूली है। लेकिन, जब आंकड़ों को जाति या धर्म के हिसाब से देखा गया तो यह बात गौर करने लायक रही कि जिन लोगों ने इंटरकास्ट मैरिज की है, उनमें से 20प्रतिशत परिवारों ने तरक्की की है। यह औसत सामान्य परिवारों के मुकाबले दोगुना है।

जून 2023 में अनुसूचित जनजाति वर्ग ने सबसे तेज तरक्की की

जून 2022 के मुकाबले जून 2023 में (अनुसूचित जनजाति) वर्ग ने सबसे तेज तरक्की की है। खास बात यह है कि आर्थिक तरक्की पाने वाले इस वर्ग के परिवार शहरों और गांवों में एक समान हैं, जबकि दूसरी जातियों के परिवारों में इसमें बड़ा अंतर है।

सामान्य वर्ग के 13.78प्रतिशत परिवार मानते हैं कि पिछले एक साल में उनकी आय बढ़ी है।

सीएमआईई के सर्वे में जैन धर्म से जुड़े 39.9प्रतिशत परिवारों ने माना कि पिछले साल के मुकाबले उनकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। चौंकाने वाली बात यह है कि ऐसा मानने वाले सिख सिर्फ 1प्रतिशत हैं। हिंदू और मुस्लिम परिवारों की आर्थिक तरक्की में कोई खास अंतर नहीं है। तरक्की वाने वाले ईसाइयों का औसत जैनियों के बाद सबसे अच्छा है। कोरोनाकाल में सबसे अधिक नुकसान शहरों में रहने वाले लोगों का हुआ था, ठीक उसी तरह रिकवरी भी सबसे तेज शहरों में ही रही है। शहरों में रहने वाले 18.23प्रतिशत परिवारों ने माना कि पिछले एक साल में उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार आया है। लेकिन, गांवों में ऐसा कहने वाले परिवार सिर्फ 7.02प्रतिशत हैं। ये बात इसलिए अहम है, क्योंकि 65प्रतिशत से ज्यादा आबादी ग्रामीण है।

न्यूज ब्रीफ

पेट्रोल-डीजल के दाम 10 रुपए लीटर घटाने की गुंजाइश: 1 साल में कच्चा तेल 35प्रतिशत तक सस्ता, इससे तेल कंपनियों का मुनाफा तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के दाम 10 रुपए लीटर तक घटाए जा सकते हैं। इसकी वजह एक साल में कच्चे तेल के दाम 15प्रतिशत की गिरावट है। 10 जुलाई को तो कच्चा तेल 35प्रतिशत तक सस्ता हो गया था, लेकिन इस बीच पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई कमी नहीं आई। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आखिरी बार अप्रैल 2022 में पेट्रोल-डीजल के दाम घटाए थे। अभी देश के ज्यादातर हिस्से में पेट्रोल 100 रुपए और डीजल 90 रुपए प्रति लीटर से ऊपर है। इस बीच पेट्रोलियम की रिटेल बिजनेस करने वाली तीन सरकारी कंपनियां इंडियन ऑयल , भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन का मुनाफा करीब 3 गुना हो गया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ये कंपनियां अभी प्रति लीटर करीब 10 रुपए की कमाई कर रही हैं। शुक्रवार को आए नतीजों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में इंडियन ऑयल ने 13,750 रुपए का मुनाफा कमाया। बीते साल इन्हीं 3 महीनों में 1,992 करोड़ का घाटा हुआ था। 2017 से 2022 के बीच इन कंपनियों ने सालाना 60 हजार करोड़ का औसत मुनाफा कमाया था। इनका कुल मुनाफा 2022-23 के 33,000 करोड़ रुपए से तीन गुना हो जाने का अनुमान है। कंपनियों के पास पेट्रोलियम के दाम 10 रुपए घटाने की गुंजाइश कोटक महिंद्रा बैंक की सीनियर इकोनॉमिस्ट उपासना भारद्वाज कहती हैं कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां पेट्रोल और डीजल पर फिलहाल करीब 10 रुपए प्रति लीटर कमाई कर रही हैं। इस लिहाज से देखें तो उनके पास इनकी कीमतें कम करने की पर्याप्त गुंजाइश है। ऐसा करने पर अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। जून 2010 तक सरकार पेट्रोल की कीमत निर्धारित करती थी और हर 15 दिन में इसे बदला जाता था। 26 जून 2010 के बाद सरकार ने पेट्रोल की कीमतों का निर्धारण ऑयल कंपनियों के ऊपर छोड़ दिया। इसी तरह अक्टूबर 2014 तक डीजल की कीमत भी सरकार निर्धारित करती थी।

भारत और ब्रिटेन इसी साल एफटीए पर कर सकते हैं हस्ताक्षर, वाणिज्य सचिव ने कही ये बात

नई दिल्ली । भारत और ब्रिटेन इस साल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं दोनों देश आर्थिक वृद्धि और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित समझौते की व्यापक रूपरेखा पर आम सहमति पर पहुंच गए हैं। भारत के वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, हम जल्द से जल्द सौदे को अंतिम रूप देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लगभग सभी विवादास्पद मुद्दों पर बातचीत पूरी हो चुकी है और साल के समाप्त होने के बहुत पहले ही समझौते पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। भारत ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते को खुद को बड़ा निर्यातक बनाने के लिहाज से महत्वपूर्ण मानता है, जबकि ब्रिटेन को इस समझौते से अपनी व्हिस्की, प्रीमियम कारों और कानूनी सेवाओं के लिए भारतीय बाजार में व्यापक पहुंच मिलेगी। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के साथ अंतरिम व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद भारत के लिए ब्रिटेन के साथ एफटीए किसी विकसित देश के साथ पहला समझौता होगा। ब्रिटेन के लिए यह यूरोपीय संघ से 2020 के बाहर निकलने के बाद विविध वैश्विक व्यापार संबंधों की खोज का हिस्सा है। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों को देखते हुए यह समझौता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए एक महत्वपूर्ण समय आएगा, पीएम आम चुनाव से पहले भारत की व्यापार-अनुकूल छवि को मजबूत करना चाहते हैं। बर्थवाल और वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की यात्रा के दौरान हाल ही में लंदन में 11वें दौर की वार्ता संपन्न हुई थी। बर्थवाल ने कहा कि एफटीए के कुल 26 अध्यायों में से 19 पर चर्चा बंद हो गई है, जिसमें संवेदनशील ऑटोमोबाइल क्षेत्र से संबंधित मुद्दे भी शामिल रहे हैं। व्यापार मंत्रालय के अलग-अलग सूत्रों ने कहा कि हालांकि दोनों देशों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकारों, उत्पत्ति के नियमों और निवेश संधि पर मतभेदों को अभी तक दूर नहीं किया जा सका है। आर बर्थवाल ने कहा कि निवेश के नियमों के मुद्दे पर सैद्धांतिक रूप से सहमति बन गई है, लेकिन दोनों देशों के सीमा शुल्क अधिकारी अभी भी इस तौर-तरीकों पर काम कर रहे हैं। भारत द्वारा ब्रिटेन को दी जा रही रियायतों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, जब तक सब कुछ अंतिम नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी अंतिम नहीं है।

गो फर्स्ट की सभी फ्लाइट्स 30 जुलाई तक सस्पेंड

3 मई से बंद है कंपनी की सभी उड़ानें, कैश की तंगी से जूझ रही एयरलाइन

नई दिल्ली।
कैश की तंगी से जूझ रही गो फर्स्ट एयरलाइन की सभी फ्लाइट्स को 30 जुलाई तक सस्पेंड कर दिया गया है। कंपनी की फ्लाइट्स 3 मई से उड़ानें नहीं भर सकी हैं। एयरलाइन एक समय रोजाना 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

इंजन सप्लाई नहीं होने से बंद करने पड़े ऑपरेशन

एयरलाइन का दावा है कि इंजनों की सप्लाई नहीं होने से उसे अपने ऑपरेशन बंद करने पड़े है। अमेरिका के एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर प्रैट एंड व्हिटनी को गो फर्स्ट को इंजन की सप्लाई करनी थी, लेकिन उसने समय पर इसकी सप्लाई नहीं की। ऐसे में गो फर्स्ट को अपनी फ्लीट के आधे से ज्यादा एयरक्राफ्ट ग्राउंडेड करने पड़े। इससे उसे भारी नुकसान हुआ।

फ्लाइट नहीं उड़ने के कारण उसके पास कैश की कमी हो गई और फ्यूल भरने के लिए भी पैसे नहीं बचे। एयरलाइन के 20 नियो एयरक्राफ्ट में इन इंजनों का इस्तेमाल होता है। एयरलाइन के सीईओ कौशिक खोना का दावा है कि इंजन की खराबी से कंपनी को बीते तीन साल में 1.1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.9 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

पूरा मामला समझें..

गो फर्स्ट एयरलाइन ने 2 मई को बताया कि वो 3, 4 और 5 मई के लिए अपनी सभी फ्लाइट कैंसिल कर रही है। 3 मई को एयरलाइन स्वैच्छिक दिवालिया याचिका के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी पहुंच गई। गो फर्स्ट एयरलाइन की याचिका पर एनसीएलटी ने 4 मई को सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। फ्लाइट सस्पेंशन को 4 मई से बढ़ाकर 9 मई तक किया। फिर बढ़ाते-बढ़ाते 23 जुलाई तक कर दिया गया। 10 मई को एनसीएलटी ने एयरलाइन को राहत देते हुए मोरेटोरियम की मांग को मान लिया और आईआरपी नियुक्त किया। एनसीएलटी के इस आदेश के खिलाफ लेसर्स ने एनसीएलएटी यानी नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल में भी अपील की। अपीलेट ट्रिब्यूनल ने एनसीएलएटी के आदेश को बरकरार रखा। फिर गो फर्स्ट ने रिवाइवल प्लान दिया। फ्लाइट दोबारा शुरू करने के लिए मंजूरी दी। फिर एयरलाइन की टेस्ट फ्लाइट्स सक्सेसफुल रही।

अभिलाष लाल को आईआरपी नियुक्त किया था

जस्टिस रामलिंगम सुधाकर और एलएन गुप्ता की दो सदस्यीय बेंच ने गो फर्स्ट को चलाने के लिए अभिलाष लाल को इंटेरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल यानी आईआरपी नियुक्त किया था। यह पहली बार था जब किसी भारतीय एयरलाइन ने खुद से ही अपने कॉन्ट्रेक्ट और कर्ज को रिनेगोशिएट करने के लिए बैंकरप्सी प्रोट्रेक्शन की मांग की थी। बाद में पिर शैलेन्द्र अजमेरा को रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल बनाया गया।

गो फर्स्ट के साथ पीडब्लू के कॉन्ट्रैक्ट में तीन बड़ी शर्तें थीं:

विमान का इंजन खराब हो जाता है तो 48 घंटे के भीतर स्पेयर इंजन देना होगा। फॉल्टी इंजनों की फ्री में रिपेयरिंग करानी होगी, क्योंकि सभी इंजन वारंटी में हैं। ग्राउंडेड विमानों के कारण हुए नुकसान का कम्पेनसेशन भी देना होगा। बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2020 तक, पीडब्लू ने समय पर स्पेयर इंजन उपलब्ध कराए, फ्री में रिपेयरिंग की और कम्पेनसेशन भी दिया। उसके बाद एयरलाइन को कुछ भी नहीं मिला। एयरलाइन ने पिछले साल मार्च में एक हफ्ते में 2,084 फ्लाइट ऑपरेट की थीं। विमानों के ग्राउंडेड होने के साथ इस साल मार्च तक ये आंकड़ा घटकर 1,642 पर आ गया।

2005 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए उड़ी थी पहली फ्लाइट

गो फर्स्ट वाडिया ग्रुप की बजट एयरलाइन है। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार 29 अप्रैल 2004 को गो फर्स्ट की शुरुआत हुई थी। नवंबर 2005 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली फ्लाइट ऑपरेट की। एयरलाइन के बेड़े में 59 विमान शामिल हैं। इनमें से 54 विमान 320 एनईओ और 5 विमान 320 सीईओ हैं। गो फर्स्ट 35 डेस्टिनेशन के लिए अपनी फ्लाइट ऑपरेट करता है। इसमें से 27 डोमेस्टिक और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन शामिल हैं। एयरलाइन ने साल 2021 में अपने ब्रांड नाम को गोएयर से बदलकर गो फर्स्ट कर दिया था।

अब तक 27प्रतिशत टैक्सपेयर ने नहीं भरा इनकम टैक्स रिटर्न: 3 दिन बाद लगेगा 5 हजार तक जुर्माना

नई दिल्ली।
इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के लिए अब सिर्फ 3 दिन बचे हैं, लेकिन अभी तक 27प्रतिशत टैक्सपेयर ने अपना आईटीआर दाखिल नहीं किया है। अन्य 14प्रतिशत करदाताओं का कहना है कि वे 31 जुलाई की तय समय सीमा तक टैक्स नहीं भर पाएंगे। यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकल सर्कल्स के सर्वे में सामने आई है। 31 जुलाई के बाद रिटर्न भरने पर 5 हजार रुपए तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। ऐसे में हम यहां आपको समय से आईटीआर फाइल करने के फायदे और उसका तरीका बताने जा रहे हैं।

बाढ़ और बिजली कटौती के कारण हो रही मुश्किल

लोकल सर्कल्स के सर्वे में आईटीआर फाइल नहीं कर पाने की वजह मानसून की बारिश बताई जा रही है। देश के कई इलाकों में भारी बारिश की वजह से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ज्यादातर लोग अपना आयकर रिटर्न दाखिल करने के लिए डेडलाइन 2 सप्ताह बढ़ाना चाहते हैं, क्योंकि बाढ़ और बिजली कटौती के कारण ऐसा करना मुश्किल हो गया है। लोकल सर्कल्स के अनुसार 70प्रतिशत लोगों ने भरा टैक्स सर्वे में 315 जिलों के 12 हजार लोगों की प्रतिक्रियाएं ली गईं। लगभग 68प्रतिशत उत्तरदाता पुरुष थे, जबकि 32प्रतिशत महिलाएं थीं 70प्रतिशत करदाताओं ने इनकम टैक्स रिटर्न जमा कर दिया है 05प्रतिशत लोगों ने कोशिश की, लेकिन रिटर्न जमा नहीं कर पाए 08प्रतिशत लोगों ने कहा- महीने के अंत में आईटीआर फाइल कर देंगे 14प्रतिशत लोगों ने कहा- डेडलाइन तक टैक्स भर पाना मुश्किल 31 जुलाई के बाद लेट फीस देनी होगी 31 जुलाई के बाद आईटीआर फाइल करने वाले टैक्सपेयर्स को लेट फीस देनी होगी। अगर किसी इंडिविजुअल टैक्सपेयर की सालाना आय 5 लाख रुपए से ज्यादा है, तब उसे 5000 रुपए की लेट फीस देनी होगी। अगर टैक्सपेयर की एनुअल इनकम 5 लाख रुपए से कम है, तब उसे लेट फीस के रूप में 1,000 रुपए भरने होंगे। फाइल करते समय पुरानी और नई टैक्स व्यवस्था में से अपने लिए सही ऑप्शन चुनें करदाताओं को इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दो ऑप्शन मिलते हैं। 1 अप्रैल, 2023 से नए स्लैब का ऑप्शन दिया गया था। नए टैक्स स्लैब में 5 लाख रुपए से ज्यादा आय पर टैक्स की दरें तो कम रखी गईं, लेकिन डिडक्शन छीन लिए गए हैं।

भारतीय नौसेना का मिसाइल वाहक पोत खंजर तीन दिवसीय दौरे पर जाएगा श्रीलंका

नई दिल्ली। खुकरी श्रेणी का स्वदेश में निर्मित भारतीय नौसेना का मिसाइल वाहक पोत पोत खंजर शनिवार से श्रीलंका के पूर्वी बंदरगाह त्रिंकोमाली का तीन दिवसीय दौरा करेगा। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा के लिए साझा चुनौतियों से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए और श्रीलंका नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए यह यात्रा महत्वपूर्ण है।

जहाज के कमांडिंग ऑफिसर एनवीएस फणी कुमार पूर्वी नौसेना क्षेत्र के कमांडर से मुलाकात करेंगे, जबकि वीबीएसएस, गनरी और मिसाइल संचालन पर विभिन्न पेशेवरों के बीच बातचीत होगी। बयान के अनुसार, लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने और लोगों को भारतीय नौसेना और इसकी क्षमताओं से परिचित कराने के लिए यह जहाज स्कूली बच्चों की यात्रा के लिए खुला रहेगा। आम लोग 30 जुलाई को त्रिंकोमाली बंदरगाह पर जहाज का दौरा कर सकेंगे। बयान में कहा गया है कि जहाज त्रिंकोमाली में योग सत्र, बीच क्लीनिंग और स्पेशल स्कूल का भी आयोजन करेगा। 31 जुलाई को प्रस्थान के बाद, त्रिंकोमाली के पास श्रीलंका नौसेना के जहाज के साथ एक समुद्री साझेदारी अभ्यास की भी योजना है।

8 देशों में 21 घंटे ट्रेड कर पाएंगी भारतीय कंपनियां : सरकार ने जीआईएफटी इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज में सीधे लिस्ट होने की अनुमति दी

नई दिल्ली।
अब भारतीय कंपनियां फॉरेन करंसी एक्सचेंज और गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर में खुद को सीधे लिस्ट करवा सकेंगी। इससे घरेलू कंपनियां 8 देशों में 21 घंटे ट्रेड कर सकेंगी। शुक्रवार को फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने मुंबई में कॉरपोरेट डेट मार्केट डेवलपमेंट फंड की लॉन्चिंग के मौके पर कहा, सरकार ने भारतीय कंपनियों को जीआईएफटी में सीधे एक्सचेंजों पर लिस्टिंग करने के लिए अंतिम मंजूरी दे दी है।

ग्लोबल कैपिटल तक सीधे पहुंच बनेगी

वित्त मंत्री ने कहा है कि इस फैसले से भारतीय कंपनियों का वैल्यूएशन और बेहतर होगा और ग्लोबल कैपिटल तक सीधे पहुंच भी बनेगी। उन्होंने कहा है कि जीआईएफटी इकोसिस्टम के लिए सरकार का नजरिया पारंपरिक फाइनेंस और वेंचर से काफी आगे है।

फॉरेन जूरिस्डिक्शन (अधिकार क्षेत्र) को भी जोड़ा जाएगा

वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि इस अप्रूवल लिस्ट में करीब 8 फॉरेन जूरिस्डिक्शन (अधिकार क्षेत्र) को भी जोड़ा जाएगा। इससे पहले, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया था कि सरकार शुरुआत में ब्रिटेन, कनाडा, स्विट्जरलैंड और अमेरिका सहित सात देशों में विदेशी लिस्टिंग की अनुमति देने पर विचार कर रही है। मई 2020 में कोविड रिलीफ के दौरान कंपनियों को डायरेक्ट लिस्टिंग के लिए अप्रूवल मिल गई थी, लेकिन इसके रूल्स (कानूनी प्रावधान) अभी आने बाकी हैं। इसके पहले सेबी ने डायरेक्ट लिस्टिंग को लागु करने को लेकर एक फ्रेमवर्क का सुझाव दे चुका है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि सेबी के सुझाए फ्रेमवर्क को स्वीकार किया जा सकता है। भारत की स्टॉक एक्सचेंजों- बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों ही जीआईएफटी इकोसिस्टम से जुड़ीं है। साथ ही बड़ी भारतीय और विदेशी कंपनियां भी इसमें लिस्टेड हैं। लिस्टिंग की अनुमति मिलने के बाद और भी भारतीय कंपनियां यहां लिस्ट होंगी। बीते कुछ समय से इनमें खासा उछाल देखने को मिला है।

नाम बदलने के बाद ट्विटर का रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम शुरू

एक्स के वैरिफाइड कॉन्टेन्ट क्रिएटर्स कमा सकेंगे पैसा, मस्क ने कहा- क्रिएट एनीथिंग

नई दिल्ली। माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) ने भारत सहित दुनियाभर में एड रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम शुरू कर दिया है। इसके जरिए प्लेटफॉर्म के वेरिफाइड कॉन्टेन्ट क्रिएटर्स पैसा कमा सकेंगे। कंपनी ने 14 जुलाई को इस प्रोग्राम को लॉन्च किया था।

एक्स ने ऑफिशियल अकाउंट से पोस्ट कर लिखा, आज से एडस रेवेन्यू प्रोग्राम सभी यूजर्स के लिए लाइव हो गया है। आप मोनेटाइजेशन को ऑन कर अपनी पोस्टिंग के बदले पैसा कमा सकते हैं। एक क्रिएटर के तौर पर हम आपको आपकी मेहनत के पैसे देना चाहते हैं, ताकि आपकी आजीविका चलती रहे। आपको पुरस्कृत करने की दिशा में यह हमारा पहला कदम है।

इस पोस्ट में रिप्लाई करते हुए कंपनी के मालिक एलन मस्क ने लिखा, क्रिएट एनीथिंग!

500 फॉलोअर्स होना जरूरी एक्स ने 29 अप्रैल को ऑफिशियल अकाउंट से पोस्ट करते हुए बताया था कि दुनियाभर के क्रिएटर्स अब साइन अप कर सकते हैं और ट्विटर पर कमाई कर सकते हैं। अप्लाई करने के लिए सेटिंग में मोनेटाइजेशन पर टैप करें। हालांकि, इसके जरिए वही क्रिएटर्स पैसा कमा पाएंगे, जिनके अकाउंट में कम से कम 500 फॉलोअर्स हों। वहीं अकाउंट वैरिफाइड होने के साथ ही पिछले 30 दिन से एक्टिव हो।

एक्स से रेवेन्यू जनरेट करने के लिए कैसे एलिजेबल बनें

एक्स ब्लू या वैरिफाइड ऑर्गेनाइजेशन की मैंबरशिप लें। पिछले 3 महीनों में हर पोस्ट पर कम से कम 5 मिलियन इंप्रेशन मिले हों। क्रिएटर मोनेटाइजेशन स्टैंडर्ड्स के लिए ह्यूमन रिव्यू पास करें। कंटेंट क्रिएटर्स के लिए मोनेटाइजेशन प्रोग्राम कैसे काम करेगा एलन मस्क ने 14 अप्रैल को पोस्ट करते हुए कहा था कि अपने फॉलोअर्स को लॉन्गफॉर्म टेक्स्ट से लेकर घंटों लंबे वीडियो तक किसी भी मटेरियल का सब्सक्रिप्शन ऑफर करने के लिए अप्लाय करें। सेटिंग्स में बस मोनेटाइजेशन पर टैप करें। मोनेटाइजेशन से की गई कमाई का कोई भी हिस्सा अगले 12 महीनों तक ट्विटर नहीं लेगा। हालांकि एंड्रॉएड और आईओएस 30प्रतिशत फीस वसूलता है। ये चार्ज क्रिएटर की इनकम से डिडक्ट हो जाएगा। वेब पर चार्ज 8प्रतिशत के करीब है। पहले साल के बाद, आईओएस और एंड्रॉएड फीस 15प्रतिशत तक कम हो जाएगी। इसके अलावा ट्विटर वॉल्यूम के आधार पर उसके ऊपर एक छोटी फीस जोड़ देगा। ट्विटर आपके काम को प्रमोट करने में भी मदद करेगा।

मस्क ने कहा- हमारा गोल क्रिएटर की समृद्धि को मैक्सिमाइज करना है। किसी भी समय, आप हमारे प्लेटफॉर्म को छोड़ सकते हैं और अपने वर्क को अपने साथ ले जा सकते हैं। ईजी इन, ईजी आउट।

24 जुलाई को मस्क ने पहली बार लोगो बदला

24 जुलाई को लोगो बदलकर एक्स करने के बाद 26 जुलाई को देर रात लोगो के डिजाइन में एलन मस्क ने छोटा सा बदलाव किया था। मस्क ने एक्स लोगो को ज्यादा बोल्ड और शार्प कर दिया है। मस्क ने कहा था, लोगो समय के साथ डेवलप होगा। वहीं मस्क ने ट्विटर का नाम करने पर कहा था, आने वाले महीनों में ट्विटर सभी तरह की फाइनेंशियल सर्विस प्रोवाइड करेगी। ऐसे में ट्विटर नाम का कोई मतलब नहीं है।

मस्क ने ये भी कहा था कि ट्विटर नाम तब तक ठीक था जब प्लेटफॉर्म पर 140 कैरेक्टर तक ही पोस्ट किए जा सकते थे। लेकिन अब आप लगभग कुछ भी पोस्ट कर सकते हैं। इसमें कई घंटों का वीडियो भी शामिल है। मस्क ने हाल ही में पोस्ट की कैरेक्टर लिमिट बढ़ाकर 25,000 की थी।

92 अवॉर्ड हैं फिल्म कहो ना प्यार है के नाम

- गिनीज वर्ल्ड में दर्ज हैं रिकॉर्ड

मुंबई (ईएमएस)। अपने जमाने के मशहूर कलाकार राज कुमार, राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, विनोद खन्ना जैसे कई स्टार्स के बारे में आपने सुना होगा कि उनकी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसे आते ही छा जाती थीं। इन फिल्मों में शोले, आनंद, दीवार, धर्मपुत्र जैसी कई फिल्मों के बारे में आपने सुना और पढ़ा होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि साल 2000 में आई एक फिल्म ने न सिर्फ एक सुपरस्टार बॉलीवुड को दिया बल्कि फिल्म ने अपने नाम एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया कि फिल्म का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया गया। साल 2000 में एक दो नहीं कई फिल्में रिलीज हुईं, जिसमें मोहब्बतें, कहो ना प्यार है, मिशन कश्मीर, दुल्हन हम ले जाएंगे, रिफ्यूजी, जोश, फिजा और धड़कन जैसी कई फिल्में रिलीज हुई थीं। कुछ बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई, तो कुछ सुपरहिट साबित हुईं। इन्हीं में से एक फिल्म थी, जिसने 92 अवॉर्ड्स को अपने नाम किया था।आपको ये जानकर हैरानी होगी की ये रिकॉर्ड न तो शाहरुख खान अपनी फिल्मों से कर सके और न ही अक्षय कुमार। ये करिश्मा किया था उस दौर के नए एक्टर ने, अब तक तो आप समझ गए होंगे कि हम बात कर रहे हैं राकेश रोशन के बेटे ऋतिक रोशन की। 14 जनवरी साल 2000 में ऋतिक रोशन की फिल्म रिलीज हुई, जिसका नाम था कहो ना प्यार है। फिल्म ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में तहलकता मचा दिया था। इतना ही नहीं लोग इस फिल्म को बॉलीवुड की आईकॉनिक फिल्म कहने लगे थे।साल 2000 में रिलीज होने वाली हाईएस्ट पेड एक्टर की फिल्म कहो ना प्यार है ना सिर्फ ब्लॉकबस्टर हिट हुई बल्कि फिल्म में 5-10 नहीं बल्कि 92 अवाड्र्स जीते और फिल्म ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। राकेश रोशन निर्देशित फिल्म ने साल 2002 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। साथ ही साल 2003 में लिमिका बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सबसे ज्यादा अवार्ड जीतने वाली बॉलीवुड फिल्म के तौर पर अपना नाम दर्ज कराया था। रिपोर्ट्स की मानें तो र-ाकेश रोशन को कहो ना प्यार है के लिए पहली बार फिल्मफेयर अवार्ड मिला था। हालांकि इससे पहले वह करण अर्जुन जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दे चुके थे। फिल्म का बजट करीब 10 करोड़ था फिल्म ने लागत से कई ज्यादा की कमाई की थी। फिल्म ने तब वर्ल्डवाइड 78.93 करोड़ की कमाई की थी। ऋतिक रोशन ने पापा राकेश रोशन की इस फिल्म से डेब्यू किया था। अमीषा पटेल की भी ये पहली फिल्म थी। इस फिल्म के बाद दोनों एक्टर्स का करियर खूब चमका। उसी साल ऋतिक रोशन को भी कहो ना प्यार है के लिए बेस्ट एक्टर और बेस्ट डेब्यू एक्टर का अवार्ड मिला था। बता दें कि साल 2000 में एक दो नहीं कई फिल्में रिलीज हुईं, जिसमें मोहब्बतें, कहो ना प्यार है, मिशन कश्मीर, दुल्हन हम ले जाएंगे, रिफ्यूजी, जोश, फिजा और धड़कन जैसी कई फिल्में रिलीज हुई थीं। कुछ बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई, तो कुछ सुपरहिट साबित हुईं।

हीरे की रिंग नहीं, बोतल ओपनर है: तमन्ना भाटिया

-एक्ट्रेस ने खुद लगाया अफवाहों पर विराम

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया की डायमंड रिंग के साथ बीते दिनों एक तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थी। कहा जा रहा था कि उन्हें यह हीरे की रिंग साउथ राम चरण की पत्नी उपासना ने तोहफे में दी है। रिंग की कीमत लगभग दो करोड़ रुपये बताई जा रही थी। कहा जा रहा था कि यह दुनिया का पांचवा सबसे बड़ा हीरा है। अब इन सब खबरों का खंडन करते हुए तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी इस पांच साल पुरानी तस्वीर को शेयर किया और बताया कि यह एक बोतल ओपनर था। तस्वीर के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा कि यह एक बोतल ओपनर था, कोई असली का हीरा नहीं था और हम बस फोटोशूट कर रहे थे, क्योंकि लड़कियों को फोटो खींचना अच्छा लगता है। अब तमन्ना के इस खुलासे से साफ हो चुका है कि हीरे की अंगूठी को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रहीं खबरें महज अफवाह हैं। बता दें, साल 2019 में यह अफवाह फैली थी कि उपासना ने तमन्ना को हीरे की अंगूठी तोहफे में दी है। राम चरण की पत्नी ने साल 2019 में डायमंड रिंग के साथ तमन्ना की तस्वीर शेयर की थी और कैप्शन में लिखा था कि मिसेज प्रोड्यूसर की ओर से सुपर तमन्ना भाटिया के लिए एक गिफ्ट। अभी से आपको मिस कर रही हूं। जल्दी मिलेंगे। वहीं, तमन्ना ने भी इस फोटो को दोबारा शेयर कर लिखा था, इस बोतल ओपनर से बहुत सी यादें जुड़ी होंगी। इतने लंबे समय बाद मिलकर बहुत अच्छा लगा। आपसे जल्दी मिलने का इंतजार रहेगा। आपकी बहुत याद आती है। उस समय भी तमन्ना ने यह साफ किया था कि यह एक बोतल ओपनर है।

जवान के पहले सॉन्ग जिंदा बंदा के रिलीज का इंतजार

बालीवुड फिल्म जवान के पहले सॉन्ग जिंदा बंदा के रिलीज होने का लोग इंतजार कर रहे हैं। इस गाने को लेकर अटकलें भी शुरू हो गई हैं कि ये कितना ग्रैंड होगा। फिल्म के गाने में शाहरुख हजारों लड़कियों के साथ डांस करते हुए दिखाई देंगे। इसे गाने को अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है और कोरियोग्राफ शोबी ने किया है। अनिरुद्ध रविचंदर ने 2012 में तमिल फिल्म 3 से अपने म्यूजिक की श-रूआत की और सुपरहिट गाना व्हाई दिस कोलावेरी डी बनाया। अपने एक दशक लंबे करियर के दौरान, उन्होंने हिंदी और तेलुगु के अलावा, अलग-अलग भाषाओं, मुख्य रूप से तमिल में, 90 से ज्यादा फिल्मों के लिए ऑरिजनल स्कोर और गानों को कंपोज्ड और प्रोड्यूस किया है। उन्हें हाल के समय की कुछ सबसे बड़ी हिट फिल्मों में उनके म्यूजिक कंट्रीब्यूशन के लिए जाना जाता है, जैसे वाथी कमिंग, अरेबिक कुथु, विक्रम का रिकॉर्ड-ब्रेकिंग एल्बम और रजनीकांत स्टारर अपकमिंग फिल्म जेलर का हालिया गाना कावाला। सूत्रों के अनुसार, यह ट्रैक एक विशाल उत्सव की तरह होने का वादा करता है, जिसे चेन्नई में बड़े पैमाने पर पांच दिनों में शूट किया गया है।

दूरदर्शी फिल्म निर्माता थे विपुल अमृतलाल शाह

-उनकी फिल्मों की कहानी को ही माना जाता है स्टार

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय फिल्म इंडस्ट्री का विपुल अमृतलाल शाह ने हमेशा अपनी फिल्मों में अपने कंटेंट का लेवल अप किया और उससे दर्शकों को भी अट्रैक्ट किया है। विपुल नई पीढ़ी के कंटेंट निमार्ता के तौर पर भी फेमस हैं जिनकी फिल्मों की कहानी को ही स्टार माना जाता है। विपुल अमृतलाल आज फिल्म मेकिंग की दुनिया में सबसे काबिल और दूरदर्शी फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर्स में से एक हैं जिनकी फिल्म न सिर्फ कंटेंट के लिहाज से बल्कि कमर्शियली भी खूब सफलता हासिल करती है।विपुल अमृतलाल शाह की फिल्मों ने लगातार सही महौल बनाया है और दमदार, रोंगटे खड़े कर देने वाला और असाधारण सिनेमा दिया है, जिनमें से कई में सच्चाई को उजागर करने वाले कंटेंट भी शामिल है।विपुल अमृतलाल शाह ने आंखें खोलने वाला कंटेंट पेश किया जिसमें ह्यूमन का नाम शामिल है। यह एक ओटीटी शो है जो मेडिकल और फामेर्सी इंडस्ट्री की अनसुनी और अंधेरी दुनिया पर रोशनी डालता है। इस शो में विपुल अमृतलाल शाह ने बतौर निर्देशक काम किया हैं। इसके बाद उन्होंने अपने सबसे सेंसिटिव और बोल्ड सब्जेक्ट द केरल स्टोरी की कहानी से देश को हिला दिया। इस फिल्म ने न केवल बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, बल्कि इसके कंटेंट के कारण इसे यूनिवर्सल एक्सेप्टेंस भी मिली।

ह्यूमन और द केरल स्टोरी के साथ धूम मचाने के बाद, अब वह दर्शकों के लिए कुछ और बोल्ड और सच्चाई उजागर करने वाला कंटेंट पेश करने के लिए तैयार हैं, और उनमें से एक अपकमिंग शो कमांडो और एक बहुप्रतीक्षित बस्तर हैं। फिल्म मेकर के इन प्रोजेक्ट्स को लेकर भी खूब चर्चा है। जहां बस्तर देश की सबसे दर्दनाक और अहम रियल-लाइफ इंसिडेंट में से एक पर आधारित होगा, वहीं कमांडो भारतीय ओटीटी का अब तक का सबसे एड-वांस एक्शन शो होगा।कंटेंट पर फोकस करने के साथ साथ क्रिएटिव जीनियस विपुल अमृतलाल शाह को कास्टिंग के लिए भी जाना जाता हैं। दूरदर्शी फिल्ममेकर ने हमेशा अभिनेताओं और कलाकारों की ऐसी जोड़ी बनाई है जो कंटेंट के हिसाब से उसमें फिट हो जाते हैं, साथ ही उन्होंने उभरती प्रतिभाओं को मंच भी दिया है और ह्यूमन और द केरल स्टोरी इसकी एक परफेक्ट मिसाल है जिसमें ए-लिस्टर्स के बजाए एक यूनिवर्सल पहुंच बनाई।

गोल्डफिश के साथ वापसी को लेकर उत्साहित है कल्कि

-भावनाओं से भरपूर एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है ये

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड फिल्म गोल्डफिश के साथ सिनेमाघरों में वापसी को लेकर उत्साहित हैं। कल्कि का कहना है कि यह हास्य और दिल को छू लेने वाली भावनाओं से भरपूर एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है। कल्कि को आखिरी बार 2019 की हिंदी फिल्म गली बॉय में देखा गया था, जिसमें रणवीर सिंह और आलिया भट्ट प्रमुख भूमिका में थे। लंदन में शूट हुई गोल्डफिश मेमोरी, म्यूजिक, मेंटल हेल्थ और आइडेंटिटी से संबंधित है। पुशन कृपलानी द्वारा निर्देशित फिल्म भारतीय-ब्रिटिश-अमेरिकी प्रोडक्शन पावरहाउस दीप्ति नवल, कल्कि कोचलिन और रजित कपूर को एक साथ लाती है, जिसमें यूके के कुछ कलाकार भारती पटेल, गॉर्डन वानेर्के, रविन गनात्रा और शनाया रफत शामिल हैं। उन्होंने 2020 के तमिल एंथोलॉजी ड्रामा पावा कढ़ाइगल में लव पन्ना उत्ट्रानम सेगमेंट में पेनेलोप के रूप में भी अभिनय किया। 30 सितंबर, 2019 को कल्कि ने अपने बॉयफ्रेंड, इजरायली म्यूजिशियन गाइ हर्शबर्ग के साथ अपनी प्रेग्नेंसी की पुष्टि की। उनकी बेटी का जन्म 7 फरवरी, 2020 को वॉटर बर्थ के जरिए हुआ था।

गोल्डफिश में काम करने के अपने अनुभव और चार साल बाद सिनेमाघरों में अपनी वापसी के बारे में बात करते हुए कल्कि ने कहा, मातृत्व और कोविड के चलते एक्टिंग से लंबे अंतराल के बाद इतनी खूबसूरत फिल्म गोल्डफिश के साथ पर्दे पर वापस आना रोमांचक है। एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म कोविड लॉक-डाउन के दौरान मां-बेटी के रिश्ते में आने वाली चुनौतियों के बारे में है, जिसे क्रमशः दीप्ति नवल और मैंने निभाया है। यह हास्य और दिल को छू लेने वाली भावनाओं से भरपूर एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म है जो हम सभी तक पहुंचेगी जिन्होंने अपने माता-पिता, अपने बच्चों या अपनी पहचान के साथ संघर्ष किया है। फिल्म में अपने सफर के बारे में बात करते हुए दीप्ति ने कहा, गोल्डफिश एक आदर्श प्रोजेक्ट है, जिसका हिस्सा कोई भी कलाकार बनना चाहेगा।

यह एक मां-बेटी के रिश्ते की कहानी बताती है और मानव स्वभाव की जटिलताओं और कैसे परिस्थितियां व्यक्तिगत रिश्तों को आकार देती हैं, इस पर प्रकाश डालती है।

राजवीर देओल और पलोमा ने जीता लोगों का दिल

हालही में राजश्री प्रोडक्शन ने अपनी अगली फिल्म दोनों का टीजर जारी किया है, जिसमें एक या दो नहीं बल्कि तीन नए कलाकार शामिल हैं, जिनमें अनुभवी निर्देशक सूरज बड़जात्या के बेटे नवोदित निर्देशक अवनीश एस. बड़जातिया, सनी देओल के बेटे राजवीर देओल और पूनम ढिल्लों की बेटी पॉलोमा शामिल हैं। जो वास्तव में फिल्म के भाग्य का फैसला करता है वह दर्शक हैं और आज दर्शक ऑनलाइन हैं, 1989 के परिदृश्य के विपरीत जब मैंने प्यार किया रिलीज हुई थी। और दोनों का भाग्य निश्चित रूप से आशाजनक लगता है, राजवीर और पालोमा और अवनीश को केवल टीजर के माध्यम से मिले प्यार के आधार पर।

इस तथ्य से कि राजवीर के आकर्षण और पालोमा के अभिव्यंजक चेहरे के कारण कहानी 2023 की क्लासिक सेटिंग में वास्तव में प्रासंगिक लगती है, दोनों के बारे में सब कुछ राजश्री ब्लॉक के टिकट की तरह वास्तविक, भरोसेमंद और ईमानदार है। बता दें कि स्वीट और फ्रेश लवस्टोरी का अपना आकर्षण होता है।

समंदर किनारे बिकिनी पहने चिल करते देखा एलेसेंड्रा को

हाल ही में एक्ट्रेस एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को समंदर किनारे बिकिनी पहने चिल करते देखा गया। यह हॉट तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब तहलका मचा रही हैं। ब्राजीलियाई ब्यूटी ने बीते दिन अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तस्वीरों की एक सीरीज पोस्ट की, जिसमें वह समुद्र तट पर धूप का आनंद लेते हुए नजर आईं। तस्वीरों में एलेसेंड्रा रेड कलर की बिकिनी पहने अपना किलर फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। बिकिनी के ऊपर एक्ट्रेस ने प्रिंटेड शर्ट ओपन करके पहनी है और चिलकती धूप में खूब मस्ती भरे पोज दे रही हैं।

चेहरे पर काला चश्मा, नेक पर चेन्स पहने उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है और बीच किनारे धड़ल्ले से पोज देती दिख रही हैं। काम की बात करें तो एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो को आखिरी बार फिल्म डेडीज होम 2 में देखा गया था, जिसमें वह केरेन के रोल में नजर आईं थी। फिल्म में एक्ट्रेस के किरदार को खूब पसंद किया गया था। बता दें कि एलेसेंड्रा एम्ब्रोसियो हॉलीवुड की टॉप मॉडल्स में से एक हैं। वह अक्सर अपने बोल्ड लुक से लोगों के होश उड़ाती नजर आती हैं।

जान्हवी और वरुण ने बवाल में छोड़ी छाप

फिल्म बवाल में अज्जू के किरदार में वरुण धवन और निशा के किरदार में जान्हवी कपूर ने बड़ी ही खूबसूरती से दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ी है। जान्हवी कपूर ने कई मौकों पर बताया कि वह इस फिल्म के लिए कितनी एक्साइटेड थीं। एक्ट्रेस ने प्रोड्यूसर के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है। एक्ट्रेस ने पोस्ट में लिखा, साजिद सर के साथ काम कर बहुत मजा आया! अपने इस पोस्ट में उन्होंने साजिद नाडियाडवाला को टैग भी किया। बवाल का निर्माण साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की अर्थस्काई पिक्चर्स के सहयोग से किया गया है। यह फिल्म 21 जुलाई से भारत और 200 देशों और क्षेत्रों में खास तौर से प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। फिल्म बवाल को विश्व स्तर पर काफी पसंद किया जा रहा है। यह देश भर में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्मों में से एक है।

सूडोकु नवताल- 6507

कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6506 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

शब्दजाल - 7254

आ	धा	र	शि	ला	का	धि	का	र	प	गो	
धा	म	क	म	इं	डो	बा	ग	ति	मा	ला	
र	दा	ने	ला	मा	ग	जा	द	अ	शां	ति	
सि	ग	ल	सा	जा	न	र	ध	प	लि	अ	
त	अ	अ	र	म	न	मे	ह	मा	न	ग्नि	
अ	ना	का	र	व	ने	का	त	न	र	प	
ग	मा	ल	मा	व	अ	ला	र	मा	न	री	
र	बे	मि	सा	ल	प	स	अं	ल	वि	क्षा	
क	जु	बा	अ	लं	का	र	गू	न	जू	दे	
र	बा	ति	मा	न	सिं	ब्रा	र	का	प	श	
बां	न	ल	प	ब	गा	व	त	प	र	र	

शब्द जाल में 1982 में प्रदर्शित 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

आमने सामने, अंगूर, अशांति, बाजार, आधारशिला,अग्नि परीक्षा,अपमान, बगावत, बेमिसाल, बेजुबान

शब्दजाल - 7253 का हल

म	अ	बे	ता	ब	ब	आ	खू	ग	ल	मु
रा	वि	ली	प्रे	क	ब्या	स	न	ज	कां	ल
चु	मे	ष	दु	दी	छ	मि	ब	ब	वृ	जि
म	नौ	ब	न	नि	वा	स	हा	ल	ष	म
र्द	आ	मी	ल	म	या	न	गं	न	खु	च
य	ल	न	च	रा	क	ली	गा	ण	द	र
द	स	नी	गं	मे	न	र	में	बा	ग	स
क	सू	ऊ	ई	द	ली	क	फ	चो	र्ज	क
रा	म	र्य	ला	रा	म	की	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	वं	लि	जी	कुं	शा	म	प	द
आ	ई	ना	र्क	शी	क	र्त	य	दी	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6207

7			4		3	
4	36	2	34		26	1
		6		7		4
6	34		33		30	5
3		7		2		
	27		35	4	36	7
1		3			7	4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6206 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	24	6	37	2	32	1
6	1	2	5	7	4	3
5	33	1	29	4	30	6
7	6	5	4	1	3	2
2	38	4	31	3	29	7
4	3	7	1	6	2	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

सुनील छेत्री एशियन गेम्स टीम में शामिल नहीं : अंडर-23 टीम के साथ 3 सीनियर भेज सकते हैं; इनमें झींगन-संधू भी शामिल नहीं

नई दिल्ली ।

एशियन गेम्स के लिए जाने वाली मेंस फुटबॉल टीम में भारतीय कप्तान सुनील छेत्री, गोलकीपर गुरप्रीत सिंह और संदेश झिंगन का नाम शामिल नहीं किया गया है। एशियन गेम्स के लिए फुटबॉल में अंडर-23 से ऊपर के केवल तीन खिलाड़ियों को ही भेजा सकता है। वहीं महिलाओं की टीम के लिए कोई ऐज लिमिट नहीं है। हालांकि इंडियन फुटबॉल संघ (एआईएफएफ) को अपनी गलती का एहसास हो गया, जिसके बाद उन्होंने सुनील छेत्री, गुरप्रीत सिंह और संदेश झिंगन के नाम जोड़ने के लिए आयोजकों से अनुरोध किया है। सेक्रेटरी शाजी प्रभाकरन ने अपने दिए बयान में कहा कि हम इन तीन खिलाड़ियों के नाम जोड़ने के लिए अधिकारियों के संपर्क में हैं। हमें उम्मीद है कि अनुमति मिल जाएगी।

अंडर-23 से ऊपर इन तीन खिलाड़ियों को टीम में मिली है जगह

एशियन गेम्स के लिए अंडर-23 से ऊपर के खिलाड़ियों में मिडफिल्डर महेश सिंह नाओरेम, डिफेंडर रोशन सिंह नाओरेम और डिफेंडर आशीष राय को शामिल किया गया है। चूंकि एशियन गेम्स 2022 में होना था। कोरोना की वजह से एक साल के लिए टाल दिया गया। ऐसे में ऐज 2022 के अनुसार मानी जाएगी। इन 3 खिलाड़ियों की उम्र फिलहाल 24 साल है, लेकिन एज लिमिट के अनुसार तीनों अंडर-23 खेल सकते हैं। इनके अलावा सभी खिलाड़ियों की उम्र 23 साल या उससे कम ही है।

छेत्री-गुरप्रीत और संदेश ने पहले कर दिया था मना

एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा है कि जब मंत्रालय से फुटबॉल टीम को एशियन गेम्स में भेजने का अनुरोध किया गया था, तब इन तीनों खिलाड़ियों से पूछा गया था। उस समय इन्होंने मना कर दिया था। बाद में इन तीनों खिलाड़ियों ने अपनी सहमति दी। ऐसे में इन तीन खिलाड़ियों का नाम 22 खिलाड़ियों की लिस्ट में छूट गया। जब हमें इसका एहसास हुआ तो हम इन तीनों खिलाड़ियों के नाम शामिल करने के लिए आयोजकों से सम्पर्क कर रहे हैं।

मंत्रालय ने हाल के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम भेजने का किया फैसला

एशियन गेम्स में खेल मंत्रालय के नियमों के अनुसार वे ही खिलाड़ी और टीम भाग लेने के लिए जा सकते हैं। जो एशियन रैंकिंग में टॉप-8 में शामिल हों। भारतीय फुटबॉल की एशियन रैंकिंग-18 है। इसलिए खेल मंत्रालय ने भारतीय फुटबॉल टीम को एशियन गेम्स में जाने से मना कर दिया था। बाद में मंत्रालय ने इंडियन फुटबॉल फेडरेशन के हाल के प्रदर्शन के आधार पर फुटबॉल टीम को भेजने का अनुरोध किया था। भारतीय फुटबॉल ने हाल ही में एसएएफएफ चैम्पियनशिप और इंटर-कॉन्टिनेंटल चैम्पियनशिप में जीत दर्ज की थी।

न्यूज ब्रीफ

लॉरेन ने इंग्लैंड को दिलाई डेनमार्क पर जीत, दक्षिण अफ्रीका को पहली बार मिला अंक

सिडनी। लॉरेन जेम्स के एकमात्र गोल की मदद से यूरोपियन विजेता इंग्लैंड ने शुक्रवार को महिला फुटबाल विश्वकप के मुकाबले में डेनमार्क को 1-0 से हराया। जेम्स ने मैच के छठे मिनट में ही बॉक्स के अंदर से गोल दागकर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई जो अंत तक कायम रखी। इंग्लैंड की टूर्नामेंट में यह लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले उसने हैती को हराया था। इंग्लैंड की केइरा वाल्श को पहले हाफ में घुटने में चोट लग गई और उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। हालांकि, डेनमार्क की स्थानापन्न खिलाड़ी एमेली वांग्सगार्ड बराबरी का गोल करने के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन इंग्लैंड ने उन्हें रोककर मैच अपने नाम कर लिया। इस फॉरवर्ड ने ग्रुप-डी के शुरुआती मैच में चीन के खिलाफ 90वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। इस जीत से इंग्लैंड की टीम इस टूर्नामेंट में नॉर्वे के लगातार 15 मैचों में गोल करने के रिकॉर्ड के बराबर पहुंच गई है। इंग्लैंड की टीम इस जीत से ग्रुप-डी से अगले दौर में पहुंचने के करीब भी पहुंच गया है और अब अंतिम ग्रुप मैच में उसका सामना चीन से होगा जबकि डेनमार्क की भिड़ंत पर्थ में हैती से होगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ महिला फुटबाल विश्वकप में ग्रुप मुकाबला 2-2 से ड्रॉ खेला। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट में पहली बार अंक हासिल करने में सफल रहा। दोनों टीमों को ग्रुप-जी में एक-एक अंक मिला। उसे 2019 विश्वकप में ग्रुप चरण के हर मैच में शिकस्त मिली थी। अर्जेंटीना ने पांच मिनट के अंदर दो गोल किए। सोफिया ब्राउन ने 74वें और रोमिना नुनेज ने 79वें मिनट में अर्जेंटीना के लिए गोल दागे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के लिए लिंडा एम ने 30वें और थेंबी गातलाना ने 66वें मिनट में गोल किए।

एमआई ने सुपर किंग्स को 6 विकेट से हराया: मेजर लीग फाइनल में जगह बनाई; 31 अगस्त को सीटल ओरकास से खिताबी जंग

डालास। अमेरीका के मेजर लीग टी-20 टूर्नामेंट में शनिवार को एमआई न्यू यॉर्क ने टेक्सास सुपर किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस के मालिकाना हक वाली एमआईएनवाय ने मेजर लीग के फाइनल में जगह बना ली। अब टीम 31 अगस्त को सीटल ओरकास के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेगी। एमआई रिलायंस ग्रुप की फ्रेंचाइजी है, जिसके पास आईपीएल में मुंबई इंडियंस का मालिकाना हक है। वहीं, ओरकास टीम का मालिकाना हक जीएमआर ग्रुप के पास है, जिसके पास आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की टीम है। अमेरिका के डालास में क्वालिफायर-2 खेला गया। टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी सुपर किंग्स टीम की शुरुआत खराब रही, टीम ने 34 रन पर ही 3 विकेट गंवा दिए। फाफ डु प्लेसिस 6, मिचेल सैंटनर 6 और कोडी चेट्टी 14 रन बनाकर आउट हो गए। ट्रेंट बोल्ट ने तीनों विकेट लिए। ओपनर डेवोन कॉन्वे ने फिर मिलिंद कुमार के साथ 77 रन की पार्टनरशिप की और टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। कॉन्वे 38 और मिलिंद 37 रन बनाकर आउट हुए।

मोहाली के स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स के खिलाड़ियों के दलिए में निकली छिपकली, कई बच्चों की हालत बिगड़ी

मोहाली। मोहाली के सेक्टर 78 स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में शनिवार सुबह उस वक्त हंगामा मच गया जब

खिलाड़ियों को सुबह दी जाने वाली डाइट(दलिया) में छिपकली निकली। दलिया में से छिपकली निकलने पर खिलाड़ियों में चीख-पुकार मच गई और उनमें से कई को उल्टियां होने लगी। करीब 40-50 बच्चों को सरकारी अस्पताल लाया गया। फिलहाल बच्चों का इलाज मोहाली सिविल अस्पताल में चल रहा है। जहां बच्चों की हालत अच्छी बताई जा रही है। अस्पताल के डाक्टरों का कहना है कि बच्चों में छिपकली के खाने में गिरने की खबर पर बैचेनी फैल गई लेकिन अभी सारे बच्चे ठीक है।

टी-20 वर्ल्ड कप अगले साल 4 से 30 जून तक

10 शहरों में 55 मैच होंगे ; क्रिकेट इतिहास में पहली बार अमेरिका को भी मेजबानी

नई दिल्ली ।

2024 का टी-20 वर्ल्ड कप 4 से 30 जून तक खेला जाएगा। अमेरिका और वेस्टइंडीज के 10 शहरों में 27 दिन तक 20 टीमों के बीच 55 मैच होंगे। 147 साल के क्रिकेट इतिहास में अमेरिका पहली बार आईसीसी के किसी ग्लोबल इवेंट की मेजबानी करेगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अमेरिका के शॉर्टलिस्ट किए गए 4 शहरों को इंस्पेक्ट कर लिया है, इनमें से 3 को इंटरनेशनल स्टेटस नहीं मिला है। अगले कुछ महीनों में सभी वेन्यू फाइनल कर दिए जाएंगे।

वर्ल्ड कप होस्टिंग के लिए इंटरनेशनल स्टेटस जरूरी

अमेरिका के 4 शहरों फ्लोरिडा, मोरिसविले, डालास और न्यू यॉर्क को फिलहाल शॉर्टलिस्ट किया गया है। इनमें केवल फ्लोरिडा स्थित लॉडरहिल स्टेडियम को ही इंटरनेशनल स्टेटस मिला है। यहीं अगस्त में भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2 टी-20 मैच भी खेले जाएंगे। बाकी 3 शहरों को इंटनरेशनल स्टेटस मिलना बाकी है। आईसीसी गाइडलाइन के अनुसार, वर्ल्ड कप होस्टिंग के लिए इंटरनेशनल स्टेटस मिलना जरूरी है। मोरिसविले (चर्च स्ट्रीट पार्क) और डालास (ग्रैंड पीयर स्टेडियम) में फिलहाल मेजर लीग टी-20 टूर्नामेंट के मैच खेले जा रहे हैं, जबकि न्यू यॉर्क (वैन कोर्टलैंट पार्क इन द ब्रॉन्क्स) में फ्रेंचाइजी या इंटरनेशनल किसी भी लेवल का कोई मैच आयोजित नहीं हुआ। अमेरिकी शहरों में टूर्नामेंट के कुछ मैचों के साथ ज्यादातर वॉर्म-अप मुकाबले होंगे। वहीं वेस्टइंडीज में वॉर्म-अप मैच कम और मुख्य मुकाबले ज्यादा होंगे।

20 टीमों का टूर्नामेंट होगा, 15 टीमें क्वालिफाई

2024 के टी-20 वर्ल्ड कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी। होम टीम अमेरिका और वेस्टइंडीज समेत पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में टॉप-8 पोजिशन पर रहीं टीमें पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं। अफगानिस्तान और बांग्लादेश ने टी-20 रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया। वहीं इसी सप्ताह आयरलैंड, स्कॉटलैंड और पापुआ न्यू गिनी ने रीजनल क्वालिफायर्स के जरिए टूर्नामेंट में जगह बनाई। आयरलैंड और स्कॉटलैंड ने यूरोप रीजन क्वालिफायर्स में टॉप कर जगह बनाई, जबकि पीएनजी ने एशिया-पेसिफिक क्वालिफायर्स में टॉप किया। टूर्नामेंट में 5 टीमें और क्वालिफाई करेंगी। इनमें अमेरिकन क्वालिफायर से एक, अफ्रीका से 2 और एशिया रीजन से 2 और टीमें आएंगी।

5-5 टीमों के 4 ग्रुप बांटे जाएंगे

20 टीमों को 5-5 टीमों के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। ग्रुप स्टेज में 40 मैच होंगे। सभी ग्रुप की 2-2 टॉप टीमें सुपर-8 स्टेज में पहुंचेंगी, इस स्टेज में 12 मैच होंगे। सुपर-8 की भी 2-2 टॉप टीमें सेमीफाइनल में क्वालिफाई करेंगी। सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच 30 जून 2024 को टूर्नामेंट का फाइनल खेला जाएगा। 2 सेमीफाइनल, एक फाइनल और 52 ग्रुप स्टेज मैच मिलाकर टूर्नामेंट में 27 दिन के अंदर कुल 55 मैच खेले जाएंगे।

पिछले 2 टूर्नामेंट 16-16 टीमों के हुए थे

2021 और 2022 में खेले गए पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में 16-16 टीमें थीं। 8 में से 4 टीमें क्वालिफायर खेलकर सुपर-12 स्टेज का हिस्सा बनती थीं। दोनों टूर्नामेंट में 45-45 मैच हुए थे। 2007 में शुरू हुए टूर्नामेंट में अब पहली बार 20 टीमें शामिल होंगी और टूर्नामेंट में पहली बार 50 से ज्यादा मैच होंगे।

जमशेदपुर एफसी ने स्टीवानोविच को अपने साथ जोड़ा

जमशेदपुर । जमशेदपुर एफसी ने सर्बिया के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एलेन स्टीवानोविच के साथ दो साल का करार किया है। जमशेदपुर ने 2023-24 आईएसएल सत्र से पहले स्टीवानोविच को शामिल करने की घोषणा की। इस खिलाड़ी के पास खासा अनुभव है। उसने इटली में इंटर मिलान की युवा टीम के साथ शुरुआत की थी और दिग्गज कोच जोस मोरिन्हो की देखरेख में इसकी सीनियर टीम की ओर से भी खेला है। इसके साथ ही इटली में टोरिनो एफसी, पलेर्मो , एसएससी बारी और स्पेजिया जैसी टीमों का भी प्रतिनिधित्व किया है।

आरपी सिंह बोले- सिराज से सीखें युवा तेज गेंदबाज

लेफ्ट आर्म पेसर्स जिम नहीं नेट्स में ज्यादा प्रैक्टिस करें, तभी टिक पाएंगे

नई दिल्ली ।

आरपी सिंह ने कहा कि युवा बॉलरों, खास तौर से लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर्स, को मोहम्मद सिराज से सीख लेनी चाहिए। पूर्व तेज गेंदबाज भारत और वेस्टइंडीज के बीच चल रहे वनडे सीरीज में जियो सिनेमा के लिए कॉमेंट्री कर रहे हैं। आरपी ने कहा कि लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर टीम इंडिया में आए लेकिन अपने प्रदर्शन को कंटीन्यू नहीं रख पाए। इसीलिए टीम में वह अपनी जगह बरकरार नहीं रख पाए।

सिराज टीम से ड्रॉप हुए, लेकिन तेजी से इम्प्रूव भी किया

पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, लेफ्ट आर्म पेसर्स को युवा राइट आर्म फास्ट बॉलर मोहम्मद सिराज से सीख लेनी चाहिए। सिराज टीम से ड्रॉप भी हुए, लेकिन उन्होंने लगातार अपने प्रदर्शन में सुधार किया और अब टीम में अपनी जगह पक्की कर ली। युवा लेफ्ट आर्म फास्ट बॉलर अर्शदीप सिंह लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। उम्मीद है कि वह टीम में अपना स्थान पक्का कर लेंगे।

वनडे वर्ल्ड कप में रोहित और गिल ही ओपनिंग करेंगे

आरपी सिंह का मानना है कि वनडे वर्ल्ड कप में शुभमन गिल और रोहित शर्मा ही ओपनिंग करते हुए नजर आएंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में शुभमन गिल और ईशान किशन ने ओपनिंग की थी। सिंह ने कहा कि रोहित ने ईशान को खुलकर खेलने का मौका देने के लिए ओपनिंग कराई। यह टीम की अच्छी रणनीति है। लेकिन वनडे में रोहित ही गिल के साथ ओपनिंग करेंगे।

सूर्यकुमार यादव का समर्थन किया

आरपी सिंह ने वनडे वर्ल्ड कप में नंबर-4 की पोजिशन पर सूर्यकुमार यादव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, अगर श्रेयस अय्यर टाइम पर फिट नहीं हो पाते हैं तो टीम इंडिया को चौथे नंबर पर सूर्यकुमार के साथ ही जाना चाहिए। सूर्यकुमार के विकल्प को खारिज करना मूर्खतापूर्ण होगा। उन्होंने कहा, श्रेयस के साथ सूर्यकुमार यादव नंबर-चार के लिए एक अच्छा विकल्प हैं, बशर्ते वह फिट हों। अगर आप सूर्यकुमार को एक विकल्प के रूप में भी देख रहे हैं तो उनका आने वाले मैचों में इस्तेमाल महत्वपूर्ण होगा। सूर्यकुमार ने अभी तक वनडे क्रिकेट में अपनी छाप नहीं छोड़ी है, लेकिन जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं और जिस तरह के बल्लेबाज वह हैं, वह नंबर चार या पांच के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं।

जडेजा जैसे खिलाड़ी हैं शादाब : हेडन

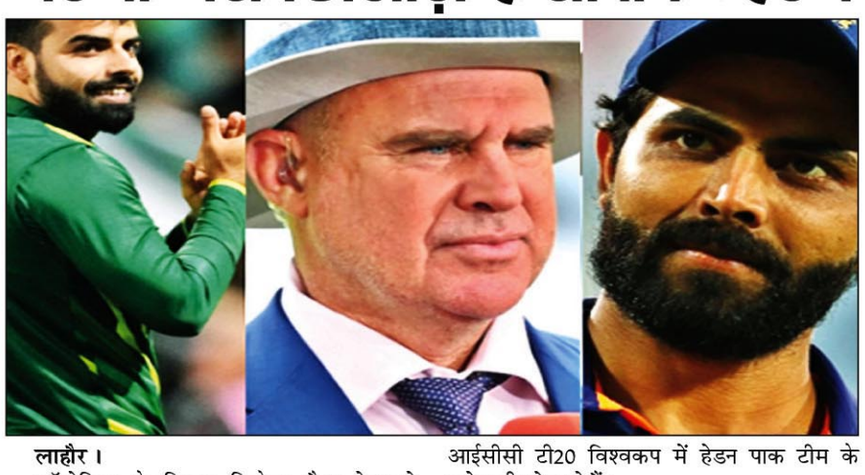

लाहौर ।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने आगामी एकदिवसीय विश्वकप को देखते हुए कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर शादाब खान इसमें श्री डायमेंशनल श्रीडी प्लेयर की भूमिका में रहेंगे। हेडन ने शादाब की तारीफ करते हुए कहा, बल्ले से वह बेहद आक्रामक हैं। वहीं गेंदबाजी में उसके पास काफी विविधता है। इसके अलावा वह एक शानदार फील्डर भी है। इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा, शादाब बेहतरीन खिलाड़ी है। उनके पास शानदार क्षमता है। वह भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा की तरह ही एक श्री डायमेंशनल प्लेयर है। गौरतलब है कि पिछले दो आईसीसी टी20 विश्वकप में हेडन पाक टीम के बल्लेबाजी कोच रहे हैं।

हेडन ने कहा कि जडेजा और शादाब जैसे खिलाड़ी विश्वकप में किसी भी टीम के लिए बेहद उपयोगी रहते हैं। उन्होंने कहा कि छोटे प्रारुप के क्रिकेट में फील्डिंग की अहम भूमिका होती है क्योंकि एक अच्छा रन आउट या कैच ही मैच का रुख बदल सकता है। 24 साल के शादाब ने पिछले कुछ वर्षों में पाक की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था। नियमित कप्तान बाबर आजम की गैरमौजूदगी में वे पाक टीम के कप्तान भी रहे हैं। वहीं टी20 और एकदिवसीय प्रारुप में वह पाकिस्तान टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं।

बृजभूषण शरण सिंह ने बुलाई बैठक, कुश्ती चुनाव को लेकर करेंगे चर्चा,

नई दिल्ली ।

यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने कुश्ती महासंघ के चुनावों में अपनी समिति को नामित करने के लिए रविवार को एक बैठक बुलाई है। यह पैनल महासंघ के नए पदाधिकारियों का चुनाव लड़ेगा। बृजभूषण और उनके बेटे करण चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन बृजभूषण के दामाद विशाल सिंह चुनाव में बिहार के प्रतिनिधि हैं और संभवत: शीर्ष पद के लिए दावेदारी कर सकते हैं। डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान सहायक सचिव विनोद तोमर ने पुष्टि की कि बृजभूषण ने 30 जुलाई को एक बैठक बुलाई है। उन्होंने हालांकि बैठक के आयोजन स्थल के बारे में नहीं बताया। तोमर ने कहा, 'हां, निवर्तमान अध्यक्ष ने रविवार को एक बैठक बुलाई है। यह तय नहीं किया गया है कि बैठक कहां होगी. बैठक में संभवत: वे सभी (राज्य निकाय पदाधिकारी) शामिल होंगे जो उनका (बृजभूषण) समर्थन करते हैं।' तोमर ने कहा, 'विभिन्न राज्य संघों के अध्यक्षों और सचिवों के चुनाव के लिए

उम्मीदवारों पर चर्चा के लिए बैठक में आने की संभावना है। बैठक का स्थान अभी तय नहीं किया गया है।' डब्ल्यूएफआई के चुनाव 12 अगस्त को होंगे और इसके लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। बृजभूषण यौन उत्पीड़न के कई आरोपों का सामना कर रहे हैं और चुनाव लड़ने के पात्र नहीं हैं क्योंकि उन्होंने पहले ही एक पदाधिकारी के रूप में 12 साल पूरे कर लिए हैं, जो राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार अधिकतम कार्यकाल है। डब्ल्यूएफआई के दैनिक मामलों का प्रबंधन वर्तमान में भारतीय ओलंपिक संघ की ओर से गठित भूपेंदर सिंह बाजवा की अध्यक्षता वाली तदर्थ समिति की ओर से किया जा रहा है। इस बीच पंजाब कुश्ती संघ के सचिव रणबीर कुंडू ने शुक्रवार को कहा कि अब तक उनके राज्य संघ को बैठक में शामिल होने के लिए किसी भी वर्ग या उम्मीदवार से निमंत्रण नहीं मिला है। कुंडू ने कहा, 'अब तक हमें कोई निमंत्रण नहीं मिला है। हम आगामी चुनावों में शीर्ष पदों के लिए कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे।

वर्ल्ड कप में 68 दिन बाकी

पाक ने अप्रैल-2023 में तैयारी शुरू की, तब से हर सीरीज का मूल्यांकन कर रहे

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में जब चिर-प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान क्रिकेट के मैदान में आमने-सामने होंगे, तो दुनिया इन दोनों देशों के करोड़ों फैंस के लिए रुक जाएगी। आईसीसी वर्ल्ड कप नजदीक आने के साथ ही माहौल गर्म होने लगा है और सबसे ज्यादा इंतजार 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले इन दोनों देशों के मुकाबले का है। टीम इंडिया फिलहाल कॉम्बिनेशन ही तलाश रही है। उसके चौथे नंबर की खोज अब तक पूरी नहीं हो सकी है। साथ ही इस मेगा इवेंट में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी कौन उठाएगा, इसे लेकर भी संशय है। वहीं, पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप के लिए अपनी तैयारी अप्रैल में शुरू कर दी थी। जब उसने न्यूजीलैंड के खिलाफ पाकिस्तान में पांच वनडे इंटरनेशनल मैच खेले थे।

वर्ल्ड कप से पहले 8-9 वनडे खेलेगा पाकिस्तान

वर्ल्ड कप से पहले पाकिस्तान को अगस्त में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे भी खेलने हैं। उसके बाद टीम अपनी मेजबानी में होने वाले एशिया कप में भी हिस्सा लेगी। पाकिस्तान ने 13 टीम वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप सुपर लीग के टॉप-8 में रहने के बाद वर्ल्ड कप के लिए डायरेक्ट क्वालिफाई किया था। उस लीग में पाकिस्तान 21 मैचों में 13 जीत के साथ पांचवें स्थान पर रहा था।

असली तैयारी एशिया कप से शुरू होगी

एक खेल पत्रकार रिजवान एहसान अली कहते हैं, 'वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान की तैयारी अप्रैल में शुरू हो गई थी, लेकिन असली तैयारी एशिया कप से शुरू होगी। उसके बाद टीम की ताकत और कमजोरियों की अंतिम समीक्षा की जाएगी। पिछले साल की शुरुआत से पाकिस्तान का रिकॉर्ड भी शानदार रहा है। न्यूजीलैंड के

खिलाफ सीरीज 4-1 से जीती थी। फिर ऑस्ट्रेलिया (2-1), वेस्टइंडीज (3-0), नीदरलैंड्स (3-0) को हराया है।'

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की टीम हालांकि भारत की तुलना में युवा है, लेकिन आईसीसी रैंकिंग में उनकी रैंकिंग भारतीय खिलाड़ियों से बेहतर है। आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में टॉप-5 में तीन पाकिस्तानी बैटर हैं। उनके कप्तान बाबर आजम टॉप पर हैं। इससे अन्य टीमों पर दबाव बनेगा। फखर जमान तीसरे और इमाम उल हक चौथे नंबर पर हैं।

श्रीलंका दौरे के बाद भी खिलाड़ियों का मूल्यांकन करेंगे

पाकिस्तान टीम के मैनेजर अहसान इफ्तिखार नेगी ने कहा कि टीम ने हाल ही में श्रीलंका का दौरा किया, जहां टीम ने टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। नेगी ने कहा, 'श्रीलंका में टीम ने एशिया कप और वर्ल्ड कप की तैयारी परखी। उस सीरीज के बाद अब हम खिलाड़ियों की ताकत और कमजोरी का अंदाजा लगा सकेंगे। हम देख सकेंगे कि किस खिलाड़ी को किस विभाग में काम करने की जरूरत है। अब इन सबका सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाएगा।'

नेगी ने साथ में यह भी कहा कि पाकिस्तान की टीम ने हाल ही में इमर्जिंग एशिया कप में भी हिस्सा लिया। उसमें बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर भी फोकस रहेगा।

कई पूर्व खिलाड़ियों ने पाक क्रिकेट बोर्ड की आलोचना की

पाकिस्तान के पूर्व खिलाड़ियों ने भारत में खेलने के लिए सरकार से इजाजत मांगने पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की आलोचना की है। हालांकि, खेल पत्रकार रिजवान एहसान अली ने सरकार के पाले में गेंद फेंकने की कार्रवाई को राजनीतिक नौटंकी करार दिया।

उन्होंने कहा, हम जानते थे कि सरकार पाकिस्तान को भारत में खेलने के लिए अनुमति दे ही देगी। आखिरकार, वर्ल्ड कप में भारत-पाक मुकाबला सबसे बड़ी घटना है। पिछले वर्ल्ड कप का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच इन्हीं का था, जिसमें टीवी पर 27.3 करोड़ फैंस थे, जबकि 5 करोड़ से अधिक डिजिटल दर्शक थे।

सही रोडमैप तैयार करें...

दिल में हजारों सपने और मन में जीत का जज्बा लिए युवा निकल पड़ते हैं अपने ड्रीम करियर की ओर। मगर कई बार सही रोडमैप तैयार न होने से उन्हें मंजिल तक पहुंचने में कठिनाई होती है। संबंधित कोर्स आदि करने के बाद भी कामयाबी मिलने वालों का प्रतिशत बहुत कम देखा गया है। अधिकतर युवा पढ़ाई के दौरान ही अपने लक्ष्य तय कर लेते हैं, मगर सही रोडमैप तैयार न होने के कारण वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाते और हताश हो जाते हैं। आइए जानते हैं ड्रीम करियर तक पहुंचने का क्या हो रास्ता।

खुद को परखें

सभी व्यक्ति एक जैसे नहीं होते। सबकी ताकत, कमजोरी, इच्छाएं, महत्वाकांक्षाएं और सपने सभी कुछ एक–दूसरे से बिल्कुल अलग होते हैं। साथ ही हर किसी में कोई न कोई खूबी जरूर होती है, जो उस व्यक्ति को अन्य लोगों से अलग बनाती है। सबसे पहले अपनी इस खूबी को पहचानिए। इससे खुद की पहचान में मदद मिलेगी और आपको अंदाजा हो जाएगा कि आप अपने बाकी साथियों के मुकाबले किस स्तर पर हैं? इसके बाद आप अपनी परफॉर्मेंस में सुधार के लिए सही तरीके अपना सकेंगे। अपनी ताकत के ईद-गिर्द ही अपना करियर बनाइए। इससे आप न सिर्फ अपने करियर में बेस्ट परफॉर्मेंस दे सकेंगे, बल्कि आपका आंतरिक विकास भी होगा और आप हमेशा खुश रह सकेंगे।

व्यक्तित्व को पहचानें

ऐसा काम न चुनें, जो आपके व्यक्तित्व के अनुरूप न हो। अगर आपकी कम्युनिकेशन स्किल अच्छी नहीं है तो मार्केटिंग के क्षेत्र में आपका भविष्य बहुत सुनहरा नहीं होगा। हम जिस चीज से संतुष्ट होते हैं और जो काम करने में सहजता महसूस करते हैं, वही बेहतर रूप से कर सकते हैं। जिस काम को हम रुचि के साथ आनंद लेकर करते हैं, उस काम में सफलता मिलना आसान होता है, लेकिन जो काम हमें असहज या कठिन लगते हैं, जिन्हें करने से आत्मसंतुष्टि नहीं मिलती, उनमें सफलता मिलना बहुत मुश्किल होता है।

लक्ष्य तय करें

एक प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी द्वारा करवाए गए सर्वे में यह बात निकल कर सामने आई है कि किसी भी करियर के प्रति रुझान उम्र के साथ-साथ बदलता है। वही लोग अंत तक एक करियर से किसी न किसी रूप में जुड़े रहे, जिन्होंने लक्ष्य तय किया हुआ था और उन्हें अपने करियर से प्यार था। पहली ही नौकरी का चयन अगर सही नहीं हुआ तो करियर में तरक्की की राहें मुश्किल हो सकती हैं। ऐसे में बार-बार नौकरी बदलने में आपका कीमती वक्त बर्बाद होगा। यह पहले से तय कर लें कि आपको किस क्षेत्र में करियर बनाना है या किन कंपनियों में काम करना चाहते हैं। अमेरिका के ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स ने नई रिपोर्ट में आंकड़ों के आधार पर 20 सबसे अच्छी नौकरियों की एक सूची पेश की है। इनमें इंजीनियर और विश्लेषक की नौकरियों को सबसे ऊपर रखा गया है। आंकड़ों का परीक्षण ग्लासडोर ने किया है।

क्षमताएं बढ़ाएं

ग्लासडोर डॉट कॉम वेबसाइट द्वारा करवाए गए सर्वे के मुताबिक जिन 63 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्किल्स को बढ़ाने पर काम किया, उन्हें बेहतर पदोन्नति के साथ अच्छी सैलरी भी मिली। सर्वे में 74 प्रतिशत ने माना कि उन्हें खुद को आगे बढ़ाने के लिए स्किल्स सीखनी होंगी। 48 प्रतिशत कर्मचारियों के मुताबिक उनकी डिग्री उनके काम के साथ कहीं मेल नहीं खाती यानी इससे साफ हो गया कि शुरुआत में भले ही आप अपनी डिग्री की बदौलत कोई नौकरी पा लेते हैं, मगर उसमें टिके रहने व तरक्की पाने के लिए आपको अपनी मौजूदा क्षमताओं में इजाफा करना होगा। उन स्किल्स को पहचान कर सीखना होगा, जो आपके काम में सहायक हैं।

पाएं कार्यानुभव

किसी कंपनी में की गई इंटर्नशिप आपको आपके ड्रीम करियर तक पहुंचने में सहायक हो सकती है। इंटर्नशिप के दौरान आप क्लास रूम की थ्योरी क्लासेज से निकल कर जॉब मार्केट और पेशवर कार्यों की दुनिया से परिचित होते हैं। आपने जो शिक्षा हासिल की है, उसका वास्तविक प्रयोग कैसे करना है और आपकी शिक्षा आपके ड्रीम करियर में रास्ता बनाने में किस हद तक सहायक होगी, इसे इंटर्नशिप के दौरान परखा और जांचा जा सकता है।

रेज्यूमे हो दमदार

किसी भी कंपनी में अपना रेज्यूमे भेजने से पहले यह निश्चित कर लें कि इसमें कहीं कोई भाषाई अशुद्धि तो नहीं है, कोई योग्यता बढ़ा-चढ़ा कर तो नहीं लिखी गई है। इसके बाद ध्यान दें कि उसका डिजाइन, फॉन्ट साइज, आकर्षक हो, ताकि पढ़ते समय बोरियत न हो। जो भी कहना चाहते हैं, वह संक्षेप में प्रभावी ढंग से लिखा होना चाहिए।

रिसर्च करें

जिस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, उसके बारे में जानकारियां एकत्र करें। उस क्षेत्र में काम कैसे होता है, काम करने की शैली कैसी है, वेतन कितना मिलता है, आने वाले समय में उस क्षेत्र में विकास की क्या संभावनाएं हैं, सरकार की नीति सेक्टर के लिए क्या है, क्षेत्र में काम करने के दौरान किस तरह की चुनौतियां सामने आ सकती हैं।

क्षमता और रुचि का रखें ध्यान...

12वीं के बाद करियर की दिशा को लेकर विद्यार्थियों के मन में कई सवाल होते हैं। मसलन- कौन-सी स्ट्रीम चुनें, प्रोफेशनल कोर्सेज में दाखिला लें या पारंपरिक डिग्री हासिल करें आदि। काउंसलर की मानें तो कैरियर की दिशा चुनते वक्त आपको दो बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए-क्षमता और रुचि। यदि आप इन बातों की तह तक पहुंच गए, तो आप अपने क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर सकते हैं। नजर डालते हैं बारहवीं के बाद के उन प्रमुख कैरियर विकल्पों पर, जिनमें से कोई एक क्षेत्र चुन कर आप मंजिल तक पहुंच सकते हैं, बशर्ते आपने क्षेत्र का चुनाव अपनी क्षमता और रुचि का आकलन करने के बाद किया हो।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्युट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकारके अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है। विशेष जानकारी के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएआइ डॉट ओआरजी पर संपर्क करें।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्युट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएस आइ डॉट इडीयू पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों- फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आपइंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ का क्षेत्र

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है. 10+2 के बाद 5 वर्षीयलॉइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नई दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है। इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा। विशेष जानकारी के लिए आप वेबसाइट पर विजिट करें।

बैंकिंग का क्षेत्र

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र में नई नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षों में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है, परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें। बैंकों की रिक्तियों की अधिसूचना निरंतर अखबारों में निकलती रहती हैं।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया।10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिला सकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमयानी बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता का क्षेत्र

एक समय था जब इस विषय को हिंदी या अंग्रेजी विभाग के साथ जोड़कर पढ़ाया जाता था, लेकिन हाल के वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की चकाचौंध ने युवाओं के एक बड़े वर्ग का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय बैचलर्स इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन या बीए (जेएमसी) जैसा पाठ्यक्रम आपको मीडिया के क्षेत्र में प्रवेश करने का अवसर दे सकता है, परंतु इस क्षेत्र में संघर्ष है, आपके स्थापित होने की समय सीमा भी निश्चित नहीं है। इस जोखिम को ध्यान में रखकर ही आप इस क्षेत्र में जाने की योजना बनायें। इस क्षेत्र में सफलता के लिए आपकी भाषा पर मजबूत पकड़ बेहद जरूरी है, चाहे बात प्रिंट मीडिया की हो या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की। वाणिज्य से पढाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों और अखबारों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदाई बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते हैं। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएससी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो निःसंकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। ध्यान रखें कि पाठ्यक्रम रेग्युलर हो,अन्यथा पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पाएगा, जो क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

मेडिकल

बायो के साथ 10+2 लेने वाले छात्रों का पहला कैरियर विकल्प मेडिकल होता है। एक बात समझना आवश्यक है। कई छात्र मेडिकल में कैरियर बनाने की चाह में चीन, रूस इत्यादि से मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं। ध्यान रहे, भारत में केवल वही मेडिकल डिग्री मान्य है, जो मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्य है। यदि आप देश से बाहर से कोई मेडिकल की डिग्री लेकर आते हैं, तो आपको पुनः मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग टेस्ट पास करना होगा, अन्यथा आपकी डिग्री अवैध हो जाएगी। कहने की आवश्यकता नहीं कि भारतीय मेडिकल संस्थानों में दाखिले के लिए सीबीएससी द्वारा प्रत्येक वर्ष ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट का आयोजन किया जाता है, जिसके आधार पर सरकारी-पोषित व निजी मेडिकल संस्थानों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम में दाखिला लिया जा सकता है।

डेंटिस्ट्री

बायो के साथ 10+2 उत्तीर्ण करने वाले छात्रों के लिए डेंटिस्ट्री (दांतों का डॉक्टर) भी एक उत्तम कैरियर विकल्प है। चार वर्षीय बैचलर इन डेंटल सर्जरी करने के बाद यदि आप इसमें मास्टर्स कर लें तो फिर पीछे मुड़कर देखने की आवश्यकता नहीं होगी। मान्य संस्थानों की अद्यतन जानकारी डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के वेबसाइट पर उपलब्ध है। निजी संस्थानों के अतिरिक्त सरकारी संस्थानों में बीडीएस में दाखिले के लिए भी सीबीएससी द्वारा आयोजित ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट को उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

बायोटेक्नोलॉजी

रिसर्च और तकनीक से यदि आपका लगाव हो, तो बायोटेक्नोलॉजी का क्षेत्र आपको एक स्थायी कैरियर विकल्प दे सकता है। फार्मा कंपनियों में निरंतर बायो तकनीक विशेषज्ञों के लिए रिक्तियां निकलती रहती हैं। इस विषय को लेकर दो प्रकार के पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं- तीन वर्षीय बीएससी इन बायोटेक्नोलॉजी और चार वर्षीय बीटेक इन बायोटेक्नोलॉजी। कैरियर के लिहाज से इनमें से किसी पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद एमबीए करना बेहतर होगा, ताकि आपको तकनीकी ज्ञान के साथ साथ प्रबंधन कौशल भी आ सके।

अल्टरनेटिव मेडिसिन

एमबीबीएस के अतिरिक्त होमियोपैथी, यूनानी, आयुर्वेद जैसे अन्य कैरियर विकल्प भी हैं, जो आपको एक डॉक्टर के रूप में स्थापित कर सकते हैं। बैचलर इन आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी, बैचलर इन होमियोपैथी मेडिसिन एंड सर्जरी के अतिरिक्त नेचुरोपैथी, योग, फिजियोथेरपी जैसे पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनको आप अपनी रुचि के अनुसार चुन सकते हैं।

नर्सिंग का क्षेत्र

नर्सिंग का क्षेत्र उन चुनिंदा क्षेत्रों में है, जिन में कभी भी रोजगार के अवसर कम नहीं होंगे। इस क्षेत्र में कई पाठ्यक्रम हैं, जैसे एक वर्षीय ऑक्जिलियरी नर्सिंग मिडवाइफरी यानी एएनएम से लेकर चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग तक। मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची काउंसिल की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट इंडियन नर्सिंग काउंसिल डॉट ओआरजी पर उपलब्ध हैं।

इंडियन आर्मी

देश के युवाओं का एक तबका ऐसा भी है, जो अपने रोजगार के साथ-साथ देश की सेवा भी करना चाहता है। तो आर्ट्स के छात्र के रूप में आपके लिए यहां भी इंडियन आर्मी के दरवाजे खुले हुए हैं। जब आप स्नातक के अंतिम वर्ष में हों, तो संयुक्त लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सीडीएस यानी कंबाइंड डिफेंस सर्विस में प्रवेश की योजना बनाएं।

प्रेग्नेंसी में कैसा भोजन खाना करना चाहिए?

आपको जरूरत है अपने आहार का ध्यान रखने की। क्या खाना है और क्या नहीं। क्या मैं नॉन-वेज खाऊं या नहीं। क्या मुझे पूरी तरह वेजिटेरियन रहना चाहिए। इसे लेकर कई महिलाएं दुविधा में रहती हैं। मांसाहारी भोजन में सब्जियों और फलों की तुलना में ज्यादा आयरन होता है। यदि आपको नॉन वेज खाने में कोई दिक्कत नहीं है तो यह आपके और आपके गर्भ में पल रहे बच्चे दोनों के लिए अच्छा होगा। यदि आपके शरीर में आयरन पहले से ही उचित मात्रा में मौजूद है तो आप नॉनवेज का इस्तेमाल 10 से 11 हफ्तों में भी कर सकती हैं।

नॉनवेज खाने में आपके लिए मछली का सेवन सबसे अच्छा रहेगा। मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है और यह गर्भ में पल रहे बच्चे के दिमाग के लिए बहुत ही फायदेमंद हैं। हालांकि ओमेगा 3 फैटी एसिड के लिए आप भोजन में अलसी के बीजों का भी यूज कर सकती हैं, लेकिन इसके लिए मछली के सेवन से बेहतर कुछ नहीं। गर्भावस्था के दौरान आपको आम दिनों की ही तरह ही हेल्दी खाना खाना चाहिए। महिलाएं अपनी और गर्भस्थ शिशु की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने से खुशी का अनुभव करती है। इसलिए नॉन वेज उन सभी जरूरतों को पूरा करता है जो आपको और आपके नन्हें मेहमान के लिए जरूरी हैं। इस दौरान आपकी दिनभर की दिनचर्या में ब्रेकफास्ट, पास्ता, चावल और रोटी सभी कुछ होना चाहिए। यदि आप नॉनवेज हैं तो आपको प्रोटीन युक्त फल और सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए। आपको खाने से संबंधित सभी चीजें थोड़ी-थोड़ी मात्रा में नियमित अंतराल पर लेनी चाहिए। एक बार में ज्यादा खाना आपको नुकसान दे सकता है। ऐसी कुछ नॉन वेज डिश जिन्हें आप प्रोटीन और आयरन के लिए यूज कर सकती है।

चिकन स्वीट कोर्न सूप: चिकन स्वीट कोर्न सूप प्रोटीन के लिए बहुत ही अच्छा विकल्प है। इसे तैयार करने के लिए आपको 250 ग्राम बोन लैस चिकन, आधा कप स्वीट कोर्न क्रीम की जरूरत पड़ेगी।

स्टीम्ड लैमन फिश सैलड: स्टीम्ड लैमन फिश सैलड में प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा के साथ ही आयरन और विटामिन सी होता है। यह गर्भावस्था के दौरान आपके और आपके यहां आने वाले नन्हें मेहमान के लिए फायदेमंद रहेगा। इसे तैयार करने के लिए 300 ग्राम बिना हड्डी वाली मछली, 2 हरी मिर्च, नींबू का रस और धनिया पत्ती चाहिए।

फिश फिंगर: फिश फिंगर को आप अपनी दिनचर्या में स्नैक्स की तरह यूज कर सकती हैं। इसमें न केवल प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा है बल्कि विटामिन ई, विटामिन ए, विटामिन डी, ओमेगा 3 फैटी एसिड के साथ ही कैल्शियम भी है। इसे तैयार करने के लिए आपको 300 ग्राम बोन लैस फिश के पीस, धनिया पत्ती, नींबू का रस, जीरा पाउडर और फैट किया हुआ छोटे अंडे की जरूरत होगी।

चिकन टिक्का चाट: चिकन टिक्का चाट को भी आप फिश फिंगर की ही तरह बतौर स्नैक्स यूज कर सकती हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर और विटामिन सी की भरपूर मात्रा है।

स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स: इसका इस्तेमाल आप अपने खाने के दौरान कर सकती हैं। स्पाइसी स्पागेटी और मीटबॉल्स का सेवन आपको प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और विटामिन सी सब कुछ देगा। इसे तैयार करने केक लिए 150 ग्राम स्पागेटी, 300 ग्राम मटन, मशरूम, प्याज, अदरक, दूध, अंडा और मिर्ची पाउडर की जरूरत होगी।

चिकन पीस पुलाव: चिकन पीस पुलाव में विटामिन ए, सी और के साथ ही फोलेट भी उचित मात्रा में होता है। टेस्टी चिकन पीस पुलाव का सेवन आप अपने भोजन में करें।

रेसिपी

ब्रेड कोफ्ता करी

सामग्री

ब्रेड कोफ्ते के लिए: 6 ताजे ब्रेड के स्लाईस, 5 स्पून ताजा दही, 2 स्पून मैदा, 2 स्पून बेसन, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 2 स्पून कटी हुई हरी मिर्च, एक चुटकी बेकिंग सोडा **अन्य सामग्री:** 1 कप लौकी के टुकड़े, 3 स्पून तेल, 1/2 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, आधे कटे हुए, 1/2 कप कसा हुआ प्याज, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 2 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 2 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 स्पून ताजा दही, 3/4 कप ताजा टमाटर का पल्प, 1/2 कप उबले हुए हरे मटर, **सजाने के लिए:** 1 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया

विधि

ब्रेड कोफ्ते के लिए: ब्रेड स्लाईस के कीनारे निकाल लें। ब्रेड स्लाईस को बाउल मे रखकर चुरा कर लें, दही, मैदा, बेसन, धनिया, हरी मिर्च, बेकिंग सोडा और नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। मिश्रण को 20 बराबर भाग मे बांटकर प्रत्येक भाग के गोल आकार बना लें। कढ़ाई मे तेल गरम करें और एक बार मे थोड़े कोफ्ते डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज ने निकालकर एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधि:** एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में लौकी और 1 कप पानी मिलाकर, बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर लौकी के नरम होने तक या 8-10 मिनट के लिए पका लें। मिश्रण को पुरी तरह ठडा कर मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में 2 टेबल-स्पून तेल गरम करें और आलू डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या आलू के सुनहरे होने तक भून लें। छानकर एक तरफ रख दें। उसी कढ़ाई में, बचा हुआ 1 टेबल-स्पून तेल गरम करें, प्याज डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट या प्याज के पारदर्शी होने तक भून लें। हल्दी, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर और 2 टेबल-स्पून पानी डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पकाएं। ताजा दही और टमाटर का पल्प डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 1-2 मिनट के लिए पकाएं। लौकी का पेस्ट, 1/2 कप पानी, नमक, हरे मटर और भुने हुए आलू डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 2-3 मिनट के लिऐ पकाएं। परोसने के तुरंत पहले ब्रेड कोफ्ता डालें और हल्के हाथों से मिलाकर मध्यम आंच पर 1-2 मिनट तक पकाएं। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

हान्डी खिचड़ी

सामग्री

3/4 कप चावल, 15 मिनट के लिए भिगोकर छाने हुए, 1/4 कप बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1/4 स्पून हल्दी पाउडर, 1 स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1 स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 स्पून लहसुन का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, 1/2 कप छिले हुए आलू के टुकड़े, 1/4 कप हरे मटर, 1/2 कप फूलगोभी के फूल, 2 स्पून तेल, 2 इलायची, 25 मिलीमीटर दालचीनी का टुकड़ा, **परोसने के लिए:** छाछ, पापड़

विधि

धनिया, प्याज, धनिया-जीरा पाउडर, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट और नमक को एक गहरे बाउल में अच्छी तरह मिला लें। आलू, हरे मटर, फूलगोभी, तेल, चावल, इलायची और दालचीनी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को हान्डी में डालकर, 11/2 कप गरम पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। ढक्कन से ढक कर, धीमी आंच पर 25-30 मिनट के लिए, बीच-बीच में हिलाते हुए पका लें। छाछ और पापड़ के साथ तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**